रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

www.lagatar.in * * रांची, बुधवार 09 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 07, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 181 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नवरात्र सातवां दिन

मां कालरात्रि की आराधना

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥

जो जगदंबा भयंकर रूप होने के बावजूद शुभ फल प्रदान करनेवाली हैं और इसी कारण शुभंकरी कहलाती हैं, उन माता कालरात्रि को भक्तिपूर्वक नमन. बाल बिखरे हुए और गले में माला है. बायीं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है. जिसके तीन नेत्र ब्रह्माण्ड के समान गोल हैं. जिनकी सांसों से ज्वाला निकलती रहती है. जो गर्दभ की सवारी करती हैं. जो ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा से भक्तों को वर देती हैं और दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है, उन माता कालरात्रि के श्रीचरणों में हम श्रद्धालुओं का प्रणाम. माता कालरात्रि. काल से भी रक्षा करने वाली शक्ति हैं.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक... नायाब जीत

विधानसभा चुनाव के नतीजों से भाजपा भी भौंचक कांग्रेस बोली- हम हारे नहीं हराए गए हैं

लगातार न्यूज नेटवर्क। चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने हैं. भाजपा ने सभी एग्जिट पोल के अनुमानों को गलत साबित करते हुए 52 साल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है. अब पार्टी राज्य में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है. वहीं, कांग्रेस को ओवर कॉन्फिडेंस का खामियाज भुगतना पड़ा. ज्यादातर एग्जिट पोल में कांग्रेस को बंपर बहुमत मिलता दिखाया गया था. लेकिन कांग्रेस यहां 37 सीटें ही जीत पाई.

पूरे हरियाणा चुनाव में दो शब्दों की चर्चा सबसे ज्यादा रही. पहला- जाट और दूसरा- जलेबी. कांग्रेस ने दोनों पर बहुत जोर दिया, लेकिन ट्रेंड बताते हैं कि इससे पार्टी को कुछ खास हासिल नहीं हुआ. चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद अब सोशल मीडिया पर मातूराम की जलेबी ट्रेंड कर रही है. वहीं, जीत की खुशी में भाजपा स्टेट ऑफिस में जलेबियां बांटी जा रही हैं.

नायब सिंह सैनी

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने सबको चौंका दिया है. भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 48 सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है.

-शेष पेज 7 पर

विधानसभा चुनाव 2024 का जनादेश

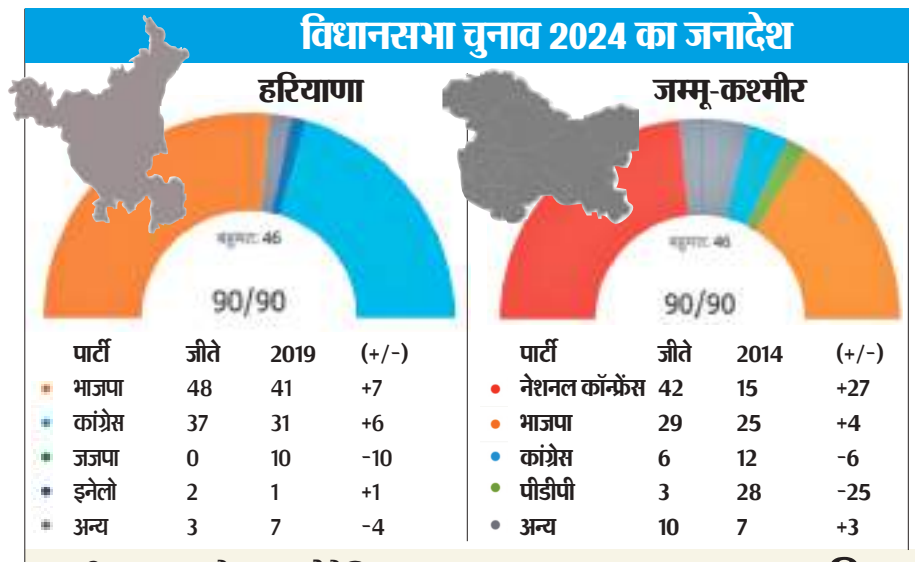

हरियाणा

पार्टी	जीते	2019	(+/-)
भाजपा	48	41	+7
कांग्रेस	37	31	+6
जजपा	0	10	-10
इनेलो	2	1	+1
अन्य	3	7	-4

जम्मू-कश्मीर

पार्टी	जीते	2014	(+/-)
नेशनल कॉन्फ्रेंस	42	15	+27
भाजपा	29	25	+4
कांग्रेस	6	12	-6
पीडीपी	3	28	-25
अन्य	10	7	+3

नहीं चला कांग्रेस का नैरेटिव : दूसरी तरफ, कांग्रेस इस बार जीत को लेकर आश्वस्त थी. एग्जिट पोल्स से लेकर सियासी बयानों तक यही संकेत मिल रहे थे कि भाजपा इस बार मुकाबले में कमजोर है. कांग्रेस में यह मंथन भी होने लगा था कि 65 से ज्यादा सीटें आती हैं, तो कमान किसे सौंपी जाएगी. भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला, तीनों नेता सीएम पद पर अपनी दावेदारी को लेकर ताल ठोंक रहे थे. युवाओं में बेराजगारी और किसानों-पहलवानों की नाराजगी जैसे मुद्दे को कांग्रेस जोरशोर से उठा रही थी. इस सबके बावजूद भाजपा कांग्रेस की बगल से जीत को निकाल कर ले गई.

जम्मू कश्मीर में इंडिया अलायंस की सरकार
उमर अब्दुल्ला होंगे मुख्यमंत्री

एजेंसियां। श्रीनगर

एक दशक बाद हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने सबसे ज्यादा 49 सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है. कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस अकेले दम पर 41 सीटें जीतने में सफल रही.

वहीं गठबंधन में शामिल कांग्रेस पार्टी भी 6 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी. वहीं भारतीय जनता पार्टी जम्मू में भी अपनी उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं जीत पाई, वह केवल 29 सीटों पर जीत

दर्ज कर पाई. पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी अपनी सीट बड़गाम से चुनाव जीत गए हैं. कांग्रेस के बड़े नेता और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी चुनाव जीतने में कामयाब रहे.

-शेष पेज 7 पर

हरियाणा ने कमल-कमल कर दिया : मोदी

जहां दूध-दही का खाणा, वैसा है अपना हरियाणा. हरियाणा के लोगों ने कमाल कर दिया... कमल-कमल कर दिया है. आज नवरात्रि का छठा दिन है, मां कात्यायनी का दिन है. मां कात्यायनी हाथ में कमल लेकर शेर पर बैठी हैं. वह हम सभी को आशीर्वाद दे रही हैं. ऐसे पवित्र दिन पर हरियाणा में तीसरी बार कमल खिला है. – पीएम नरेंद्र मोदी

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 81 फैसलों पर सरकार की मुहर

उग्रवादी हिंसा में मौत पर सैप जवानों के आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 81 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई. कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि इंदिरा गांधी विधवा पेंशन और इंदिरा गांधी दिव्यांग पेंशन योजना में समान रूप से 1000 रुपए की राशि दी जाएगी. 80 वर्ष उम्र सीमा की गई है. मध्य विद्यालय को माध्यमिक उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने की मंजूरी दी गई. खनन सेवा अभियंता नियमावली में विभागीय परीक्षा के लिए संशोधन किया गया. गढ़वा नगर परिषद अंतर्गत मल्टीपरपज सेंटर के निर्माण के लिए 60 करोड़ के लिए प्राक्कलन को मंजूरी दी गई. उग्रवादी हिंसा में मृत्यु होने की स्थिति पर सैप पुलिसकर्मियों के आश्रित को अनुकंपा पर नौकरी दी जाएगी.

इसके अलावा जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग इत्यादि की कई विकास योजनाओं की स्वीकृति दी गई. राजकीय चिकित्सा अस्पताल और सदर अस्पताल रांची में सीटी स्कैन मशीन की खरीद के लिए एक अरब 32 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी. केशव महतो कमलेश को झारखंड राज्य कोऑर्डिशन समिति का सदस्य बनाया गया. कमलेश को मंत्री का दर्जा मिलेगा.

राज्य के सरकारी भवनों, कार्यालयों, न्यायमंडलों एवं केंद्रीय उपक्रमों में ट्रांसफार्मर लगाने के लिए उर्जा सिक्योरिटी डिपॉजिट की राशि को वेब ऑफ करने, जगन्नाथपुर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में स्टेट ऑफ आर्ट संस्थान विकसित करने को 74 करोड़ की मंजूरी दी गई. 2551 लघु आंगनबाड़ी केंद्रों को सामान्य केंद्रों के उपक्रम करने, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति सेवा शर्त एवं नियमावली 2024 का गठन, सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए डायरी छापने एवं बांटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई.

मुंबई में बनेगा बनेगा झारखंड भवन : अरगोड़ा अंचल क्षेत्र में 5.15 एकड़ भूमि 28 करोड़ भुगतान पर 1. 2. 2022 से अगले 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण के संबंध में संत जेवियर स्कूल रांची को देने की स्वीकृति दी गई. रिम्स रांची में नए भवन और पुराने भवन के जीर्णोधार के लिए सात अरब से अधिक राशि की स्वीकृति दी गई. मुंबई में गरीब मजदूर इत्यादि के रहने के लिए झारखंड भवन बनाया जाएगा, जिसके योजना स्वीकृत की गई है. इलाज के लिए जाने वाले गरीबों को इसमें सुविधा मिलेगी.

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के चयन और मानदेय नियमावली में संशोधन : झारखंड आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के मानदेय, चयन सेवा नियमावली में संशोधन किया गया. बंधन झारखंड आंगनबाड़ी सेविका सहाय का सेवा नियमावली के मंजूरी दी गई. अनुकंपा की कठिनाई को भी दूर किया गया. आश्रित को उसी वर्ग में नौकरी मिल जाएगी. वहीं, अब तक जिन्हें मानदेय नहीं दिया जा सका है, उसके लिए एक बार मानदेय वृद्धि की जाएगी. पीटीपीएस से उत्पादक बिजली ऊपरी सबसे निकालने के आधारभूत संरचना बनाने के लिए 2181 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई.

- **विधवा और दिव्यांग पेंशन में समान रूप से 1000 रुपए की राशि मिलेगी**

कैबिनेट के फैसले

- **केशव महतो कमलेश राज्य को-ऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्य, मिला मंत्री का दर्जा**

प्रमुख निर्णय एक नजर में

- संत जेवियर स्कूल डोरंडा को मिलेगा 1.50 एकड़ की भूमि 30 साल के लीज पर
- **रांची रिम्स के पुराने भवनों का होगा जीर्णोधार और नए भवन बनेंगे 1 अरब रुपया से**
- मुंबई में बनेगा नया झारखंड भवन जहां जहां पर झारखंड से जाने वाली मजदूरों को रहने की सुविधा दी जाएगी
- **झारखंड के सभी जिलों में बनेगा बार काउंसिल का भवन**
- आंगनवाड़ी सहायिका सेविकाओं की नियुक्ति में अनुकंपा को प्राथमिकता देने का निर्णय
- मैंगो के परदेसी छात्रवृत्ति में कोटा बढ़ाया गया अब 50 छात्र-छात्राएं विदेश पढ़ने जा सकते हैं
- **राज्य के सभी जिलों में पलाश मार्ट खुलेगा**
- कोल्हान के मुसाबनी, देवघर और गिरिडीह के तिसरी व दुमका और हजारीबाग के बड़कागांव में बनेगा नया डिग्री कॉलेज
- **केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड संशोधन के लिए राज्य सरकार लिखेंगे केंद्र सरकार को पत्र**

ईडी के नाम पर वसूली मामला

वकील, डीटीओ, सीओ समेत कई के ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

- **रांची और धनबाद में ईडी की अलग-अलग टीम ने दी दबिश**
- **कई दस्तावेज जब्त, भारी मात्रा में नकदी मिलने की भी सूचना**

विनीत/सौरभ। रांची

झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर से कार्रवाई की है. ईडी की अलग-अलग टीम ने मंगलवार की सुबह रांची में पांच और धनबाद में दो ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की. जिन लोगों के ठिकानों पर ईडी की टीम ने दबिश दी, उनमें धनबाद धनबाद के डीटीओ दिवाकर प्रसाद द्विवेदी, रांची के कांके अंचल के सीओ जय कुमार राम, नामकुम अंचल के तत्कालीन सीओ प्रभात भूषण, जमीन करोबारी संजीव पांडेय, रवि और वकील सुजीत कुमार का नाम शामिल है.

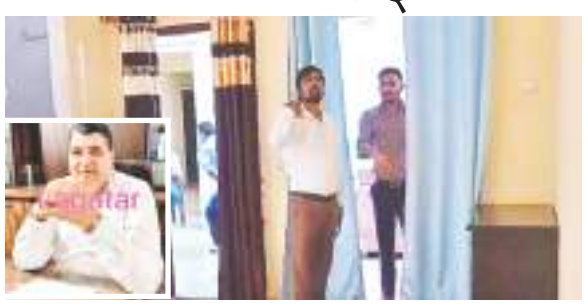

यह कार्रवाई पंडरा थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई है. छापेमारी के क्रम में ईडी की टीम धनबाद के डीटीओ दिवाकर प्रसाद के झारुडीह के देव विहार स्थित फ्लैट पर पहुंची. इस दौरान बाहरी लोगों के अपार्टमेंट में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी. साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. बता दें कि इस मामले में ईडी ने उनसे पूर्व में भी कई बार पूछताछ कर चुकी है. वहीं, रांची के बरियातू स्थित राधे कृष्णा गार्डन के अलावा पंडरा व हटिया इलाके में सबंधित लोगों से जुड़े ठिकानों पर भी दबिश दी गई. छापेमारी के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज जब्त किये हैं. साथ भारी मात्रा में नकदी बरामद होने की सूचना है. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है.

धनाबाद में छापामारी करती ईडी की टीम व इनसेट में वकील सुजीत कुमार.

ईडी को मैनेज करने के लिए 5.71 करोड़ में हुई थी डील : जमीन घोटाला मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी (ईडी) को मैनेज करने के लिए कांके व नामकुम सीओ के अलावा धनबाद डीटीओ पर 5.71 करोड़ रुपये में डील करने का आरोप लगा है. पंडरा निवासी जमीन कारोबारी संजीव कुमार पांडेय ने पंडरा ओपी में वकील सुजीत कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. प्राथमिकी में वकील सुजीत कुमार पर ईडी से जुड़े केस को मैनेज करने का आरोप लगाया गया है.

आरोप : केस से बचा लेने का झांसा देकर लिये रुपये : संजीव ने आरोप लगाया है कि वकील सुजीत कुमार ने चार्जशीट में उनका नाम शामिल न करने के लिए कुछ अधिकारियों और उनसे पांच करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की है.

-शेष पेज 7 पर

मिथुन को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से किया गया सम्मानित

नयी दिल्ली। दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को मंगलवार को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया. उन्हें राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने यह सम्मान प्रदान किया. अभिनेता इस दौरान काफी भावुक नजर आए और कहा कि पहले मैं भगवान से बहुत शिकायत करता था, अब कोई शिकायत नहीं है. भगवान ने सूद सहित सब वापस कर दिया. मिथुन को इस दौरान स्टैंडिंग ओवेशन मिला. बेस्ट हिंदी फिल्म के लिए गुलमोहर को अवार्ड दिया गया. स्क्रीनप्ले राइटर राहुल वी.चित्तेला को गुलमोहर के लिए बेस्ट स्क्रीनप्ले का नेशनल अवॉर्ड मिला. फिल्म गुलमोहर को नेशनल अवॉर्ड सेरेमनी में स्पेशल मेंशन मिला.

मजदूरों के मरने के बाद भी नहीं होती नरसिंह इस्पात पर कार्रवाई?

दिलीप कुमार। चांडिल

नरसिंह इस्पात कंपनी में बार-बार गैस रिसाव की घटना होने के बाद भी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होना चिंताजनक है. यहां सरकार के प्रावधानों के विपरीत मजदूरों से काम लिया जा रहा. पुलिस-प्रशासन के अफसर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं. ऐसे ही कई सवाल और बातें क्षेत्र में चल रही हैं.

लोगों का कहना है कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी मजदूर की मौत पर चुप्पी साधे बैठे हैं. उन्हें जनता की जान की परवाह नहीं है. रविवार को कंपनी में मजदूर की मौत के बाद खूंटी ग्राम सभा और कंपनी द्वारा कानूनों को ताक पर रखकर काम किए जाने का विरोध करने वाले एक बार फिर मुखर हैं. लोगों का कहना है कि जब कंपनी में दुर्घटना में मजदूर की मौत हुई है. कंपनी गेट पर 14 घंटों से अधिक समय तक प्रदर्शन जारी है. प्रबंधन परिजनों को मुआवजा दे रहा है. ऐसे में कंपनी की गलती पर अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं.

नरसिंह इस्पात लिमिटेड कंपनी.

2022 में भी हुआ था जहरीली गैस रिसाव : अप्रैल 2022 में भी कंपनी में जहरीली गैस का रिसाव होने से सात मतदूर बेहोश हो गए थे. सात में तीन को गंभीर स्थिति में टीएमएच, जमशेदपुर में भर्ती कराया गया, जबकि चार मजदूरों का स्थानीय क्लीनिक में उपचार कराया गया था. गंभीर रूप से घायलों में एक स्थानीय और दो बिहार के मजदूर थे. बताया गया कि तब कंपनी में फर्नेस में मरम्मत का काम हो रहा था. तभी कार्बन मोनो-ऑक्साइड गैस लीक हो गई थी. लोगों का कहना है कि हर दो-तीन वर्ष में कंपनी में बड़ा हादसा होता है, लेकिन कंपनी इनसे सबक लेकर परिसर में सुरक्षा की कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा रही. कंपनी असुरक्षित तरीके से उत्पादन का कार्य कर मजदूरों की जान के साथ खिलवाड़ करती आ रही है.

पहले भी घट चुकी है दुर्घटना

कंपनी में गैस रिसाव की घटना नई नहीं है. पहले भी कई बार मजदूर की मौत हुई और कई मजदूर घायल हुए. अगस्त 2016 में कंपनी में जहरीली गैस रिसाव से दम घुटने से बुधुराम महतो नामक मजदूर की मौत हो गई थी. तब बुधुराम के बचाव में गए सात मजदूर भी बेहोश हो गए थे. बेहोश होने वालों में तत्कालीन प्रोजेक्ट मैनेजर एम साई कला रवि भी शामिल थे. घटना के बाद सभी मजदूरों को टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वहां बुधुराम को चिकित्सकों ने मृत घोषित किया था. कंपनी में वेल्डिंग और गैस क्लीनिंग का काम करने के दौरान उक्त घटना घटी थी. चौका-कांड्रा सड़क पर स्थित नरसिंह इस्पात में काम तो खतरनाक होते हैं, लेकिन उसके अनुरूप कंपनी परिसर में किसी प्रकार की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है और ना ही कंपनी में एंबुलेंस और सुरक्षा उपकरण ही उपलब्ध है. ऐसे में दुर्घटना होने पर घायलों को तड़पता छोड़कर पहले वाहन की व्यवस्था की जाती है. कंपनी में कई बार दुर्घटना घट चुकी है. बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया है.

ॐ शान्तिः

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

तृतीय पुण्यतिथि

स्व. तिलक राज अजमानी

08 अगस्त, 1953 – 09 अक्टुबर, 2021

सादगी, प्रेम, करुणा, समदृष्टि, कर्मठता एवं सभी के प्रिय

।। पिता स्वर्गः - पिता धर्मः - पिता ही परम तपः।।

हम आपके दूरदर्शी भावना का स्मरण करते हैं।
आपकी अदम्य विरासत हमारे हर प्रयास के केंद्र में रहती है

श्रद्धानवत

प्रिंस अजमानी (ज्येष्ठ पुत्र)
प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख- विश्व हिंदू परिषद्
कुणाल अजमानी (कनिष्ठ पुत्र)
गुलशन लाल अजमानी ● सुशील कुमार अजमानी (भाई)
एवं समस्त अजमानी परिवार

•RANCHI TENT HOUSE •THE PENTAGON GROUP •ORCHID DEWELLERS PVT LTD

एचईसी में इस बार पर्दे पर होगी रामलीला, आर्थिक संकट के कारण मंचन बंद

शुभम किशोर । रांची

रांची शहर में जहां दुर्गा पूजा पंडालों की भव्यता देखने को मिल रही है, वहीं एचईसी के सेक्टर-दो में इस साल भी रामलीला का आयोजन हो रहा है, पर इस बार मंच के बदले पर्दे पर रामलीला होगा. रामलीला मैदान संस्कृति समिति ने आर्थिक कारणों से रामानंद सागर की रामायण धारावाहिक को बड़े पर्दे पर दिखाने का फैसला लिया है.

समिति के सदस्यों ने बताया कि पहले रामलीला का मंचन करने में लगभग तीन से चार लाख रुपये का खर्च आता था. पैसे की कमी के चलते इस साल मंचन बंद कर दिया गया है. बड़े पर्दे पर धारावाहिक दिखाने में 50 से 60 हज़ार रुपये का खर्च आ रहा है, जिसका प्रबंध समिति के सदस्यों और समाजसेवियों की मदद से किया जा रहा है. एचईसी में पिछले दस सालों से रामलीला का मंचन बंद था.

सिर्फ एचईसी में होती थी रामलीला : रांची में केवल एचईसी में ही दशहरा के समय रामलीला का आयोजन होता था. विजय दशमी समारोह समिति वर्ष 1967 से इसका आयोजन करती थी. वर्ष 2010 से आर्थिक कारणों से रामलीला का मंचन रुक गया और तब से नियमित रूप से नहीं हो पाया है. इसके बाद से बड़े पर्दे पर रामायण धारावाहिक दिखाया जाता रहा है.

अगले साल मंचन की उम्मीद : रामलीला मैदान संस्कृति समिति के सदस्यों का कहना है कि अगले साल रामलीला के मंचन की तैयारी की जा रही है. पहले रामलीला मंडली को ठहराने में मुश्किल होती थी, लेकिन समिति ने समाजसेवियों की मदद से एक सामुदायिक भवन का निर्माण करवा लिया है. साथ ही मंच को भी बड़ा किया जा रहा है. अगले साल बनारस की रामलीला मंडली से रामलीला का मंचन करवाने की योजना है.

रामलीला, लोग और मूंगफली

रामायण धारावाहिक देखने के लिए आसपास के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं. शाम 6:30 से रात 10 बजे तक रामायण का प्रसारण होता है. इस दौरान लोग मूंगफली (चिनिया बदाम) का आनंद लेते हैं. जब रामलीला का मंचन होता था, तब मैदान में लोगों की भीड़ देखने लायक होती थी.

मुख्य बातें

- समिति अगले साल बनारस की रामलीला मंडली से रामलीला का मंचन करवाने की योजना बना रही है.
- समिति ने समाजसेवियों की मदद से रामलीला मंडली को ठहराने के लिए एक सामुदायिक भवन बनाया है.
- रामलीला के मंच को भी बड़ा किया जा रहा है.
- एचईसी में पहले रामलीला का मंचन 1967 से हो रहा था.
- 2010 के बाद से रामलीला नियमित रूप से नहीं हो पाई है.

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने की बासुकीनाथ मंदिर में पूजा

संवाददाता । रांची

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता मंगलवार को दुमका के बाबा बासुकीनाथ धाम में पूजा-अर्चना की. इस दौरान उन्होंने शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक किया और राज्यवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की. मौके पर दुमका आईजी, डीआईजी, एसपी समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे. वहीं डीजीपी के आगमन को लेकर जिले में सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे. सभी पुलिस पदाधिकारी और जवान अलर्ट मोड में थे.

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री ने राज्यपाल से की मुलाकात

रांची । केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को राज भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की. राजभवन ने इसे शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया है.

सीएम से मिला झारखंड पुलिस सर्विस एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में झारखंड पुलिस सर्विस एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री को झारखंड पुलिस सर्विस एसोसिएशन के सदस्यों ने झारखंड राज्य पुलिस सेवा संवर्ग (पुलिस उपाधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक) के सेवा शर्तों व देय भत्ता आदि के न्यायोचित मांग के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा. मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर राज्य सरकार यथोचित विचार करेगी. इस अवसर पर झारखंड पुलिस सर्विस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष संजय कुमार, महासचिव बुधराम उरांव, कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

झालसा का डोर टू डोर जागरूकता कार्यक्रम

रांची । झालसा कैलेंडर के अनुसार न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के मार्गदर्शन में मंगलवार को नगड़ी प्रखंड के बसिला गांव में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या आदि विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के बारे में विस्तार से बताया. नालसा 10 स्कीम के बारे में जानकारी दी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से विधिक सेवा प्राप्त करने के विषय में जानकारी उपस्थित लोगों को दिये.

राज्य में झारखंड वस्तु एवं सेवा अधिप्राप्ति नियमावली

झारखंड में अब स्थानीय वेंडर्स और मैन्यूफैक्चर्स को मिलेगा बढ़ावा

- वित्त विभाग ने जारी किया आदेश
- चार अक्टूबर से ही हो गया प्रभावी

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड में अब स्थानीय वेंडर्स और मैन्यूफैक्चर्स को बढ़ावा मिलेगा. इन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा. इसके लिए राज्य में झारखंड वस्तु एवं सेवा अधिप्राप्ति नियमावली लालू कर दी गई है. यह नियमावली चार अक्तूबर 2024 से ही प्रभावी मानी जाएगी. वित्त विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार के अधीनस्थ विभिन्न विभागों व कार्यालयों में सामग्रियों व सेवाओं की अधिप्राप्ति प्रक्रिया के लिए समय-समय पर परिपत्र निर्गत किये जाते रहे हैं. अधिप्राप्ति प्रक्रिया को सरल, एकरूप, पारदर्शी व प्रासंगिक बनाने के लिए एकीकृत दिशा-निर्देश की आवश्यकता महसूस की जाती रही है.

सभी विधियों को प्रोक्योरमेंट मैन्यूअल में समाहित करने की आवश्यकता है. विभिन्न माध्यमों से सामग्री की अधिप्राप्ति की अधिसीमा भी अब अप्रासंगिक हो गयी है, जिसे संशोधित करने की आवश्यकता है. इस कारण झारखंड वस्तु व सेवा अधिप्राप्ति नियमावली लागू की जा रही है. इस नियमावली के तहत राज्य में रोजगार सृजन के लिए स्थानीय वेंडर्स व मैन्यूफैक्चर्स को प्रोत्साहित किया जाएगा.

इन एकीकृत उत्पादों की होगी खरीद

झारखंड वस्तु एवं सेवा अधिप्राप्ति नियमावली के तहत सभी वस्तुएं, सामग्री, वस्तु, खाद्यान, इलेक्ट्रॉनिक वस्तु, पशुधन, दवाइयां, फर्नीचर, किताबें, फिक्स्चर, कच्चा माल, उपभोग्य वस्तुएं, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, मशीनरी, उपकरण, औद्योगिक संयंत्र, वाहन, रेलवे रोलिंग स्टॉक, सहायक उपकरण, मशीनों का समूह जिसमें एक एकीकृत उत्पादन शामिल है, की खरीद की जाएगी.

इसके अलावा सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लाइसेंस, पेटेंट या अन्य बौद्धिक संपत्तियां, लाइब्रेरी के लिए पत्रिकाएं भी खरीदी जाएगी. इसमें शराब, पेट्रोलियम जैसी उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है. शामिल नहीं हैं. वहीं ऐसी सेवाएं जो ऐसी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए आकस्मिक या परिणामी हैं, जैसे परिवहन, बीमा, प्रशिक्षण आदि को भी शामिल किया गया है.

- **वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए ये अफसर होंगे अधिकृत :** विभाग स्तर पर अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव वस्तु और सेवाओं की खरीद के लिए अधिकृत होंगे. निदेशालय स्तर पर खरीद के लिए निदेशक व विभागाध्यक्ष अधिकृत होंगे. आयुक्त स्तर पर आयुक्त और उपायुक्त को अधिकृत किया गया है.

इसमें अधिग्रहण नहीं होगा शामिल

इस नियमावली के तहत कोई अधिग्रहण शामिल नहीं होगा. इस नियमावली के तहत खुले, भेदभाव रहित और कुशल लक्ष्य के साथ खरीद के लिए पारदर्शी प्रक्रिया से खरीद सरकारी ई-बाजार पोर्टल या सूचना विभाग द्वारा विकसित पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है. वस्तुओं की खरीद की जिम्मेवारी प्रोक्योरमेंट ऑफिसर की होगी. प्राधिकृत खरीद इकाई का एक अधिकारी खरीद इकाई की ओर से निर्णय लेने के लिए सक्षम होगा.

हेमंत ने जेल से लौटने के बाद सीएम के तौर पर 90 दिनों की उपलब्धियां गिनाईं, कहा-

जनहित में उठाए हैं कई कदम

प्रमुख संवाददाता । रांची

हेमंत सोरेन ने जेल से निकल कर सीएम की कमान संभालने के बाद 90 दिनों के अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई हैं. इसे लेकर उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा किया है. सीएम ने कहा है कि मंईयां सम्मान योजना के तहत 50 लाख से अधिक बहनों को जोड़ा गया है और एक-एक हजार रुपए की दो किस्तें उनके बैंक खातों में पहुंचा दी गई है. तीसरी किस्त भी मंगलवार को भेज दी गई है. उन्होंने किसानों के कल्याण की दिशा में किए गए कार्य का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के लाखों किसानों के 2 लाख रुपए तक के कर्ज माफ किए हैं. वहीं, दूध की खरीद में अब किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर बोनस मिल रहा है. सोरेन ने बताया है कि सरकार प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपभोक्ताओं को दे रही है. वहीं, राज्य के 40 लाख परिवारों का बकाया बिजली बिल माफ किया गया है. राज्य में बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में काम करते हुए सरकार ने राज्य का पहला अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित किया है.

इसी तरह रिकॉर्ड समय में कांटा टोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा किया गया है. जमशेदपुर में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एमजीएम में 750 बेड के अस्पताल और ओपीडी सेवा की शुरुआत की गई है. अधिवक्ताओं के लिए पेंशन, प्रोत्साहन राशि, स्वास्थ्य बीमा और अन्य सहायता प्रदान करने और अन्य वर्गों को भी स्वास्थ्य बीमा से जोड़ने के लिए उठाए गए कदम का भी सोरेन ने पोस्ट में उल्लेख किया है. उन्होंने कहा कि सरकार ने पोषण सखी एवं अन्य अनुबंध वर्गों को उनका अधिकार दिया. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत हर पंचायत में लाखों आवेदन के लिए शिविर लगवाया. इन आवेदनों का त्वरित निपटारा किया जा रहा है. हेमंत ने कहा कि यह सूची हमारी सरकार की प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता को दर्शाती है. हम आगे भी जनहित में ऐसे ही कार्य करते रहेंगे.

इन उपलब्धियों को गिनाया

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
- 50 लाख से अधिक बहनों को जोड़ा गया
- दो किश्तें उनके खातों में पहुंचा दी गई
- तीसरी किश्त भी जारी हो कर दी गई है

किसान कल्याण
- राज्य के लाखों किसानों के 2 लाख रुपए तक के कर्ज माफ
- दूध की खरीद में अब किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर बोनस

बिजली सुधार
- प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 40 लाख परिवारों को अब हर माह शून्य बिजली बिल
- राज्य के 40 लाख परिवारों का बकाया बिजली बिल हुआ माफ

बुनियादी ढांचा विकास
- राज्य का पहला अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित
- रिकॉर्ड समय में कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण
- कई अन्य सड़कों का उद्घाटन तथा फ्लाईओवर का शिलान्यास एमजीएम में 750 अस्पताल और ओपीडी सेवा की शुरुआत
- 300 बेड मल्टीस्पेशिलिटी अपोलो अस्पताल का शिलान्यास

नियुक्त परीक्षा
- परीक्षाओं का समय पर आयोजन. छात्रों एवं परीक्षार्थियों के हितों के साथ किसी भी क़ीमत पर समझौता नहीं

अधिवक्ता एवं अन्य वर्ग
- अधिवक्ताओं के लिए पेंशन, प्रोत्साहन राशि, स्वास्थ्य बीमा और अन्य सहायता प्रदान की गई. अन्य वर्गों को भी स्वास्थ्य बीमा से जोड़ा
- पोषण सखी एवं अन्य अनुबंध वर्गों को हक-अधिकार दिया

जन-सेवा
- सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत हर पंचायत में लाखों आवेदन हेतु शिविर लगाया, इन आवेदनों का त्वरित निपटारा किया जा रहा है.

प्रदेश कांग्रेस ने 63 को-ऑर्डिनेटर किया मनोनीत

- विधानसभा चुनाव को लेकर बनायी जा रही रणनीति

प्रमुख संवाददाता । रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस ने राज्य के 63 विधानसभा क्षेत्र के लिए वार रूम के को- ऑर्डिनेटर का मनोनयन कर लिया है. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए और रणनीति को धार देने के लिए कोऑर्डिनेटर का मनोनयन किया गया है. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वार रूम के अध्यक्ष एस शशिकांत सेंथिल के द्वारा यह सूची जारी कर दी गई है.

इन विधानसभा क्षेत्र में ये होंगे कोऑर्डिनेटर

राजमहल-केसर सिंह, शिकारीपाड़ा-प्रशांत पराशर, जामताड़ा-किशन सिंघार, दुमका-शैलेंद्र गुर्जर, जामा-सूर्यकुमार द्विवेदी, सारठ- विशाल रघुवंशी, बरकट्ठा-किशोर कुमार, बरही- हेमा देशमुख, बड़कागांव-संतोष कुमार तिवारी, रामगढ़-गंभीर सिंह ठाकुर, मांडू- राधेश्याम कुशवाहा, हजारीबाग- अनोखा सिंह, सिमरिया- राजकिशोर प्रसाद, चतरा-तनवीर अहमद, राजधनवार-सुनील कुमार, बगोदर-अजय कुमार सिंह, जमुआ-साधना रजक गांडेय-हरिनारायण द्विवेदी, गोमिया-धीरेंद्र कुमार सिंह, बेरमो- शशि कुमार सिंह, बोकारो मोहम्मद सोइन अंसारी, सिंदरी- प्रवीण कुमार निरसा-रवि कुमार, धनबाद-विपिन बिहारी यादव, झरिया-अब्दुल सरवर कुरैशी, बाघमारा-बंशीधर सैनी, बहरागोड़ा-महेश चंद्रवंशी, घाटशिला-पदम कोठारी,पोटका- विनोद तरमकर, जुगसलाई-निलेंद्र शर्मा,पूर्वी जमशेदपुर-वीरेंद्र मसीहा पश्चिमी जमशेदपुर- भुवनेश्वर बघेल, सरायकेला-भरत सुंडा, चाईबासा-हेमंत हीरोले, मझगांव-विनोद शर्मा, जगन्नाथपुर- मनोज जिमी सवनेर, मनोहरपुर-जालम मोरी सरदारपुर, चक्रधरपुर-राहुल मिश्रा, खूंटी-प्रकाश मारकंडे, सिल्ली- शैलेंद्र प्रताप सिंह, खिजरी-विक्रम गिरी, रांची-रूपेश ठाकुर, हटिया-सुशील शर्मा, कांके- नरेश ठाकुर, मांडर- यू डी मिंज, सिसई-प्रीतम राम कमल,गुमला-हृदय राम राठिया, बिशनपुर-मोहित केरकेटा, लोहरदगा-विनय भगत, मनिका-विजय यादव, लातेहार-बी एन सिंह, पांकी-विकास सिंह, डाल्टेनगंज-सुमंत कुमार, विश्रामपुर-अमित कुमार, हुसैनाबाद-पंकज कुमार पासवान, गढ़वा-कृपाशंकर शाही भवनाथपुर-व्यास राम, पाकुड़-अरुण सिसोदिया पोड़ैयाहाट- गुरमीत सिंह, महागामा-लल्लन यादव, जरमुंडी-सूरज सिंह, सिमडेगा-कारू पासवान, कोलेबिरा-तनवीर अनवर को वार रूम का कोऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है.

120 चलंत चिकित्सा दलों का किया गया गठन

राज्य में चलंत ग्राम क्लीनिक पकड़ेगी रफ्तार

- क्लीनिकों में ओपीडी सेवा भी कराई जाएगी उपलब्ध

प्रमुख संवाददाता. रांची

राज्य में स्वास्थ्य सुविधा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने चलंत ग्राम क्लीनिक पर जोर दिया है. इसके लिए 120 चलंत चिकित्सा दलों का गठन किया गया है. जो राज्य के आदिम जनजाति बहुल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे. स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में आदिम जनजाति के लगभग 75 हजार परिवार हैं. जो सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत विकट परिस्थितियों में निवास करते हैं. ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों से सम्पर्क व्यवस्था सुदृढ़ नहीं होने के कारण आवागमन में काफी कठिनाई होती है.

खासकर गंभीर बीमारी की स्थिति में अथवा गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने का कार्य अत्यंत जटिल हो जाता है. इसके लिए चिकित्सक दलों का गठन किया गया है. सरकार ने इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में पांच करोड़ 98 लाख 36 हजार रुपए की स्वीकृति दी है.

कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करेगा चलंत ग्राम क्लीनिक : केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 तक देश में कालाजार उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था. इसको देखते हुए राज्य सरकार ने भी कालाजार का शत प्रतिशत उन्मूलन सुनिश्चित किया था. जिसमें दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज के 74 कालाजार से प्रभावित गांवों को चिह्नित किया गया था. इनमें कई ऐसे गांव हैं, जो दुर्गम क्षेत्र में अवस्थित हैं. जहां स्वास्थ्य सेवाएं सीमित हैं. ऐसे गांवों में भी चलंत ग्राम क्लीनिक की स्थापना की जाएगी. कालाजार के रोगियों की पहचान की जाएगी.

चलंत ग्राम क्लीनिक का तैयार होगा भ्रमण रोस्टर : चलंत ग्राम क्लीनिक का भ्रमण रोस्टर तैयार किया जाएगा. जिसमें सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक चिकित्सा सेवा उपलब्ध करायी जाएगी. प्रत्येक चिह्नित आदिम जनजाति बहुल ग्राम में अवस्थित सरकारी भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक भवन और विद्यालय भवन में चलंत ग्राम क्लीनिक की स्थापना की जाएगी. साथ ही हर चलंत ग्राम क्लीनिक में सूचना पट्ट लगाया जाएगा, जिसमें प्रदान की जा रही चिकित्सा सुविधाओं की विवरणी अंकित की जाएगी. टेस्ट की सूची, कार्यरत चिकित्सक के नाम और मोबाइल नंबर, उपलब्ध दवाओं की सूची भी अंकित की जाएगी. चलंत ग्राम क्लीनिक में पोस्टर के माध्यम से बीमारियों के लक्षणों के संबंध में जागरूकता के प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा.

चलंत ग्राम क्लीनिक में ये सेवाएं होंगी उपलब्ध

- ओपीडी
- पूर्व प्रसव और प्रसव के बाद देखभाल
- परिवार नियोजन परामर्श और गर्भनिरोधक सेवाएं
- एनीमिया सहित अन्य गैर संचारी रोग, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच
- टीबी और मलेरिया का पता लगाने के लिए बलगम व रक्त संग्रह
- कालाजार इलाज

योजना गृह सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक

झारखंड के कोर्ट परिसरों की सुरक्षा में होगा इजाफा

2141 नए सीसीटीवी कैमरे लगेंगे

वरीय संवाददाता । रांची

झारखंड के सभी जिला और अनुमंडल कोर्ट परिसरों में सुरक्षा के मजबूत इंतजाम किए जा रहे हैं. राज्य सरकार ने कोर्ट परिसरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू कर दिया है. इस योजना के तहत सभी कोर्टों में 2141 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. सोमवार को गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक की गई, जिसमें सभी जिलों के जिला और अनुमंडल कोर्टों में पहले से लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और अतिरिक्त कैमरों की आवश्यकता का आकलन किया गया. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी कोर्ट परिसरों में सीसीटीवी कैमरों की संख्या में वृद्धि की जाएगी ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके.

एसपी को हर महीने सुरक्षा ऑडिट का दिया निर्देश

बैठक में पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को निर्देश दिया है कि वे हर महीने कोर्ट परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था का ऑडिट करेंगे. यह सुनिश्चित करने के लिए कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रह जाए, सभी एसपी को निर्देश दिया गया है कि वे समय-समय पर कोर्ट परिसरों का निरीक्षण करें और सुरक्षाकर्मियों को आवश्यक निर्देश दें.

नए पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण : हाल ही में हुए पुलिस अधिकारियों के तबादले के बाद, कई नए अधिकारी कोर्ट परिसरों में तैनात किए गए हैं. इन नए अधिकारियों को कोर्ट परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पूरी तरह से अवगत कराया जा रहा है. सभी एसपी को निर्देश दिया गया है कि वे नए अधिकारियों को कोर्ट परिसरों की सुरक्षा से जुड़े सभी नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दें.

कंप्यूटराइज्ड चेकिंग सिस्टम : कोर्ट परिसरों में आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए एक कंप्यूटराइज्ड चेकिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा. इस सिस्टम के माध्यम से कोर्ट परिसर में आने वाले लोगों की पहचान आसानी से की जा सकेगी.

इन उपायों पर गौर करने की जरूरत

- **पर्याप्त सुरक्षा बल :** सभी कोर्ट परिसरों में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे.
- **आधुनिक हथियार :** सुरक्षाकर्मियों को आधुनिक हथियार और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे.
- **नियमित गश्त :** कोर्ट परिसरों में नियमित रूप से गश्त की जाएगी.
- **आगंतुकों की जांच :** कोर्ट परिसर में आने वाले सभी आगंतुकों की कड़ी जांच की जाएगी.

सरयू राय ने बन्ना गुप्ता के खिलाफ तेवर तल्ख किए

वायरल एफआईआर की न्यायिक जांच की मांग

संवाददाता । रांची

विधायक सरयू राय ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के खिलाफ अपना रुख कड़ा कर लिया है. मंगलवार को रांची स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि मंत्री बन्ना गुप्ता से जुड़े एक एफआईआर को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है, जिसे वे फर्जी बता रहे हैं. उन्होंने इस मामले की न्यायिक जांच की मांग की है. राय ने कहा कि रांची के पुलिस अधीक्षक (नगर) ने एफआईआर के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है. दूसरी ओर, बन्ना गुप्ता के एक सहयोगी ने जमशेदपुर में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. इन तीनों लोगों को "मेरा नजदीकी" बताकर उन्हें भी इस मामले में उलझाना चाहा है.

2023 में अश्लील वीडियो भी हुआ था जारी: सरयू राय ने बताया कि अप्रैल 2023 में एक महिला के साथ अश्लील बात करते हुए बन्ना गुप्ता का वीडियो जारी हुआ था. इसपर उन्होंने खुद ही एफआईआर किया था, परंतु आज तक उसका कोई फलाफल नहीं निकला है. उन्होंने बन्ना गुप्ता पर कई गंभीर आरोप लगाए, जिसमें गत एक माह में जमशेदपुर में करीब 100 गरीब फुटपाथ दुकानदारों का आशियाना तोड़वाने, कोविड महामारी के दौरान आदित्यपुर, जमशेदपुर के एक अस्पताल को बंद कराने और इसके मुख्य चिकित्सक डॉ ओपी आनंद को जेल में डालने, जमशेदपुर के कांतिलाल मेडिका अस्पताल को बंद कराने, जमशेदपुर के मेडिट्रिना अस्पताल को 29 दिनों तक निलंबित रखने, उमा अस्पताल, डिस्कवरी डॉयग्नोस्टिक सहित कई चिकित्सीय संस्थानों पर दबाव डालना और धमकाना शामिल हैं.

एमजीएम अस्पताल प्रबंधन को कर रखा है मुट्ठी में : सरयू राय ने कहा कि बन्ना गुप्ता ने जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल के प्रबंधन को अपनी मुट्ठी में कर रखा है. अपने एक नुमाइंदे को अस्पताल के अधीक्षक के कमरे के सामने ही एक बड़ा कमरा देकर उसे वहां बैठा दिया है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, बुधवार 09 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 07, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 181

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों संग की बैठक

आदित्यपुर । विधानसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) सरायकेला-खरसावां मुकेश कुमार लुणायत ने मंगलवार को समीक्षा बैठक की. बैठक में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने पर चर्चा हुई. वहीं दुर्गा-पूजा/दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु उपस्थित पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया.

मून सिटी में आज खुलेगा दुर्गा पूजा पंडाल का पट

जमशेदपुर । डिमना रोड मानगो स्थित हाउसिंग सोसाइटी मून सिटी में बुधवार को दुर्गा पूजा पंडाल का पट खुलेगा. पंडाल का उद्घाटन समाजसेवी विकास सिंह की माता उर्मिला सिंह करेंगी. पंडाल के उद्घाटन व पूजा-अर्चना, आरती के बाद मून सिटी के ही कलाकार भजन, नृत्य, गीतों की प्रस्तुति के बाद नृत्य नाटिका महिषासुर मर्दिनी की प्रस्तुति करेंगे. गुरुवार को रोहित गुलाटी व उनके साथ कलाकार भजनों की प्रस्तुति करेंगे.

गोगो दीदी योजना से हेमंत सरकार हताश : सिंहदेव

आदित्यपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंहदेव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री द्वारा गोगो, दीदी योजना के फार्म भरवाने पर मुकदमा दर्ज करने का जो फरमान जारी किया गया है वह उनकी तानाशाही मानसिकता के साथ-साथ उनकी हताशा को भी दर्शाता है. उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के तुगलकी फरमान से डरने वाले नहीं हैं.

बिरसानगर में अवैध रूप से बालू ढोते दो वाहन जब्त

जमशेदपुर । बिरसानगर थाना क्षेत्र के हुरलुंग में अवैध रूप से बालू खनिज का परिवहन करते दो वाहनों को पकड़ा गया, जिसे जब्त कर लिया गया. जांच में दोनों वाहनों से लगभग 100-100 सीएफटी बालू पाया गया. वाहनों को बिरसानगर थाना को सुपुर्द कर दिया गया है. जांच अभियान में जिला खनन पदाधिकारी सतीश कुमार नायक, खान निरीक्षक अरविंद उरांव शामिल थे.

साकची में लोकनायक की 45वीं पुण्यतिथि मनी

जमशेदपुर । जेपी युवा छात्र संघर्ष मोर्चा एवं शहीद स्मारक निर्माण समिति की ओर से मंगलवार को साकची शहीद चौक में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 45वीं पुण्यतिथि मनायी गयी. इस दौरान पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोर्चा के संयोजक संजीव आचार्य ने कहा कि जयप्रकाश नारायण व्यक्ति नहीं एक विचार थे.

पार्टी की जीत पर हरियाणा चुनाव प्रभारी को दी बधाई

जमशेदपुर । भाजपा के हरियाणा चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को भारतीय जन महासभा के अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने फोन कर इस राज्य में भाजपा के पूर्ण बहुमत के साथ विजयी होने के लिए बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा कार्य मेघवाल सौंपा गया था, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया है. यह भारी जीत उनकी कर्मठता एवं लग्नशीलता का प्रतिफल है.

घरेलू कामगारों ने बैठक कर उठाई छह सूत्री मांगें

जमशेदपुर । घरेलू कामगारों ने मंगलवार को सोनारी में प्रेस वार्ता का आयोजन कर सरकार के समक्ष अपनी छह सूत्री मांगें रखीं. इनमें घरेलू कामगारों को श्रमिक का दर्जा देने के लिए राज्य में अलग से विशेष कानून बनाने समेत अन्य मांग की गई है. प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय घरेलू कामगार संगठन की संयोजक सिस्टर अंशु, सुलोचना देवी, देवकी देवी, दीपिका लहरी, ज्योति साहू, संगीता सोना, यशोदा नाग, आशा तिर्की आदि मौजूद थीं.

महिषासुरमर्दिनी लघु नृत्य नाटिका की आकर्षक प्रस्तुति

दुर्गा पूजा को लेकर चक्रधरपुर के आसनतलिया स्थित मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय में मंगलवार को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. इस प्रार्थना सभा में मानव के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं बुराई पर भलाई की जीत की कामना की गई. प्रार्थना सभा में लघु नृत्य नाटिका पेश करते बच्चे.

नरसिंह इस्पात ने सौंपा मृतक की पत्नी को मुआवजा का चेक

चांडिल । चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी के मजदूर सुरेश महतो की मौत के बाद कंपनी प्रबंधन मृतक के आश्रितों को 13 लाख रुपये बतौर मुआवजा और एक आश्रित को स्थायी नौकरी पर रखने पर राजी हुआ. मंगलवार की सुबह करीब आढ़े आठ बजे समझौता हुआ. कंपनी प्रबंधन ने 12 लाख 50 हजार रुपये का चेक और 50 हजार रुपये नकद राशि देने की बात कही. मंगलवार को ही मृतक की पत्नी सुनीता महतो को चेक और नकद राशि सौंप दी गई. वहीं बीमा से मिलने वाली राशि भी मृतक के आश्रितों को मिलेगा, जो अनुमानित नौ लाख रुपये होगा. मृतक कंपनी का स्थायी कर्मचारी था, जिसके कारण उनकी पत्नी को ईएसआईसी का पेंशन भी मिलेगा.

नक्सल प्रभावित गुदड़ी के जतरमा में तीन फेरी वालों की नृशंस हत्या

सीढ़ीनुमा डंडे में बांधकर सिर को पत्थर से कुचल दिया, गुप्तांग भी काटे

संवाददाता। चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के नक्सल प्रभावित क्षेत्र गुदड़ी थाना क्षेत्र की कमरोड़ा पंचायत के जतरमा गांव स्थित नदी किनारे तीन लोगों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई. तीनों को सीढ़ीनुमा डंडे में बांधकर सर को पत्थर से कुचल दिया गया है, साथ ही गुप्तांग भी काट दिए गए हैं. घटना रविवार की बताई जा रही है. हालांकि पुलिस ने मंगलवार को गांव से शव बरामद किया.

बताया जाता है कि पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव में रहकर कुछ लोग गांव-गांव में घूमघूम कर फेरी करके सामान बेचते थे. रविवार को तीन लोग फेरी करने जतरमा गांव गए थे. लेकिन रविवार को बंदगांव स्थित अपने डेरा नहीं पहुंचे. इसके बाद तीनों फेरी वालों के साथी सोमवार को खोजबीन के लिए जतरमा गांव गए तो वहां तीनों की हत्या किए जाने के बारे में जानकारी मिली.

उन्होंने अपने साथियों की हत्या की जानकारी बंदगांव पुलिस को दी. जतरमा गांव बंदगांव थाना से क्षेत्र से सटे होने व घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण गुदड़ी व बंदगांव थाना की पुलिस की टीम ने मंगलवार को गांव पहुंचकर शव बरामद किया. हालांकि देर शाम हो जाने के कारण शव को टेबो थाना में ही रखा गया था, पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल नहीं लाया जा सका था. हालांकि हत्या क्यों की गई है और किसने की है इस बात का पता नहीं चल पाया है.

पश्चिमी सिंहभूम जिला के पुलिस कप्तान आशुतोष शेखर ने भी घटना की पुष्टि की है. बुधवार को तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल या चाईबासा भेजा जाएगा.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 76 नवनियुक्तों को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा

सरकार का पहिया बन राज्य के विकास में भूमिका निभाएं

जैक, सीबीएसई, आईसीएसई और ओलंपियाड के टॉपर्स सम्मानित

- नेतरहाट की तर्ज पर तीन विद्यालय भवनों का ऑनलाइन शिलान्यास

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में 70 और झारखंड भवन व मंत्रिमंडल सचिवालय में छह नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपा. प्रोजेक्ट भवन में आयोजित समारोह में सीएम ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करनेवाले अभ्यर्थियों से कहा कि आज से आप सरकार के एक अभिन्न अंग के रूप में जुड़ रहे हैं. राज्य के सर्वांगीण विकास का पहिया आप बन रहे हैं. विश्वास है कि आप अपने कार्यों से राज्य को बेहतर दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगे.सीएम ने नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर चाईबासा के खूंटपानी, बोकारो के नवाडीह और दुमका के मसलिया में विद्यालय भवन का ऑनलाइन शिलान्यास किया. समारोह में मुख्यमंत्री ने विद्यालय प्रमाणीकरण में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 60 विद्यालयों, जैक, सीबीएसई, आईसीएसई के वर्ष 2023 एवं वर्ष 2024 में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा और झारखंड ओलंपियाड-2023 के टॉपर्स को सम्मानित किया. इस अवसर पर मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री बैद्यनाथ राम, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के एसपीडी शशि रंजन मौजूद थे.

प्रोजेक्ट भवन में महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते और छात्रा को प्रशस्ति पत्र देते सीएम हेमंत सोरन.

प्रतिभा के रूप में भी झारखंड की पहचान हो

सीएम ने कहा कि झारखंड की पहचान सामान्य तौर पर अपने खनिज संसाधनों के लिए होती है. लेकिन हम इस उद्देश्य के साथ काम कर रहे हैं कि प्रतिभा संपन्न राज्य के रूप में झारखंड की अलग पहचान बने, चाहे वह शिक्षा हो या खेल या कोई और क्षेत्र. सरकार शिक्षा के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है.

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ेगा

सीएम ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत सरकार यहां के विद्यार्थियों को विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दे रही है. अभी इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों की संख्या सीमित है. लेकिन विद्यार्थियों के आग्रह को देखते हुए इस योजना का दायरा बढ़ाने पर सरकार जल्द ही नीतिगत निर्णय लेगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके.

सरकार का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा को नई दिशा देना

सीएम ने मेधावी विद्यार्थियों से कहा कि आपको आज पुरस्कार नहीं प्रोत्साहन राशि मिल रही है, ताकि आप आगे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें, पहले इसका दायरा काफी सीमित था. लेकिन अब इसमें जैक के अलावा अन्य सभी बोर्ड के टॉपर्स को भी शामिल कर उन्हें पुरस्कृत किया जा रहा है. सरकार का उद्देश्य अपने मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा को नई दिशा देना है.

इन्हें मिला नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने 76 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपा. इनमें झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में 35 लॉ एग्जीक्यूटिव, चार एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, 21 अस्सिटेंट इंजीनियर और 10 स्कूल मैनेजर और झारखंड भवन, नई दिल्ली व मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग में छह अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सरकार के अभिन्न अंग के रूप में जुड़ने के लिए शुभकामनाएं दी.

नमक व चीनी वितरण में ढिलाई बरतने पर डीलरों को शो-कॉज

जमशेदपुर । जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा पीडीएस डीलरों से स्पष्टीकरण पूछे जाने पर डीलरों में हड़कंप मच गया है. विभाग ने अक्टूबर 2023 से दिसम्बर, 2023 के बीच आवंटित नमक एवं चीनी का वितरण संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर सभी से स्पष्टीकरण पूछा है. आवंटन विगत माह ही हुआ था. विभागीय सचिव ने इसे लापरवाही बताते हुए जिलास्तरीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी. जिसके बाद डीएसओ ने शत प्रतिशत वितरण से कम डीलरों को नोटिस भेजकर तीन दिनों के भीतर जवाब देने के लिए कहा गया है. संतोषप्रद जवाब नहीं होने पर अनुज्ञप्ति को निलंबित करने की कार्रवाई की जाएगी.

पूजा का तोहफा, मनरेगा कर्मियों के मानदेय में 30 प्रतिशत की वृद्धि

मंत्री इरफान अंसारी के साथ बैठक के बाद बनी सहमति

प्रमुख संवाददाता। रांची

करीब तीन माह से अनिश्चितकाल हड़ताल पर चल रहे मनरेगा कर्मियों को दुर्गा पूजा की सौगात मिली है. राज्य सरकार ने इनके मानदेय में 30 फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला लिय है. ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी और मनरेगा कर्मचारी संघ के नेताओं के बीच बैठक के बाद इस बात पर सहमति बनी. अब 12000 रुपये मानदेय पानेवाले रोजगार सेवक, 23700 रुपये मानदेय पानेवाले बीपीओ के मानदेय में 30 फीसदी की वृद्धि होगी. इसी तरह असिस्टेंट इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर, कंप्यूटर ऑपरेटर और लेखपाल आदि के वेतन में 30 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी. प्रोजेक्ट भवन में हुई बैठक में मनरेगा कर्मियों को 1500 रुपये तक यात्रा भत्ता भी देने की मंजूरी हुई है. वहीं पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 20 लाख रुपये तक की सामाजिक सुरक्षा देने पर भी सहमति बन गई है. मनरेगा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने बताया कि उनकी प्रमुख मांग ग्रेड पे और नियमितीकरण है, इस पर अभी सहमति नहीं हुई है. हालांकि, राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा.

कपाली में गैंता से तलाकशुदा दामाद ने ससुर को मारा, मौत

चांडिल। चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के इस्लामनगर बाबा गुंडी में तलाकशुदा दामाद ने अपने ससुर पर गैंता से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. इससे उसकी हत्या कर दी. मृतक की पहचान 65 वर्षीय अब्दुल सलीम के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार मृतक अब्दुल सलीम की पुत्री साईका की शादी करीब पांच माह पहले ही लोहरदगा के फैजल अंसारी के साथ हुई थी. मृतक की बेटी का शादी के कुछ दिन बाद ही दामाद से तलाक हो गया था. बेटी का तलाक होने के बाद अब्दुल सलीम अपने बेटी साईका की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी. बताया जा रहा है कि मृतक अब्दुल सलीम की बेटी साईका की दूसरी शादी बुधवार को होने वाली थी. मंगलवार को हल्दी का रस्म था, लेकिन घर में खुशी का माहौल गम में बदल गया और घर से जनाजा उठा.

अब्दुल की फाइल फोटो

ससुर द्वारा अपनी बेटी की शादी दूसरी जगह तय कर देने से तलाकशुदा दामाद फैजल अंसारी काफी नाराज था. जानकारी के अनुसार इस बीच सोमवार की रात फैजल अंसारी अपने ससुराल इस्लामनगर बाबा गुंडी पहुंचा. रात को खटिया में सो रहे ससुर अब्दुल सलीम पर मौका देखकर फैजल अंसारी ने गैंता से हमला कर दिया.

दुर्गा पूजा में बाइक पर ट्रिपल सवारी व स्टंट दंडनीय : डीसी

जमशेदपुर । दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं. निर्भीक होकर लोग पूजा पंडाल एवं मेला घूम सकें, इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जा रही है. इस संबंध में उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक की ओर से संयुक्त आदेश जारी किया गया है. जिसमें बाइक पर ट्रिपल सवारी की मनाही है. साथ ही बाइक से स्टंट करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने इसे दंडनीय बताते हुए कार्रवाई करने की बात कही. उपायुक्त ने जिलेवासियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि हर्षोल्लास के वातावरण तथा विधि व्यवस्था बनाए रखने में अपेक्षित सहयोग करते हुए जिलावासी त्योहार मनायें. लोगों से छोटे बच्चों के साथ पंडाल भ्रमण करने जाने पर उनकी जेब में मोबाइल नम्बर व पता लिखी हुई पर्ची अवश्य डालने की अपील की.

इन चीजों की मनाही : प्लास्टिक पदार्थों को पंडाल में साथ लेकर ना जाएं, बिजली के उपकरणों, तारों आदि को छूने से बचें, तेजी से वाहन न चलाएं और प्रेसर हॉर्न का प्रयोग न करें, वाहनों को सड़क किनारे यत्र-तत्र खड़ा नहीं करें, मोटर साइकिल पर करतब या प्रदर्शन करना तथा ट्रिपल सवारी करना दंडनीय होगा, नशे की हालत में पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी. महिलाएं कीमती गहने पहन कर घूमने जाने से बचें. कोरी अफवाहों पर ध्यान न दें, पंडाल के आस-पास आतिशबाजी न करें.

आकर्षण रांची के दुर्गा पूजा पंडालों में दिख रहे हैं राजनीति के रंग, चर्चा का विषय बनीं झांकियां

नामकुम में कल्पना सोरेन और मेन रोड में पीएम मोदी की प्रतिमा

मेन रोड में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में लगी पीएम नरेंद्र मोदी की मूर्ति.

संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा के अवसर पर राजधानी रांची में अलग-अलग थीम पर दो सौ से भी ज्यादा पंडाल बनाए गए हैं. ज्यादातर पंडालों के पट खुल गए हैं और दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ रही है. कुछ पंडाल ऐसे हैं, जहां राजनीतिक शख्सियतों पर आधारित झांकियां चर्चा का विषय बन गई हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन से लेकर सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन तक की मूर्तियां और तस्वीरें पंडालों में दिख रही हैं.

मेन रोड में सर्जना चौक के पास चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति की ओर से बनाए गए पंडाल में प्रदर्शित झांकी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मूर्ति लगाई गई है. इसमें उन्हें बनारस के घाट पर गंगा आरती करते दिखाया गया है. यह पंडाल काशी विश्वनाथ के दशाश्वमेध घाट की थीम पर बनाया गया है.

वहीं, रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पंडाल में कई स्वतंत्रता सेनानियों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों के स्केच प्रदर्शित किए गए हैं. इनमें झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का भी स्केच शामिल है.

घर की महिलाओं को देवी रूप में पूजें

जय माता दी क्लब दुर्गा पूजा समिति के मुताबिक पूजा पंडाल में महिलाओं की प्रतिमा लगा कर यह संदेश देने की कोशिश की गई कि लोग अपने-अपने घरों में महिलाओं को देवी रूप में पूजें. जय माता दी दुर्गा पूजा समिति पिछले पांच वर्षों से लगातार दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाती आ रही है. पूजा समिति के अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि हर साल यहां इस तरह की झांकियां प्रदर्शित की जाती हैं.

उन्होंने झांकी के पीछे राजनीतिक उद्देश्य की बात से इंकार किया. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन ने जिस तरीके से विपक्षियों का मुकाबला करते हुए खुद को एक उभरती हुई महिला नेता के रूप में स्थापित किया, उससे समाज की अन्य महिलाओं को भी सीखने की जरूरत है.

जय माता दी समिति के पंडाल में कल्पना सोरेन, विनेश फोगाट व रोहिणी आचार्य की प्रतिमा.

कल्पना सोरेन को सशक्त नारी के रूप में दिखाया

रांची के नामकुम में स्टेशन रोड स्थित जय माता दी क्लब दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में एक साथ कई सियासी हस्तियों की मूर्तियों वाली झांकी प्रदर्शित की गई है. यहां झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन की मूर्ति लगाते हुए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तो वह सशक्त नारी के रूप में उभरीं और विपक्षियों से अकेले लड़ाई लड़ीं. इस पंडाल में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को गरीबों के हितैषी, उनके पुत्र राजद नेता तेजस्वी यादव को नौकरियां बांटनेवाले नेता के रूप में प्रदर्शित करते हुए उनकी मूर्तियां लगाई गई हैं. मां दुर्गा की प्रतिमा को राजद के चुनाव चिह्न लालटेन के आकार वाली अनुकृति के अंदर स्थापित किया गया है. इसके अलावा लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य और हरियाणा के जुलाना सीट से नवनिर्वाचित विधायक और महिला पहलवान विनेश फोगाट को मां दुर्गा की बेटियों के रूप में प्रदर्शित किया गया है.

सरायकेला में हाइवा से सीधी टक्कर में ट्रेलर चालक की मौत

हाइवा चालक को निकालते लोग.

आदित्यपुर । सरायकेला-टाटा मार्ग पर संजय ग्राम के समीप मंगलवार को टिप ट्रेलर और हाइवा के बीच सीधी टक्कर में ट्रेलर के चालक की केबिन में फंसने से मौत हो गई. हाईवा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया है. घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार हाईवा संख्या जेएच 02 बीपी- 5029 कांड्रा की ओर से आ रहा था जिसमें फ्लाई ऐश लदा हुआ था. वही सरायकेला की ओर से आ रहे ट्रिप टेलर संख्या जेएच 09 ए ए 7172 में आयरन पिलेट्स लदा था. दोनों की आपस में सीधी टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों चालक वाहनों के केबिन में ही फंस गए. स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईवा के चालक को केबिन का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया. टिप ट्रेलर का चालक की वाहन के केबिन में ही फंस कर मौत हो गई.

ब्रीफ खबरें

ऑक्सफोर्ड कान्वेंट स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

घाटशिला ।ऑक्सफोर्ड कान्वेंट स्कूल दहीगोड़ा में मंगलवार को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में केजी सेक्शन के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न देवी देवताओं के स्वरूप में सज धज कर अपनी प्रस्तुति दी. बच्चों की प्रस्तुति ने छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकों का मन मोह लिया. प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मुख्य रूप से विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिल्पी सरकार, शिक्षिका रिंटी, सोनम, स्वेता, सामरेन में मुख्य भूमिका अदा की.

रविशंकर भाकिमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बने

जमशेदपुर । झारखंड प्रदेश किसान मोर्चा ने जुगसलाई निवासी भाजपा नेता सह सैल्यूट तिरंगा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविशंकर तिवारी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया. संगठन के प्रति आभार प्रकट करते हुए रविशंकर तिवारी ने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है उसपर वे खरा उतने का शत प्रतिशत प्रयास करेंगे. उन्होंने शहर के प्रवास पर आए ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से मुलाकात की और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के प्रति आभार प्रकट किया.

देव प्रकाश अब राजद के प्रदेश महासचिव बने

आदित्यपुर । राजद के प्रदेश सचिव देव प्रकाश देवता को प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने अब प्रदेश महासचिव बनाया है. वे राजद के वरिष्ठ नेता हैं और कई महत्वपूर्ण दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर चुके हैं. उनके महासचिव बनने से पार्टी को मजबूती मिलेगी. वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश महासचिव श्रीराम यादव को अब प्रदेश के उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया है. उन्होंने दोनों वरिष्ठ नेता को नई जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश के संगठन में अपना महती योगदान देने की अपील करते हुए बधाई दी है.

वरदान साबित होगा भाजपा का पंचप्रण : अमित अग्रवाल

जमशेदपुर । भाजयुमो के प्रदेश मंत्री अमित अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की पंचप्रण योजना झारखंड में वरदान साबित होगी. इस पंचप्रण में गोगो दीदी योजना, लक्ष्मी जोहार योजना, सुनिश्चित रोजगार योजना के तहत हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा को दो साल के लिए 2,000 रुपये प्रति माह का युवा साथी भत्ता तथा प्रधानमंत्री आवास योजना को पूर्ण रूप से लागू करके 21 लाख घरों का निर्माण और प्रत्येक को एक लाख की बढ़ी हुई सहायता दी जाएगी.

डॉ. अजय ने किया पूजा पंडाल का उद्घाटन

जमशेदपुर । एल-4 एरिया सार्वजनिक दुर्गा एवं काली पूजा कमेटी सिदगोड़ा द्वारा निर्मित भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन मंगलवार को पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार एवं जमशेदपुर के वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने किया. सन् 1950 में स्थापित यह पूजा समिति भक्तों और श्रद्धालुओं के सहयोग एवं मां जगतजननी के आशीर्वाद से इस वर्ष अपने 75वें वर्ष का आयोजन कर रही है.

हरियाणा की जनता ने मोदी पर जताया भरोसा

जमशेदपुर । हरियाणा में भाजपा को मिली जीत पर भाजपा जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को बधाई दी है. दिनेश ने कहा कि भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा देश के गृह मंत्री अमित शाह एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापस आई है. हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना विश्वास जताते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान कर फिर से एक बार हरियाणा की जनता की सेवा करने का मौका दिया. हरियाणा भाजपा के नेतृत्व में विकास कर रहा है. कांग्रेस की हार यह साबित करती है कि देश की जनता उनके चाल-चरित्र को पहचान गई है. आशा है भाजपा के नेतृत्व में हरियाणा फिर एक बार विकास की ओर अग्रसर होगा.

पंडाल का पट खुला, समुद्री लहरों पर तैरते जहाज पर मंदिर की आकृति लुभा रही श्रद्धालुओं को

स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा समिति

संवाददाता । आदित्यपुर

स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा समिति के पंडाल का उद्घाटन के बाद भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया गया. आदित्यपुर 2 के रोड नंबर 12-14 में पिछले 50 वर्षों से यहां की कमेटी पूजा करती आ रही है. कमेटी ने समुद्री जहाज पर स्थित मां दुर्गा मंदिर की आकृति का पंडाल बनाया गया है. पूजा समिति के अध्यक्ष विनय कृष्ण राजू ने बताया कि यह वर्ष समिति का स्वर्ण जयंती वर्ष है और इसे बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है. पंडाल का मॉडल समुद्र की लहरों में चलती नाव का है. उन्होंने बताया कि पूजा का कुल बजट लगभग 10 लाख रुपये का है. पूजा समिति ने दुर्गोत्सव के अवसर पर षष्ठी तिथि बुधवार को बच्चों द्वारा सांस्कृतिक गरबा कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया है. पूजा को संपन्न कराने में पूजा समिति के चेयरमैन जितेंद्रनाथ मिश्रा, महासचिव बिनोद सिंह, संयोजक निरंजन मिश्रा, संरक्षक ओमप्रकाश सिंह, कोषाध्यक्ष सागर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, यजमान स्वप्निल सिंह, अमित सिंह, अखिलेश झा, मंटू उपाध्याय, समेत पूजा समिति के अन्य सदस्य लगे हुए हैं.

तबीयत ठीक होते ही सक्रिय हो गए चंपाई सोरेन

आदित्यपुर । पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की तबीयत बिगड़ने पर दो दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद सोमवार को जामताड़ा जिला में कार्यक्रम करने के बाद देर शाम सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में दुर्गा पूजा पंडालों में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल हुए. तबीयत बिगड़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चंपाई सोरेन का दूरभाष पर हाल-चाल लिए जाने पर चंपाई ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगाव है. यही कारण रहा कि जमशेदपुर में आयोजित जनसभा में खराब मौसम के बावजूद सड़क मार्ग से प्रधानमंत्री कोल्हान के लोगों के बीच पहुंचे थे. एस टाइप के पंडाल उद्घाटन समारोह में चंपाई सोरेन ने कहा कि दुर्गापूजा में नौ दिनों तक उत्साह का वातावरण रहता है. पूर्व मुख्यमंत्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करने फुटबॉल मैदान पहुंचे, जहां उनका स्वागत कमेटी के अध्यक्ष लालटू महतो ने किया. यहां आयोजित कुड़माली झूमर को देख पूर्व मुख्यमंत्री मंत्रमुग्ध हो गए और करीब एक घंटे तक झूमर नृत्य देखने के बाद पंडाल का फीता काटकर उद्घाटन किया. बता दें कि फुटबॉल मैदान में जंगल बुक की तर्ज पर पंडाल का निर्माण कराया गया है. यहां की खूबसूरती मैदान में आयोजित मेला है. जहां सभी प्रकार के झूले और मीणा बाजार श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं.

मंईयां सम्मान योजना के 271100 लाभार्थियों को भेजी गई तीसरी किस्त

खाते में भेजे गये ₹ 27.11 करोड़

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर स्थित जिला समाहरणालय में लाभुक को स्वीकृति पत्र प्रदान करते विधायक मंगल कालिंदी.

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के लाभुकों के खाते में मंगलवार को तीसरी किस्त की राशि भेजी गई. इसके लिए जिला समाहरणालय में एक समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें विधायक मंगल कालिंदी, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज, उपायुक्त अनन्य मित्तल, आईटीडीए के परियोजना निदेषक दीपांकर चौधरी मौजूद रहे.

इस दौरान योजना के तहत जिले में स्वीकृत 2 लाख 71 हजार 100 लाभार्थियों के बीच 27 करोड़ 11 लाख की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई. इस दौरान 10 लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया एवं उन्हें उपहार प्रदान किया गया.

मौके पर जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक व सामाजिक उत्थान की दिशा में कई योजनायें संचालित कर रही हैं. जिसमें मंईयां सम्मान योजना उनके सशक्तिकरण की दिशा में कारगर साबित हो रहा है. इसी का परिणाम है कि राज्य में 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया है. उन्होंने सरकार की अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी देते हुए कहा कि लोग जागरूक हों और योजनाओं का लाभ जरूर उठाएं. जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू ने कहा कि सभी महिलाओं को सरकार की योजनाओं से जुड़ना चाहिए.

गोगो दीदी का फॉर्म बना कमाई का जरिया, पांच-पांच रुपये में बेच रहे

पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार के हाता स्थित आवास पर गोगो दीदी योजना का फॉर्म जमा करने पहुंचीं ग्रामीण महिलाएं.

जादूगोड़ा । मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की काट में भाजपा की ओर से निकाली गई गोगो दीदी योजना कई लोगों की कमाई का जरिया बन गई है. इधर इस फॉर्म को जमा करने को लेकर भारी संख्या में महिलाएं पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार के आवास पर भटकती दिखीं. इस बाबत चापी गांव की अनीता सरदार, जयंती सरदार, सुंदरी सरदार ने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि से यह फॉर्म पांच रुपया में मिला है. उसी के कहने पर पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार के आवास आए, जहां से उन्हें निराश लौटना पड़ा. उन्हें भाजपा नेता विभीषण सरदार ने कहा कि यह असली फॉर्म नहीं है, फोटो कॉपी लेकर आए हैं. उन्होंने महिलाओं को यह कहकर लौटा दिया कि फॉर्म यहां जमा नहीं होता. जहां से फॉर्म मिला है वहीं जाकर इसे जमा करें. इस पर महिलाएं लौट गईं. भाजपा की गोगो दीदी योजना का फॉर्म को जमा करने को लेकर पोटका में भी लोग इधर-उधर भटकते दिखे. उन्हें उम्मीद है कि फॉर्म जमा होने के बाद हर महीने भाजपा की सरकार आने 2100 रुपया मिलेगा.

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

जमशेदपुर । उपायुक्त अनन्य मित्तल ने मंगलवार को आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना. इस दौरान 100 से ज्यादा लोगों ने व्यक्तिगत तथा सामाजिक समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. वृद्धा पेंशन भुगतान में विलंब, राशन कार्ड नहीं बनना, भूमि विवाद, आंगनबाड़ी सेविका चयन के संबंध में विलंब, नशामुक्ति अभियान चलाने, राशि भुगतान नहीं होने के संबंध में, सोसायटी द्वारा अनैतिक कार्य, शराब दुकान बंद कराने, घरेलू विवाद, नाली निर्माण में गड़बड़ी, निजी विद्यालय में नामांकन एवं फीस माफी से संबंधी शिकायत शामिल हैं. उपायुक्त ने मुलाकात करने वालों को यथोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. साथ ही कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान किया. वहीं प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को भेजकर समय पर निष्पादन का निर्देश दिया. इस दौरान उपायुक्त ने पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रखंड के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें.

सुंदरनगर पूजा पंडाल का उद्घाटन आज, भजन संध्या का भी आयोजन

विशेष सहयोगी । जमशेदपुर

सुंदरनगर दुर्गा पूजा समिति की ओर से निर्मित पूजा पंडाल का उद्घाटन षष्ठी के दिन ग्रेटर हीलियम करेंगे. इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में सुंदरनगर थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, समाजसेवी सह उद्योगपति अरुण बाग्रेवाल समेत अन्य मौजूद रहेंगे. पूजा कमिटी के पदाधिकारियों ने बताया कि पंडाल उद्घाटन के साथ ही देवी की अराधना शुरू हो जाएगी. षष्टी से दशमी तक भजन संध्या का आयोजन किया गया है. जिसमें चारो दिन अलग-अलग कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे. प. बंगाल के कारीगरों ने काल्पनिक पंडाल का निर्माण किया है. जिसपर 2.5 लाख रुपया खर्च हुआ है. पंडाल समेत आस-पास भव्य लाइटिंग की गई है.

नवोदय विद्यालय में लेटरल एंट्री से नामांकन जारी

बहरागोड़ा । प्रखंड अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय पूर्वी सिंहभूम में प्रारंभ होने वाले सत्र के लिए कक्षा ग्यारहवीं और नवम में रिक्त स्थानों के विरुद्ध लेटरल एंट्री द्वारा नामांकन हेतु राज्य सरकार एवं सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त स्कूलों से दसवीं और आठवी पास विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध करया गया है. विद्यालय के प्राचार्य डॉ जनार्दन सिंह ने बताया कि विद्यालय में 10वीं के बाद कुछ विद्यार्थी टीसी ले लेते हैं तो कुछ विद्यार्थी विद्यालय में उपलब्ध संकाय में नामांकन न लेकर अन्य संकाय को पसंद कर अन्य विद्यालय में चले जाते हैं जिससे कुछ स्थान रिक्त रह जाते हैं. जिन्हें लैटरल एंट्री द्वारा नवोदय विद्यालय समिति केंद्रीय कृत प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से योग्य विद्यार्थियों रिक्त पद के विरुद्ध भरे जाते हैं. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 7 अक्टूबर से शुरू है जो 30 अक्टूबर तक चलेगा. ऑनलाइन आवेदन www.navodaya.gov.in पर विजिट कर निःशुल्क किया जा सकता है.

मानगो में बढ़ी चोरी व छिनतई की घटनाएं

गृह प्रवेश की तैयारी कर रहा था परिवार, ताला तोड़कर लाखों का सामान टपाया

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

चोरों द्वारा काटा गया ताला दिखाता पीड़ित परिवार.

मानगो एवं उलीडीह थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी एवं छिनतई की घटनाएं बढ़ गई हैं. सोमवार को मून सिटी राजीव पथ में महिला से चेन छिनतई के मामले की तहकीकात में जुटी पुलिस को चोरों ने चुनौती देते हुए महावीर कालोनी एवं एकतानगर के दो घरों को निशाना बनाया. सोमवार की रात नवनिर्मित दोनों घरों का ताला काटकर चोरों ने उसमें रखे नए-नए सामान चोरी कर लिया.

महावीर कॉलोनी के रहने वाले बबलू प्रसाद ने बताया कि नया घर बना है. इसलिए घर में नया-नया बिजली का उपकरण एवं उपयोग में आने वाला सामान लाकर रखा था. कुछ सामानों की फिटिंग हो गई थी. जबकि कुछ वैसे ही रखा हुआ था. सोमवार की शाम बिजली मिस्त्री के द्वारा बिजली के उपकरण लगाया गया. उसके बाद वे घर बाहर से बंद करके चले गए. सुबह आया तो ताला कटा हुआ पाया. अंदर जाकर देखा तो जितने भी नये-नये सामान थे, सब गायब थे.

दूसरी और बबलू के घर से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित एकतानगर में जितेंद्र प्रसाद के घर में गृह प्रवेश की तैयारी अंतिम चरण पर थी. घर में बिजली एवं सेनेटरी फिटिंग्स के नये-नये सामान लगाए गये थे. चोरो ने सारे सामान खोलकर एवं तोड़कर चोरी कर लिया. बबलू प्रसाद एवं जितेंद्र प्रसाद ने घटना की जानकारी उलीडीह पुलिस को दे दी है. दोनों ने चोरों का पता लगाकर चोरी गया सामान बरामद करने का आग्रह किया.

पुलिस अवैध वसूली में व्यस्त : विकास सिंह

चोरी की घटना की जानकारी होने के बाद भाजपा नेता विकास सिंह बबलू प्रसाद एवं जितेंद्र प्रसाद से मिले. उन्होंने कहा कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ हैं. आए दिन कहीं न कहीं चोरी एवं छिनतई की घटना हो रही हैं. उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस की गश्ती गाड़ी कालोनी में मुहल्लों की बजाय हाईवे में पुआल, मुर्गा, मछली, सब्जी, स्क्रैप वगैरह वाहनों की जांच में व्यस्त रहती है. जिसका नतीजा मुहल्ले में चोरों का आतंक कायम है. उन्होंने कहा कि अगर यही रवैया रहा तो, दुर्गा पूजा के बाद मानगो-उलीडीह की जनता एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर विरोध जताएगी.

परंपरा

घर व मंदिरों में लगाई गई गुड़ियों की पारंपरिक और कलात्मक प्रदर्शनी

तेलुगु समुदाय ने पारंपरिक बोम्माला कोलुवु प्रतियोगिता का किया आयोजन

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

बोम्माला कोलुवु प्रतियोगिता में सजायी गई पारंपरिक गुड़िया

तेलुगु समुदाय ने अपनी पुरानी परंपरा के तहत बोम्माला कुलुवु प्रतियोगिता का आयोजन किया. इसके तहत मंदिरों एवं घरों में गुड़ियों की कलात्मक प्रदर्शन लगायी गई. दशहरा के मौके पर समाज की ओर से इस तरह की प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है. जमशेदपुर में यह प्रतियोगिता तेलुगु समुदाय कल्याण संघ की ओर से आयोजित की गई है. इसका उद्देश्य तेलुगु परंपराओं को बढ़ावा देना, खासकर युवा पीढ़ी को इस प्राचीन परंपरा के महत्व के बारे में जागरूक करना है.

तेलुगु समुदाय कल्याण संघ की झारखंड इकाई के अध्यक्ष रमन्ना अचारी ने बताया कि बोम्माला कोलुवु प्रतियोगिता तेलगु समाज की पारंपरिक परंपरा है. यह दशहरा के मौके पर आयोजित किया जाता है. जिससे समाज के लोग अपनी पुरानी परंपरा एवं संस्कृति से अवगत हो सकें. उन्होंने बताया कि बोम्माला कोलुवु गुड़ियों की एक पारंपरिक और कलात्मक प्रदर्शनी है, जिसे आमतौर पर हिंदू घरों और मंदिरों में महिलाएं सजाती हैं. यह मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों में लड़कियों और महिलाओं (विवाहित व अविवाहित) द्वारा नवरात्रि के दौरान किया जाता है. गुड़ियों को आमतौर पर विषम संख्या में लकड़ी के रैक या सीढ़ियों पर सजाया जाता है. जिनकी संख्या 3, 5, 7 से लेकर अधिकतम 9 तक होती है, जो नवरात्रि के नौ दिव्य दिनों का प्रतीक होती है.

सबसे अच्छी व कलात्मक सजावट को पुरस्कृत किया जाएगा

12 अक्टूबर तक समाज के घरों एवं मंदिरों में कलात्मक गुड़ियों की प्रदर्शनी रहेगी. जिसका मूल्यांकन आंध्रा महिला कमिटी द्वारा किया जाएगा. सबसे अच्छी व कलात्मक सजावट को पुरस्कृत किया जाएगा. राज्य समन्वयक जी. गोपाल कृष्ण ने कहा कि यह पहल तेलुगु धरोहर को संरक्षित करना और झारखंड में विशेष रूप से युवाओं के बीच तेलुगु संस्कृति, परंपरा एवं भाषा के साथ साथ सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. मौके पर टीसीडब्ल्यूए के कार्यकारी अध्यक्ष बी श्रीनिवास, महिला इकाई की अध्यक्ष जी. विजय लक्ष्मी, जी. गोपाल कृष्ण, वाई रमा समेत अन्य उपस्थित रहे.

न्यूज अपडेट

मुस्लिम बस्ती से ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

आदित्यपुर । आदित्यपुर पुलिस ने मंगलवार को मुस्लिम बस्ती में छापामारी अभियान चलाते हुए दो व्यक्ति को 50 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है. थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि एच रोड मुस्लिम बस्ती से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री में संलिप्त फिरोज कुरैशी के पास से 27 पुड़िया और गफ्कार अली नामक व्यक्ति के पास से 23 पुडिया ब्राउन शुगर पकड़ा गया है. बरामद कुल 50 पुड़िया ब्राउन का कुल वजन 4.57 ग्राम है. पकड़े गए दोनों व्यक्ति को एसपी के दिशा निर्देश पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया है. छापेमारी दल में एएसआई राग कुमार सिंह, संतोष कुमार सेन, रघुनाथ बिरुआ के साथ अमर कुमार मंडल और सिपाही नन्दलाल प्रसाद वर्मा, समीर बेसरा आदि शामिल थे.

पुण्यतिथि पर याद किए गए रामविलास पासवान

आदित्यपुर । आदित्यपुर में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा प्रदेश सचिव बृज मोहन सिंह के निजी कार्यालय में मंगलवार को पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान की पुण्यतिथि मनाई गई. पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनको याद कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की. जिसमें बंटी उपाध्याय प्रदेश महासचिव, बृज मोहन सिंह प्रदेश सचिव, मनोज पासवान प्रदेश सचिव, रंजीत पांडे जिला अध्यक्ष, विकाश सिंह जिला महामंत्री, दीपक भंडारी युवा प्रदेश सचिव, अभिषेक आनंद युवा जिला अध्यक्ष, संस्कृति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष अभिनाश सिंह, चिराग पासवान फैंस क्लब के संरक्षक अनिल मुखी, संरक्षक संतोष पासवान, सक्रिय सदस्य राहुल प्रसाद, और मृत्युंजय यादव उपस्थित थे.

घाटशिला में बारिश से पूजा बाजार में खलल

घाटशिला । दुर्गा पूजा उत्सव के ठीक पहले अचानक मंगलवार की दोपहर जमकर मूसलाधार बारिश ने पूजा बाजार में खलल डाल कर दिया. लोगों का कहना है कि पूजा के दौरान भी यदि ऐसी बारिश हुई तो पूरे त्योहार का मजा खराब हो जाएगा. वहीं आधे घंटे से अधिक समय तक बारिश होने से शहर की नाली तथा टूटी सड़कों की पोल खुल गई. नाली का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा. लोगों द्वारा लगातार प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की जा रही थी कि दुर्गा पूजा के पहले शहर की जर्जर सड़क की मरम्मत कराई जाए. इस बात को लेकर पिछले दिन थाने में हुई शांति समिति की बैठक में भी लोगों ने जोरदार तरीके से उठाया था, प्रशासनिक पदाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि पूजा के पूर्व जर्जर सड़क की मरम्मत हो जाएगी.

आंगनबाड़ी केंद्र में ही कुपोषण का होगा इलाज

घाटशिला । महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से मंगलवार को घाटशिला प्रखंड सभागार में सेविका तथा मुखिया के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस मौके पर उपस्थित पोषण मिशन के क्षेत्रीय प्रबंधक ओंकार शुक्ला ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को जानकारी दी कि अब 0 से 59 माह तक के बच्चों का एनीमिया और कुपोषण दूर करने के लिए आंगनबाड़ी में ही इलाज किया जाएगा. आंगनबाड़ी केंद्र में कुपोषण व एनीमिया की नौ प्रकार के दवाई उपलब्ध रहेगी. टीएचआर के दौरान ही एएनएम द्वारा बच्चों की जांच कर दवा दी जाएगी. उन्होंने बताया कि यह प्रोग्राम पांच जिला में मुख्यमंत्री द्वारा एनीमिया और कुपोषण से बचाव के लिए वर्ष 2021 में चलाया गया था. अभियान के दौरान अच्छा रिजल्ट आया.

भाजमो नेताओं ने लोकनायक को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर । लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को भारतीय जनतंत्र मोर्चा जमशेदपुर महानगर के नेताओं ने मानगो जेपी सेतु स्थित लोकनारायण जयप्रकाश की प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे. उन्होंने संपूर्ण क्रांति के बदौलत उन्होंने इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया था. जेपी के मार्गदर्शन में ही विपक्षी दलों के गठबंधन से जनता पार्टी का गठन हुआ और 1977 में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार केंद्र की सत्ता में आई. कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजमो नेता कुलविंदर सिंह पन्नू, आकाश शाह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रेम सक्सेना, कन्हैया ओझा, प्रवीण सिंह, अर्जुन यादव आदि उपस्थित थे.

सीपीआई(एम) का 7वां लोकल सम्मेलन संपन्न

बहरागोड़ा । डाक बंगला परिसर में सीपीआई (एम) लोकल कमेटी का सातवां लोकल सम्मेलन मंगलवार को संपन्न हुआ. संचालन अध्यक्ष मंडली के रूप में कन्हाई मुंडा ,जुगल देहूरी व सुकुमार राणा ने किया. सम्मेलन में चौदह शाखा के 55 प्रतिनिधि शामिल हुए. पर्यवेक्षक के रूप में विश्वजीत देव, स्वपन कुमार महतो एवं नाग राजू उपस्थित थे. अंत में नई लोकल कमेटी का गठन भी किया गया. चितरंजन महतो को सर्वसम्मति से पुनः सचिव के रूप में चयन किया गया. अभिजीत जाना, कन्हैया मुंडा, सुकरा मुंडा ,सुकुमार राणा, जुगल देहूरी, राजकुमार दुबे, तपन विशाल, दिलीप सीट, तपन नायेक, ऋषिकेश धारा, तारा शंकर घोष,अलय दास,साधन नायेक, सुधीर सेनापति एवं साधु नाथ सदस्य चुने गए.

अभिवंचित वर्ग के बच्चों का रिजल्ट दिलाने की मांग

जमशेदपुर । मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल, बिष्टुपुर ने कक्षा 9वीं व 10वीं में पढ़ने वाले अभिवंचित वर्ग के बच्चों का रिजल्ट रोक दिया है. जिसके कारण उक्त कक्षा के बच्चे एवं उनके अभिभावक खासे परेशान हैं. इस मामले को लेकर मंगलवार को अभिभावकों का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त अनन्य मित्तल से मिला तथा उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया. अभिभावकों ने उपायुक्त से स्कूल प्रबंधन को रिजल्ट जारी करने का आदेश देने का आग्रह किया. अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि स्कूल प्रबंधन उपरोक्त कक्षा के बच्चों से सामान्य श्रेणी के बच्चों की तरह पूरी फीस मांग रहा है. ऐसे वर्ग के अभिभावक फीस के रूप में मोटी रकम देने में असमर्थ हैं. इस संबंध में कई बार स्कूल प्रबंधन से वार्ता की गई. लेकिन प्रबंधन मानने को तैयार नहीं है.

किरीबुरु : आखिर कुम्बिया के ग्रामीणों को कब मिलेगा राशन!

किरीबुरु । गंगदा पंचायत के कुम्बिया गांव के ग्रामीणों को 15 माह से राशन नहीं मिला है. इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है. इस मामले को लेकर सितंबर में कुम्बिया, चुर्गी, ममार, दुईया, दोदारी आदि गंगदा पंचायत के सैकड़ों ग्रामीणों ने राशन, पेयजल और बिजली समस्या को लेकर सलाई चौक पर सड़क जाम कर दिया था. इस सड़क जाम के बाद मनोहरपुर के बीडीओ शक्तिकुंज ने ग्रामीणों को भरोसा दिया था कि जिन्हें राशन नहीं मिला है, उन्हें राशन 15 दिनों के अंदर मिलेगा, लेकिन अब दो माह पार हो गये हैं. इस बीच ग्रामीणों व मुखिया राजू सांडिल ने बीडीओ को उनके किये वादे याद दिलाया था. उसके बावजूद भी बीडीओ ने जल्द समस्या का समाधान होने की बात करते रहे, लेकिन हुआ कुछ नहीं. आज गंगदा पंचायत के ग्रामीणों का भरोसा बीडीओ पर से पूरा उठ गया है. लोगों का कहना है कि वर्तमान बीडीओ की कथनी अधिक लेकिन करनी कुछ भी नहीं है. हम कार्डधारियों का 15 माह का राशन कौन खा गया और निरंतर खा रहा है.

चाईबासा रेलवे अंडरपास में जल जमाव : त्रिशानु राय

चाईबासा । चाईबासा के आमला टोला रानी सती मंदिर मार्ग स्थित रेलवे अंडरपास में जल जमाव से संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है. मामले पर संज्ञान लेते हुए पश्चिम सिंहभूम जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य त्रिशानु राय ने जनहित में डिविजनल रेलवे मैनेजर, दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर को पत्र लिखकर जल जमाव की समस्या से निजात दिलवाने की मांग मंगलवार को की है. त्रिशानु राय ने कहा कि थोड़ी वर्षा से ही जल जमाव की स्थिति बन जाती है. इससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जल निकासी का ह्यूम पाइप भी फट गया है. अंडरपास के पास गति अवरोधक भी है जो जल जमाव होने के कारण वाहन चालकों को दिखाई नहीं देता जिससे दुर्घटना होने की संभावना काफी बढ़ जाती है.

संघ ने मुख्यमंत्री हेमंत, मंत्री और विधायक का किया दाह संस्कार

चाईबासा । ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान ने कुरसी गुदड़ी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन मंत्री दीपक बिरुवा और मझगांव विधायक निरल पूर्ति की शवयात्रा निकाल कर दाह संस्कार किया. संघ द्वारा सदर प्रखंड के प्रभावित क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चला कर ग्रामीणों को डैम से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है. शव यात्रा के बाद सभा में संघ के अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली ने कहा कि हेमंत सोरेन हिम्मत दिखाओ, आदिवासी मूलवासी विस्थापितों को बचाओ. नौ अक्टूबर को होने वाले झारखंड सरकार के अंतिम कैबिनेट बैठक में ईचा डैम योजना को रद्द करें. ईचा डैम के लिए गोली खाने को तैयार आज हेमंत बाबू विस्थापितों की बोली सुनने को तैयार नहीं हैं. यह कैसा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का आंदोलनकारी बेटा, जो कोल्हान के सबसे बड़े विस्थापन के खिलाफ लड़ने वाले आंदोलनकारियों के दर्द को महसूस नहीं कर पा रहे हैं. उन्होंने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो ने सरकार बनने पर ईचा डैम रद्द करने का वादा किया था. मौके पर रेयांस सामड, सुरेश सोय, योगेश कालुंडिया, गुलिया कालुंडिया, रविंद्र अल्डा, बिरसा गोडसोरा, सुनील बाड़ा, मनसा बोदरा उपस्थित थे.

गुलकेड़ा में मुखिया ने कई योजनाओं का किया उद्घाटन

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की गुलकेड़ा पंचायत में मुखिया लक्ष्मी केराई ने विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन किया. इस अवसर पर मुखिया लक्ष्मी केराई ने ग्राम पंचायत फंड से गुलकेड़ा गांव के बुरुसाई चौक में बने यात्री शेड व गुड़ासाई गांव में फुटबॉल मैदान में निर्मित चबूतरा शेड का फीता काटकर उद्घाटन किया.

इस अवसर पर मौजूद ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी मुखिया लक्ष्मी केराई ने जानकारी दी. जहां ग्रामीण मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित विशेष ग्रामसभा के दौरान मंईयां सम्मान योजना, पीएम किसान योजना, पेंशन इत्यादि के बारे में ग्रामीणों को बताया गया.

साथ ही गांव में सड़क, पानी, बिजली की समस्या दूर करने को लेकर भी चर्चा की गई. मौके पर गांव के मुंडा जुगसिंह जामुदा, सेवानिवृत्त आर्मी जवान सह समाजसेवी दयासागर केराई, वेल्फेयर क्लब गुड़ासाई के अध्यक्ष रामराई बांकिरा, प्रधान जामुदा, विशाल मुंडा, गोलमाय जामुदा, डिरु मुंडा, संदीप जामुदा, जुगसिंह बांकिरा समेत अन्य महिला-पुरूष ग्रामीण मौजूद थे.

चाईबासा में हस्तांतरण कार्यक्रम, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की तीसरी किस्त लाभुकों के खाते में भेजी

पश्चिमी सिंहभूम के 192537 लाभुकों के खाते में भेजे गए 19,25,37000 रुपए

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिम सिंहभूम जिला मुख्यालय स्थित पिल्लई हॉल सभागार में मंगलवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना तीसरी किस्त हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने की. कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य की माता, बहनों के लिए दृढ़संकल्पित है. इसी का नतीजा है कि अब तक राज्य की 48 लाख महिलाओं को महिला सम्मान योजना से आच्छादित करने का सरकार का प्रयास सफल रहा है. और भी महिलाओं को इस योजना का लाभ मिले, इसके लिए राज्य सरकार प्रयासरत है.

मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित होंगी, परिवार और समाज शिक्षित होगा, महिलाएं सशक्त और स्वावलंबी होंगी तभी पूरा परिवार स्वावलंबी बनेगा. इस योजना को बेहतर तरीके से राज्य में लागू करने के लिए मुख्यमंत्री का प्रयास प्रशंसनीय है. आने वाले दिनों में पूरे झारखंड का विकास हो, गांव के परिवेश में सुधार हो, इसके लिए मुख्यमंत्री दृढ़संकल्पित हैं. जब तक गांव का विकास नहीं होगा, राज्य का विकास संभव नहीं है. राज्य सरकार गांव के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयासरत रहेगी. राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण हेतु प्रतिबद्ध है. पश्चिम सिंहभूम जिले के लाभुकों के बीच झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की तीसरी किस्त में 192537 लाभुकों के खाते में कुल 19,25,37000 रुपए (उन्नीस करोड़, पच्चीस लाख, सैंतीस हजार रुपए) का हस्तांतरण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, प्रशिक्षु आईएएस अर्णव मिश्रा, आईडीएआई डायरेक्टर जयदीप तिग्गा, अपर उपायुक्त प्रवीण केरकेट्टा , सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा खुशेंद्र सोनकेशरी, डीपीएम जेएलएसपीएस उपस्थित थे.

चाईबासा में लाभुक को चेक सौंपते मंत्री दीपक बिरुवा और और उपस्थित विधायक सुखराम उरांव व डीसी.

चाईबासा पिल्लई हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लाभुक महिलाएं और उपस्थित अन्य लोग.

गोइलकेरा के सेरेंगदा, भडिहा, दलकी, समीज आश्रम, मनोहरपुर व गुदड़ी थाना क्षेत्र से हो रहा बालू उठाव

धड़ल्ले से अवैध बालू कारोबार जारी

- पुलिस-प्रशासन मौन रहने से करोबारियों का बढ़ा हौसला

नितीश ठाकुर । गोइलकेरा

झारखंड में एनजीटी की रोक के बावजूद पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोइलकेरा क्षेत्र की नदियों से धड़ल्ले से अवैध बालू का कारोबार हो रहा है. पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से रोजाना दो दर्जन से अधिक बड़े-बड़े हाइवा के साथ-साथ ट्रैक्टरों से बालू का उठाव कर चक्रधरपुर व आसपास के क्षेत्रों में भेजा जाता है. गोइलकेरा थाना क्षेत्र के सेरेंगदा, भरडिहा, दलकी, समीज आश्रम क्षेत्र के अलावे मनोहरपुर व गुदड़ी थाना क्षेत्र के विभिन्न घाटों से बालू का उठाव हो रहा है. बालू गोइलकेरा के रास्ते ही चक्रधरपुर व आसपास के क्षेत्रों में पहुंचता है, जबकि इस रास्ते सड़क किनारे ही कई थाना हैं. इसके बावजूद बेखौफ होकर रोजाना बालू माफिया बालू का अवैध कारोबार कर रहे हैं. वहीं बालू माफियाओं द्वारा जंगल में नदी किनारे कई जगह पर बालू की भारी मात्रा में भंडारण किया गया है. पूर्व की एसडीओ रीना हांसदा कई बार बालू कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी भी कर चुकी हैं, लेकिन फिर से अवैध बालू का कारोबार ने रफ्तार में पकड़ लिया है.

गोईलकेरा में सड़क से गुजरता बिना नंबर का अवैध बालू लदा ट्रैक्टर.

सिंडिकेट बनाकर हो रहा कारोबार

बालू का अवैध कारोबार करने वाले कारोबारी सिंडिकेट बनाकर काम कर रहे हैं. इसमें हाइवा मालिकों के साथ-साथ ट्रैक्टर मालिकों का गुट शामिल है. किसी के पास चार, तो किसी के पास 8-10 हाइवा व ट्रैक्टर हैं. सबसे ज्यादा हाइवा व ट्रैक्टर चक्रधरपुर के गाड़ी मालिकों की है. इसी सिंडिकेट में हाइवा व ट्रैक्टर मालिक शामिल हैं. वहीं रात के अंधेरे में सबसे ज्यादा बालू का कारोबार होता है. जिन बालू घाटों से खनन किया जाता है उक्त स्थान पर पुलिस भी नहीं जाती है. इसके कारण बालू माफियाओं का मनोबल बढ़ा हुआ है.

अवैध बालू कारोबारियों पर हो रही कार्रवाई: टुडू

इधर इस संबंध में पश्चिमी सिंहभूम जिला के जिला खनन पदाधिकारी मेघलाल टुडू से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि अवैध बालू का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.उन्होंने कहा कि एक दिन पहले रात में छापेमारी कर चार ट्रैक्टर को पकड़ा गया है. खनन विभाग द्वारा अपने स्तर से कार्रवाई की जा रही है.

वन विभाग पूछताछ के बाद छोड़ देती है गाड़ियां

गोइलकेरा क्षेत्र के बालू घाटों से होने वाले अवैध खनन को लेकर छापेमारी के दौरान कई बार वन विभाग की टीम ने गश्ती के दौरान अवैध बालू लदे हाइवा व ट्रैक्टर चालकों से पूछताछ की है, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया जाता है. वहीं वन विभाग के एक वरीय अधिकारी से इस बारे में पूछे जाने पर बताया कि बालू का अवैध कारोबार रोकना हमारा काम नहीं है. पुलिस इस पर ध्यान नहीं देती है. गश्ती के दौरान मिलने वाले हाइवा व ट्रैक्टर चालकों से पूछताछ के बाद छोड़ दिया जाता है.

बिना नंबर प्लेट के वाहन

गोइलकेरा क्षेत्र के बालू घाटों से होने वाले खनन के बाद बालू का उठाव ज्यादतर बिना नंबर प्लेट व बिना चालान वाली गाड़ियों में किया जाता है, ताकि पकड़े जाने पर भी कार्रवाई से बच सकें. खासकर इसमें ट्रैक्टरों की संख्या सबसे ज्यादा है. वहीं ओडिशा के फर्जी चालान से भी कारोबार हो रहा है. बालू का उठाव नाबालिग बच्चों से भी काम लेते हैं.

महंगे दाम पर बेचे जा रहे

बालू का अवैध तरीके से खनन होने के कारण महंगे दाम पर बालू बेचे जा रहे हैं. इससे जरुरतमंद लोग अपना आवास निर्माण या अन्य कार्य बालू के महंगे दाम के कारण नहीं कर पा रहे हैं. बताया जाता है कि एक हाइवा बालू 40 से 45 हजार रुपये व एक ट्रैक्टर बालू चार से पांच हजार रुपये में बेचे जाते हैं. बालू माफियाओं के कारण ही दाम में बढ़ोत्तरी हुई है.

दुर्घटना का बना रहता है खतरा

सड़क पर तेज रफ्तार में बालू लदे हाइवा व ट्रैक्टर चलने से हमेशा दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है. कई बार कई लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं. तेज रफ्तार में होने के कारण बीते एक सप्ताह पहले कई बालू लदा हाइवा भी सड़क पर असुंलित होकर गिर गया था. कुछ दिनों पूर्व एक स्कॉर्पियो गाड़ी को भी बालू लदा हाइवा अपनी चपेट में ले लेता. इसके बाद ग्रामीणों ने हाइवा चालक की जमकर पिटाई भी कर दी थी. वहीं सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों में भी हमेशा दुर्घटना का डर सताता रहता है.

न्यूज अपडेट

पंडालों व रावण को अंतिम रूप देने में जुटे कलाकार

किरीबुरु । किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, प्रोस्पेक्टिंग, मुर्गापाड़ा एवं हिल्टॉप के पांच दुर्गापूजा पंडालों को अंतिम टच देने में कलाकार जुटे हैं. इन सब पंडालों में किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु का पंडाल सबसे आकर्षण का केन्द्र रहेगा. किरीबुरु में जूट बोरा और पुआल तथा मेघाहातुबुरु में पुआल व कपड़ा से पंडाल का निर्माण कर ग्रामीण क्षेत्रों का लुक देने का कार्य हो रहा है. 9 अक्टूबर से इन पंडालों में भीड़ जुटना शुरू हो जायेगा. दूसरी ओर, लगभग दो लाख रुपये की लागत से मेघाहातुबुरु दुर्गापूजा कमिटी द्वारा लगभग 65 फीट ऊंचा विशाल रावण का निर्माण किया जा रहा है.

अनुमंडल क्षेत्र शक्ति की आराधना के लिए तैयार

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में शारदीय नवरात्र पर मनाए जाने वाली दुर्गा पूजा की तैयारी लगभग पूरी हो गई है. देवी मां की प्रतिमा और पूजा पंडाल पूरी तरह से आकार ले लिया है. पूजा आयोजन समिति अपने आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं. पूजा पंडालों को आकर्षक रूप से सजाया-संवारा गया है. बिजली के बल्बों के अलावा फूलों से पंडाल और आसपास के क्षेत्र को सजाया जा रहा है. घर से लेकर बाजार तक दुर्गोत्सव का उमंग देखा जा रहा है. दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई हैवानियत का प्रतिकार भी देखने को मिलेगा.

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की महिलाओं ने की पूजा

किरीबुरु । गुवा के रामनगर स्थित दुर्गा मंडप में नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना महिलाओं ने की. पूजा अर्चना के दौरान महिलाओं ने सुख-समृद्धि के लिए मन्नतें मांगी. दुर्गा पूजा मंदिर कमेटी द्वारा महाअष्टमी व महानवमी पर महाभोग प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा. वहीं रामनगर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन बुधवार को महासप्तमी पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व पूर्व सांसद गीता कोड़ा संध्या सात बजे करेंगे. गुवा के सभी दुर्गा पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरा और अग्निशामक उपकरण लगाये गये हैं.

महानायक स्व. हरिओम झा की 18वीं पुण्य तिथि मनाई गई

किरीबुरु । आशीर्वाद इंटरप्राइजेज गुवा कार्यालय में प्रातःकाल 9 बजे से आदिवासियों के महानायक स्वर्गीय हरिओम झा की 18वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए गुवा एवं आसपास के लोगों का तांता लगा रहा. आशीर्वाद इंटरप्राइजेज की अध्यक्ष पुष्पा झा के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशानुसार महाप्रबंधक गोविंद पाठक एवं कर्मियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर महाप्रबंधक सह भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गोविंद पाठक ने कहा कि आशीर्वाद इंटरप्राइजेज महानायक स्वर्गीय हरिओम झा के सपनों को साकार कर रोजगार के माध्यम से लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्यरत हैं. स्व. हरिओम झा जल, जंगल, जमीन के लिए संघर्षरत रहे. आदिवासियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्यरत थे.

गोगो दीदी योजना के नाम से कोई योजना नहीं : बीडीओ

चांडिल । गोगो दीदी योजना को लेकर चांडिल के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने सूचना जारी की है. ज्ञापांक 697 के तहत मंगलवार को जारी सूचना में उन्होंने कहा है कि चांडिल प्रखंड अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में यह सूचना प्राप्त हो रही है कि कुछ लोगों द्वारा ₹गोगो दीदी योजना₹ के नाम से 2100 रुपये प्रति महिला को लाभ देने के लिए आवेदन प्रपत्र भरवाया जा रहा है.

इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत चांडिल प्रखंड में "गोगो दीदी योजना₹ के नाम से कोई भी योजना संचालित नहीं है और न ही जिला या प्रखंड प्रशासन द्वारा कोई आवेदन पत्र जारी किया गया है.

आम लोगों से ऐसे भ्रामक विज्ञापन से सावधान रहने का अनुरोध किया गया है. क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ता गोगो दीदी योजना के नाम से महिलाओं से आवेदन फार्म भरवाए जा रहे हैं.

शीतला मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल समेत अन्य पंडालों के आज खुलेंगे पट

संवाददाता । चक्रधरपुर

शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा को लेकर नवरात्र की सप्तमी पर चक्रधरपुर शहर के विभिन्न स्थानों में बनाये गये पूजा पंडालों का पट बुधवार को भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे. चक्रधरपुर के शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल समेत अन्य पूजा पंडालों का उद्घाटन बुधवार शाम किया जाएगा. शीतला मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन नौ कुंवारी कन्याएं करेंगी. जहां मुख्य रुप से पूजा समिति के संरक्षक भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश साव के साथ-साथ पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, भाजपा महिला प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा समेत अन्य मौजूद रहेंगे.

वहीं पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडाल के उद्घाटन समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है.

इसमें डांडिया भी आयोजित की जाएगी. सांस्कृतिक प्रतियोगिता के दौरान एकल, समूह नृत्य, गीत में हिस्सा लेने वाले विजेता प्रतिभागियों को श्रीश्री शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा. इधर शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के अलावे ठठेरा मोहल्ला दुर्गा पूजा समिति, कपड़ा पट्टी दुर्गा पूजा समिति, आरई कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति, नूतन दुर्गा पूजा समिति समेत अन्य पूजा पंडाल का उद्घाटन किया जाएगा.

मां गिरि राजेश्वरी मंदिर में पूजा व भंडारे में भक्तों की उमड़ी भीड़

संवाददाता । किरीबुरु

नवरात्र की षष्ठी के दिन गिरि राजेश्वरी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. हजारों लोगों ने मंदिर में पूजा की और महाभोग ग्रहण किया. मंगलवार को सारंडा फ्यूएल सेंटर के मालिक विकेश पांडेय व परिवार द्वारा पूजा व भोग का आयोजन किया गया था. झारखंड-ओडिशा के लोगों की आस्था व विश्वास का केन्द्र है गिरि राजेश्वरी का मां दुर्गा मंदिर. यह मंदिर झारखंड के किरीबुरु शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर ओडिशा सीमा से सटे जंगल व घाटी में स्थित है., लेकिन दुर्गापूजा के दौरान नवरात्र में नौ दिन विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है. इन नौ दिनों तक चलने वाली पूजा में प्रत्येक दिन अलग-अलग लोग पूजा देते हैं. पूजा के दौरान दोपहर में प्रतिदिन महाभोग का आयोजन होता है. मां गिरि राजेश्वरी मंदिर का इतिहास काफी पुराना है. कहा जाता है कि दशकों वर्ष पूर्व जब सेल किरीबुरु का टाउनशिप ओडिशा के बैसकैंप में था, तभी बेसकैंप के होरोमोटो टोला निवासी रामराय की गर्भवती बेटी अपनी एक मासूम बेटी को साथ लेकर अपना इलाज कराने सेल के एक वाहन से हिलटॉप जा रही थी. जाते समय मंदिर वाले स्थान पर उक्त वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में मां व बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी. इसके अलावे इस स्थान पर कई दुर्घटनाएं होती रहती थी. इस घटना के लगभग दो साल बाद एक पूर्व सेलकर्मी को स्वप्न में मां दुर्गा ने घटनास्थल पर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया. इसके बाद मूर्ति नामक पूर्व सेलकर्मी ने आसपास के लोगों की मदद व सेल के सहयोग से यहां एक छोटा मंदिर बनवाया और माता की मूर्ति स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की. मंदिर बनने के बाद इस सड़क पर दुर्घटना बंद हो गयी.

दुर्गोत्सव चौका में शक्ति की आराधना मां दुर्गा का महापर्व शारदीय नवरात्र धूमधाम से मनाया जा रहा

नवरात्र के छठे दिन मां दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की महिलाओं ने की पूजा

- कलश स्थापना के बाद देवी की पूजा शुरू हुई

संवाददाता । चांडिल

शक्ति की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र चौका में धूमधाम से मनाया जा रहा है. नवरात्र के छठे दिन मंगलवार को मां दुर्गा की कात्यायनी स्वरूप की पूजा की गई. चौका में सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित दुर्गोत्सव में मंगलवार को देवी दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायणी की पूजा-अर्चना के लिए सुबह कलश यात्रा निकाली गई. मंदिर में कलश स्थापना के बाद देवी पूजन प्रारंभ हुआ. मंदिर में चंडीपाठ भी किया जा रहा था. पूजा-अर्चना में बड़ी संख्या में देवी के भक्त शामिल हुए. पूजा-अर्चना के बाद माता की आरती की गई.

पूजा-अर्चना करती महिलाएं और पुरुष भक्त.

मंगलवार को दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे थे. पूजा समाप्ति के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. यहां समिति की ओर से महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई है. दोपहर के वक्त दूर-दराज से मंदिर पहुंचने वालों के लिए महाप्रसाद की सुविधा है.

झांकियों को देखने उमड़ रही भीड़

दुर्गोत्सव के दौरान नवदुर्गा मंदिर प्रांगण में आकर्षक झांकियां भी लगाई गई हैं. झांकियों में सीता, राम व लक्ष्मण, बजरंगबली हनुमान समेत सामाजिक संदेश देती कई झांकी शामिल हैं. लोग झांकियों को खूब पसंद कर रहे हैं. वहीं दोपहर बाद मंदिर प्रांगण में चल रहे रामकथा सुनने के लिए भी दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं.

बजरंगबली हनुमान की झांकी.

बांग्ला में होने वाले रामकथा सुनने के लिए बड़े-बुजुर्ग अधिक संख्या में पहुंच रहे हैं. बुधवार को रामकथा को विश्राम दिया जाएगा. इसके बाद दुर्गोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शुरू होगा. महासप्तमी के दिन से विजया दशमी तक प्रतिदिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई है. मंगलवार की शाम महाषष्ठी के अवसर पर देवी का अधिवास किया गया. वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बेलवरण कार्यक्रम के तहत देवी का आवाहन किया गया. बुधवार को मंदिर में नवपत्रिका का प्रवेश होगा.

सीता-राम और लक्ष्मण की झांकी.

दुर्गा पूजा को लेकर चतरा में रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया एंक पंडाल मां जगदंबे के भक्तों को आकर्षित कर रहा है. इसी तरह जिले के अन्य कई स्थानों पर भी विभिन्न पूजा समितियों द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है.

शहर की निगरानी यंत्रों से की जा रही, अतिरिक्त पुलिस बल भी चौक-चौराहों पर तैनात

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है. यंत्रों से शहर की निगरानी की जा रही है. कहीं अतिरिक्त पुलिस फोर्स बुलाकर चौक-चौराहे पर तैनात कर रखा है, तो कहीं सीसीटीवी और द्रोण से नजर रखी जा रही है. यहां तक कि पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह एवं उपायुक्त नैंसी सहाय एवं नगर निगम के सहायक आयुक्त बीच-बीच में शहर में बनाए गए पूजा पंडालों का भ्रमण कर खुद निगरानी कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जा रही हैं. पुलिस आम लोगों से भी अपील कर रही है कि त्यौहार को त्यौहार के रूप में मनाएं, अफवाह पर ध्यान न दें. उपद्रव करने वाले को चिन्हित कर पुलिस प्रशासन को जानकारी दें ताकि समय रहते उपद्रवियों को जेल भेजा जा सके. बता दें कि इस वर्ष दुर्गा पूजा को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है. बड़े-बड़े पंडाल बनाए गए हैं. कहीं जागरण तो कहीं डांडिया का कार्यक्रम चल रहा है. ऐसे में नवमी और दशमी में काफी भीड़ शहर में हो सकती है. इसके मद्देनजर जिला प्रशासन ने जगह-जगह पर पेयजल, शौचालय की व्यवस्था के साथ ही बैरिकेडिंग करवा रही. इधर, पूजा पंडाल के लोग भी दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन के प्रयास में दिन-रात जुटे हुए हैं.

कहां-कहां हो रही है माता की पूजा

बता दें कि शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित छठ तालाब, ओकनि बड़ा शिव मंदिर, ओकनि छोटा शिव मंदिर, बड़ा अखाड़ा, छोटा अखाड़ा, बंगाली दुर्गा, स्थान, रामनगर, विष्णुपुरी, शिवदयाल नगर, कुमहारटोली, मलाह टोली, बड़ा बाजार चौक, बस स्टैंड गोवरटोली, पंच मंदिर, गड़ी खाना, जिला परिषद चौक, कोर्रा गांधी मैदान, मटवारी, डीवीसी, लाखे नूतन नगर, अमृत नगर, हुडहुरु, देवंगना चौक, काली बाड़ी, बुढ़वा महादेव, सिंघानी आदि अनके स्थानों पर भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया है. वहीं कटकमसांडी, कटकमदाग, बड़कागांव, केरेडारी, चुरचू, चरही, विष्णुगढ़, टाटी झरिया, दारू, झुमरा, मेरू, इचाक, पदमा, बरही, चौपारण, बरकट्ठा के अलावे कई पंचायतों में भी मां दुर्गा की प्रतिमा की पूजा अर्चना हो रही है.

क्या-क्या है नगर निगम की तैयारी

इस संबंध में नगर निगम के सहायक आयुक्त अनिल पांडे ने बताया कि शहर में बनाए गए दुर्गा पंडाल स्थान का निरीक्षण किया जा रहा है. पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव को आदेश दिया गया है कि अपने-अपने पंडाल में अग्निशामक यंत्र, सीसीटीवी कैमरा लगवा कर निगरानी करें. वहीं जरूरत के अनुसार पेयजल एवं साफ सफाई का भी उत्तम प्रबंध नगर निगम द्वारा किया जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि अग्निशामक यंत्र पूजा समिति को स्वयं लगवाना होगा. जरूरत पड़ने पर इसके लिए अंतर कार्यालय से संपर्क करना होगा.

विशेष यातायात व्यवस्था नवरात्रि के लिए रूट तैयार

रामगढ़। नवरात्रि को लेकर रामगढ़ में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर निम्न रूट तैयार किए गए हैं जो 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक निम्न प्रकार रहेगी. नो एंट्री का समय दिन 12:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक होगी. बाजार टांड से गोरियारी बागी होते हुए बस स्टैंड तक -वन वे रहेगा.

बाजार टांड में बुनियादी मध्य विद्यालय चट्टी बाजार, ट्रेकर स्टैंड रामगढ़, छावनी फुटबॉल मैदान में पार्किंग की व्यवस्था होगी. वहीं बरकाकाना में सीसीएल फुटबॉल मैदान घुटवा, केंद्रीय कर्मशाला घुटवा के मुख्य द्वार के किनारे खाली स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था होगी. वहीं बाजार टांड चेकपोस्ट, नईसराय चौक चेक पोस्ट, पटेल चौक चेक पोस्ट, ग्राम अम्बाटांड़ स्थित सरकार दा ढाबा के सामने चेक पोस्ट रहेगी.

आवास- सुखाड़ का पैसा दिलाने के नाम पर लिखवा ली जमीन

संवाददाता। चतरा

जिले के कुंदा प्रखंड अंतर्गत कुंदा के बैरियाचक निवासी लखन सिंह की रैयती जमीन को भूमि माफियाओं ने धोखे से लिखवा ली. मामले में लखन सिंह ने कुंदा थाना में आवेदन देकर गोविंद सिंह, सत्येंद्र कुमार गुप्ता, लवकुश कुमार गुप्ता तथा रघुनाथ सिंह के विरुद्ध धोखे से जमीन लिखवा लेने से संबंधित मामला दर्ज कराया है. इस बाबत थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन के आलोक में चार व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. मामले की तहकीकात के साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है. पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिलेगा.

लखन सिंह में बताया कि बीते 18 सितंबर को उपरोक्त चारों व्यक्ति मेरे घर आए और मुझे इंदिरा आवास तथा सुखाड़ का पैसा दिलाने की बात कही. बताया कि आवास की राशि कुंदा से ही मिल जाएगी, लेकिन सुखाड़ की राशि के लिए चतरा चलना पड़ेगा. मैं उन लोगों की बातों में आकर उन्हें साथ चलने की बात कही, तब वे लोग मुझे अनजान रास्ते से लेकर पुराना कचहरी चतरा ले आए. यहां लाकर मुझे एक सुनसान जगह पर रखा. शाम के लगभग 4 से 5:00 बजे के करीब सत्येंद्र साव तथा रघुनाथ सिंह एक कागज लिए हुए आए और मेरे पांचों उंगलियों का निशान लिया. इसके बाद मुझे एक कार्यालय में ले गये, जहां कई तरह से मेरी फोटो ली गई.

हाईवा मालिकों ने किया पूर्व मंत्री साव का पुतला दहन

- सभी ट्रांसपोर्टरों को प्रति टन बीस रुपये देने होंगे, दूसरे राज्य की गाड़ी नहीं चलेगी : साव

संवाददाता। केरेडारी

जोरदाग मुंडा टोली में ट्रांसपोर्टिंग गाड़ियों को रोके जाने के विरोध में केरेडारी प्रखंड हाईवा ऑनर एसोसिएशन के नेतृत्व में आक्रोशित हाईवा मालिकों ने मंगलवार को पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का पुतला दहन किया. इससे पहले हाईवा मालिकों ने केरेडारी कृषि फार्म के मैदान में बैठक की.

हाईवा ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरोज कुमार ने कहा कि एक ओर जहां ऑनर गाड़ी की क़िस्त का जुगाड़ करने में परेशान हैं, वहीं पूर्व मंत्री योगेंद्र साव अपने निजी स्वार्थ के लिये रविवार शाम से केडी व सीबी माइंस से

हो रही कोल ट्रांसपोर्टिंग को रोक दिया है, जिससे हम सभी परेशान हैं. पुतला दहन के दौरान राजू साव, अमित सिंह, राजेश साव, जाकिर हुसैन, अरविंद साव, लखन साव, राम किशोर साव, रूपु सिंह, उपेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, संजय यादव, राजू सिंह, किशोर साव, फिरोज मल्लिक, उज्ज्वल कुमार, गंदौरी साव, कुणाल किशोर दुबे, संजय दुबे, शंभू यादव, विकास सिंह, राजू कुमार साव, मुकेश यादव, रामजतन साव, भोला यादव, सुरेंद्र साव, नकुल साव, आशीष साव, अजीत मेहता, प्रेमचंद साव आदि उपस्थित रहे.

पूर्व मंत्री बोले-वाहन मालिकों के नुकसान की भरपाई कराएंगे

इधर, पुतला दहन के बाद तुरत पूर्व मंत्री योगेंद्र साव व उनके पुत्र अंकित राज कृषि फार्म मैदान पहुंच हाईवा मालिकों के साथ बैठक की. उन्होंने कहा कि वाहन मालिकों के नुकसान की भरपाई हम कराएंगे, लेकिन एक बार पुतला दहन के पहले हमारे साथ बैठक तो कर लेते. इस बैठक के बाद पंचायत भवन में सदर एसडीओ अशोक कुमार, एसडीपीओ बड़कागांव पवन कुमार, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की उपस्थिति में सभी ट्रांसपोर्टरों व हाईवा ऑनर एसोसिएशन के सभी वाहन मालिकों के साथ बैठक की गई, जहां पूर्व मंत्री द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि सभी ट्रांसपोर्टरों को अब प्रदूषण के नाम पर प्रति टन बीस रुपये देने होंगे, दूसरे राज्य की गाड़ी नहीं चलेगी. अगली बैठक 15 अक्टूबर तक रखने की बात कही गयी. इसके बाद एसडीओ व एसडीपीओ के साथ पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ट्रांसपोर्टिंग सड़क 2.2 किलोमीटर दिखाने सतिचिरा-मुंडा टोली, जोरदाग गांव तरफ ले गए. उनके साथ पुलिस इंस्पेक्टर बड़कागांव अनिल कुमार, केरेडारी सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल, केरेडारी थाना प्रभारी अजित कुमार भी मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

चौपारण में कांग्रेस को झटका, कई भाजपा में शामिल

चौपारण। विधानसभा चुनाव से पहले प्रखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. मंगलवार को पार्टी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विकास यादव, मुखिया जानकी यादव समेत लगभग

दो सौ से अधिक कांग्रेस समर्थित पंचायत प्रतिनिधि, कांग्रेस संगठन से सीधे जुड़े नेता व कार्यकर्ताकार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली. इससे पहले जीटी रोड पर ढोल नगाड़े के साथ रोड शो किया गया. भाजपा कार्यालय में पूर्व विधायक मनोज यादव, जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, संगठन मंत्री बिजय कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा व राजेंद्र चंद्रवंशी आदि ने पार्टी का पट्टा पहनाकर सभी का स्वागत किया. इसके बाद डोमाडाडी में विकास यादव के आवास के समीप बड़ी सभा का आयोजन हुआ. समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मनोज यादव ने उत्साहित सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव अभियान में जुट जाने का संदेश दिया. भाजपा में शामिल होने वालों में झापा उपमुखिया केशरी नायक, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि रितेश सिंह, पूर्व पंसस उर्मिला देवी, गोपाल विश्वकर्मा, प्रकाश राम, रामदेव सिंह, अशोक सिंह, व्यास यादव, अशोक यादव, सेवानिवृत्त शिक्षक सुखदेव प्रसाद व रघुनंदन बरई, इंदीवर सिंह, सुनील सिंह, संतोष सिंह, प्रभु चनद्रवंशी, राजेश सिंह, अरविंद सिंह, मो रिजवान, बैजू यादव आदि शामिल रहे.

भोज सह वस्त्र का वितरण कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के सौजन्य से फॉरेस्ट कॉलोनी में धर्म योद्धा दुर्गा पूजा महासमिति में षष्ठी के अवसर पर दरिद्र नारायण भोज सह कंबल वस्त्र का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बड़ी संख्या में यहां जरूरतमंद जुटे

दरिद्र नारायण भोज कार्यक्रम में भोजन ग्रहण किया एवं कंबल वस्त्र प्राप्त किया. मौके पर शेफाली गुप्ता के साथ धर्म योद्धा दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष श्याम बिहारी कागड़ा, उपाध्यक्ष राजेंद्र वाल्मीकि, सचिव मनीष कुमार, आशीष सिंह, भरत सिंह, पप्पू साव, बृज बिहारी चरका ऊर्फ राजू, विशाल वाल्मीकि, रोहित पांडे, किशोर वाल्मीकि, प्रीतम राम एवं विकास राम आदि उपस्थित थे.

स्व. रामविलास पासवान की पुण्यतिथि मनाई गई

रामगढ़। लोक जनशक्ति पार्टी एवं दलित सेना के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान की चौथी पुण्यतिथि रामगढ़ जिला अध्यक्ष केवल पासवान के आवास पर मनाई गई. इस मौके पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. मौके

पर ओबीसी मोर्चा के झारखंड प्रदेश प्रधान महासचिव उपेंद्र गुप्ता, रामगढ़ जिला प्रधान महासचिव आशीष गुप्ता, अंकित कुमार, राज कुमार, रिशु कुमार, अभिषेक कुमार, अंशु कुमार, विकास कुमार, गौतम कुमार, उदय कुमार एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

मंईयां सम्मान योजना की तृतीय क़िस्त का भुगतान

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की तृतीय क़िस्त के भुगतान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 133909 लाभार्थियों के बीच कुल 13 करोड़ 39 लाख

9 हजार राशि का हस्तांतरण किया गया. सांकेतिक रूप से 25 लाभुकों के बीच तृतीय किस्त के भुगतान के लिए प्रमाणपत्र का वितरण किया गया. इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित सभी लाभुकों को दुर्गापूजा की बधाई देते हुए कहा कि इस योजना से वंचित महिलाओं को भी बहुत जल्द योजना से जोड़कर उन्हें लाभान्वित किया जाएगा.

रामगढ़ में ट्रक के साथ चालक गिरफ्तार

संवाददाता। रामगढ़

कोयला के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक 12 चक्का ट्रक पकड़ा है. ट्रक में करीब 20 टन अवैध कोयला लोड था. साथ ही रामनारायण यादव नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. एसपी अजय कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई है. एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक पर अवैध कोयला लोड कर कुज्जू माण्डू होते हुए हजारीबाग की ओर जा रही है. जिसके बाद एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया. गठित टीम के द्वारा माण्डू ब्लॉक के नजदीक एनएच-33 पर वाहन चेकिंग लगाया गया.

चेकिंग के दौरान ट्रक का चालक पुलिस बल को देखकर

किसी भी कीमत पर नहीं चलने दिया जाएगा कोयला का अवैध कारोबार: एसपी

एसपी अजय कुमार ने बताया कि जिला में किसी भी कीमत पर कोयले के अवैध कारोबार को नहीं चलने दिया जाएगा. इस कार्य में जो भी लोग शामिल हैं, उनके ऊपर कारवाई की जाएगी.

भगाने का प्रयास करने लगा. जिसके बाद उसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया. पकड़े गये व्यक्ति से कागजात मांगने पर कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया. ट्रक पर लोड कोयला के संबंध में पूछताछ करने पर उसने आगे बताया कि कोयला को बिना किसी कागजात के घाटो के झारखंड कोलियरी के आसपास क्षेत्र से लोड कर बिहार के डेहरी मंडी ले जाया जा रहा है. इस कार्य में अन्य सहयोगियों का भी नाम बताया गया. तत्पश्चात अवैध रुप से कोयला का परिवहन करने के आरोप में पकड़ाये व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया.

नवनियुक्त डीडीसी अमरेंद्र सिन्हा ने पदभार ग्रहण किया

चतरा। डीडीसी पवन कुमार मंडल ने मंगलवार को दोपहर नवनियुक्त डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा को पदभार सौंपा. इस दौरान दोनों अधिकारियों ने एक दूसरे को गुलदस्ता भेंट किया. पदभार सौंपने के बाद निवर्तमान डीडीसी पवन कुमार मंडल ने चतरा के लोगों की तारीफ की और कहा कि यहां के लोग बहुत अच्छे हैं. 25वें डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि मैं वर्तमान विकास कार्यों में तेजी लाऊंगा और अधिकारियों व कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पारदर्शी विकास करने का प्रयास करूंगा. फिलहाल विधानसभा चुनाव को लेकर व्यस्तता रहेगी.

उपायुक्त के जनता दरबार फरियादियों ने लगाई गुहार

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याएं सुनीं. इस दौरान शहरी सहित विभिन्न प्रखंडों से 22 से अधिक आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की. इनमें रास्ता बंद करने, अनुकम्पा पर नौकरी, मकान से निकालने, ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने, म्यूटेशन, अवैध ट्रेंच निर्माण, ऋण स्वीकृत नहीं करने, भूमि पर जबरन चहारदीवारी, भूमि नवीनीकरण, शुल्क निर्धारण, भूमि हड़पने इत्यादि मामले शामिल रहे.

विवेकानंद स्कूल रोड और एंजल्स हाई स्कूल रोड के बीच में बढ़ती

दुर्घटनाओं को देखते हुए पंकज कुमार ने उपायुक्त से स्पीड ब्रेकर बनवाने तथा उचित यातायात व्यवस्था बनाने का निवेदन किया. वहीं दारू के हरिनाथ मिस्री रास्ता बाधित किए जाने से आवागमन में हो रही कठिनाई से उपायुक्त को अवगत कराते हुए इससे राहत की गुहार लगाई. उपायुक्त ने अंचलाधिकारी दारू को जांचोपरांत उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

'गोगो दीदी योजना' नामक भ्रामक विज्ञापन से सावधान रहने की अपील

रामगढ़। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग रामगढ़ ने मंगलवार को जिला वासियों को "गोगो दीदी योजना" भ्रामक विज्ञापन से सावधान रहने हेतु पत्र लिखा जिसमें कहा गया है कि यह सूचना प्राप्त हो रही है कि कुछ लोगों द्वारा "गोगो दीदी योजना" के नाम से 2100 रुपये प्रति महिला को लाभ देने हेतु आवेदन प्रपत्र भरवारा जा रहा है. इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग रामगढ़ अंतर्गत "गोगो दीदी योजना" के नाम से कोई भी योजना संचालित नहीं है और न ही जिला प्रशासन द्वारा कोई आदेश जारी किया गया है. आम लोगों से अनुरोध है कि ऐसे भ्रामक विज्ञापन से सावधान रहें.

परेशानी

सेविका-सहायिकाओं की हड़ताल से सारा कामकाज ठप

आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले, बच्चों को नहीं मिल रहा पोषण

- जब तक न्याय नहीं, तब तक हड़ताल जारी : प्रतिमा सिंह

संवाददाता। चतरा

विकास भवन परिसर के समीप आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ झारखंड सरकार के वादाखिलाफी के विरोध में शनिवार से हड़ताल पर हैं. वे अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन कर रही थीं लेकिन सरकार के उदासीन रवैये से आक्रोशित होकर हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया. आंगनबाड़ी सेविकाओं की हड़ताल पर जाने से आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले लग गए हैं, जिससे बच्चों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल पा रहा है. बता दें कि झारखंड में अभी करीब 38

प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाएं.

हजार सेविका और सहायिका कार्यरत हैं. इन सभी के हड़ताल में चले जाने से ये सारे काम ठप पड़ गए हैं. संघ के चतरा जिला अध्यक्ष प्रतिमा सिंह ने बताया कि हम सभी आंगनवाड़ी कर्मियों के साथ झारखंड सरकार अन्याय कर रही है, और हम इस अन्याय के विरोध में तब तक लड़ेंगे जब तक हमें पूर्ण रूप से न्याय न मिले. हड़ताल में सभी केंद्रों की सेविका सहायिका के साथ चतरा जिला संघ की जिला सचिव कांता कुमारी, प्रखंड अध्यक्ष प्रीति आर्य, प्रखंड अध्यक्ष सिमरिया रश्मि कुमारी, प्रतापपुर प्रखंड अध्यक्ष सोनी कुमारी, टंडवा से रत्ना देवी, इटखोरी से पुष्पा कुमारी, हंटरगंज से मीणा देवी शामिल हैं.

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका की मांगें

मांगों में सेवा शर्त नियमावली की अधिसूचना संख्या -2238 एवं 2239 में आंशिक संसोधन हेतु पूर्व में समर्पित आवेदन पर अविलंब विचार करने, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का मानदेय /वेतनमान सहायक अध्यापक के समान हो एवं वार्षिक वृद्धि की जटिलता दूर हो, मानदेय का भुगतान ससमय हो, सेवानिवृत्ति के बाद सेविका को 10 लाख एवं सहायिका को 5 लाख का सेवनिवृत्ति लाभ भी मिले, कार्यानुभव के आधार पर सेविका सहायिका को महिला पर्यवेक्षिका में प्रोन्नति मिले, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार सभी आंगनबाड़ी कर्मियों को भी महंगाई भत्ता एवं यात्रा भत्ता भुगतान की भी स्वीकृति दी जाये, विपरीत मौसम में विद्यालयों के समान अवकाश की व्यवस्था, विभागीय कार्य संपादन हेतु मोबाइल /टैब की व्यवस्था, आंगनबाड़ी केंद्रों का पोषाहार की राशि बाजार दर पर उपलब्ध कराई जाये.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आस्था में वृद्धि होगी. ससुराल में कोई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. दुर्गा मंदिर में अन्न दान करें.

वृष समय सामान्य है. किसी से विवाद से मानसिक तनाव होगा. कोई विवाद हो सकता है. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन मानसिक उलझन होगा. कोई नया कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध व उत्तेजना पर संयम रखना होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

कर्क धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

सिंह गलत दोस्त से बचें. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या मन मे प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा पर सोच विचार कर ही करें.

तुला अपनो के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकता है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक समय उत्तम है जिससे धनार्जन का योग बन रहा है. पूँजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु समय पर किया गया मेहनत उत्तम फल प्रदान करेगा. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी.

मकर ज्यादा आत्मविश्वास हानि का कारण बन सकता है. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. शनि को बल दे.

कुंभ उतावलेपन में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी, पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है. अन्न दान करें.

मीन सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. आय के लिए समय उत्तम है. कोई बड़ा लाभ से मन प्रसन्न रहेगा.

प्रतीक्षारत 28 डीएसपी को मिली पोस्टिंग

रांची। पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत 28 डीएसपी को पोस्टिंग मिली है. इसके पहले पिछले सप्ताह ही सरकार ने कई डीएसपी का तबादला किया था. जिनमें कई ऐसे डीएसपी थे, जिनके स्थान पर दूसरे डीएसपी की पोस्टिंग हो गई थी, लेकिन उनकी कहीं पोस्टिंग नहीं हुई थी. इस वजह से वे पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत थे.

कौन कहां हुए पदस्थापित

- राहुल देव बड़ाइक एएसपी अभियान गढ़वा
- सुरजीत कुमार एएसपी अभियान गिरिडीह
- रीतिभान सिंह डीएसपी मुख्यालय कोडरमा
- रणवीर सिंह डीएसपी मुख्यालय सिमडेगा
- अखिल नीतीश कुजूर डीएसपी मुख्यालय खूंटी
- राकेश नंदन मिंज डीएसपी एसटीएफ रांची
- सुधीर कुमार डीएसपी एसटीएफ रांची
- अंजनी कुमार तिवारी डीएसपी एसटीएफ रांची
- संतोष कुमार मिश्र डीएसपी स्पेशल ब्रांच
- हिमांशु चंद्र मांझी की डीएसपी स्पेशल ब्रांच.
- वेंकटेश कुमार डीएसपी मुख्यालय देवघर
- नीरज डीसीपी ट्रैफिक जमशेदपुर
- कुलदीप कुमार डीएसपी स्पेशल ब्रांच रांची
- वीरेंद्र कुमार राम डीएसपी स्पेशल ब्रांच
- रोहित कुमार रजवार डीएसपी एटीएस
- अजय कुमार केसरी डीएसपी आईआरबी 3
- अंकिता राय डीएसपी एटीएस
- संदीप कुमार गुप्ता डीएसपी आईआरबी 4
- आनंद ज्योति मिंज डीएसपी एसटीएफ
- भूपेंद्र रावत डीएसपी आईआरबी 2
- दीपक कुमार डीएसपी एसटीएफ
- आशीष कुमार महली डीएसपी एसटीएफ
- मंगल सिंह जमुदा डीएसपी एसीबी
- सुमित सौरभ लकड़ा डीएसपी एसीबी
- राजेश कुमार सिंह डीएसपी रांची रेंज डीआईजी कार्यालय
- संजय कुमार सिंह डीएसपी मुख्यालय जामताड़ा
- विनेश लाल डीएसपी डीआईजी कार्यालय दुमका

नेतरहाट में गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने बोटिंग का आनंद उठाया और नाशपाती बागान का अवलोकन किया

नेतरहाट के छात्रों ने देश में अपना परचम लहराया है : कल्पना सोरेन

संवाददाता। लातेहार

गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति पर आधारित नेतरहाट विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. उन्होंने देश में अपना परचम लहराया है. आज नेतरहाट के छात्र देश के विभिन्न पदों पर योगदान दे रहे हैं. कल्पना सोरेन मंगलवार को नेतरहाट विद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी. मौके पर महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग मंत्री बेबी देवी, कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह और सिसई विधायक झींगा मुंडा व उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता व पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव आदि मौजूद थे.

नेतरहाट के सूर्योदय का आनंद लिया

कल्पना ने छात्रों को विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों से प्रेरणा लेने तथा विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को बनाये रखने की बात कही. उन्होंने छात्रों को पूरी लगन के साथ पढ़ाई कर लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी. इससे पहले उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने मंत्री-विधायक व अन्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया.

इससे पहले मंगलवार को अतिथियों ने नेतरहाट के मशहूर सूर्योदय का अवलोकन किया. लेक व्यू पॉइंट का अवलोकन के क्रम में बोटिंग का आनंद लिया. उन्होंने नाशपाती बागान का भी अवलोकन किया. अतिथियो ने मुक्त कंठ से नेतरहाट की नैसर्गिक खूबसूरती की प्रशंसा की. कहा कि नेतरहाट को प्रकृति ने फुर्सत से सजाया है.

नौकाविहार करतीं कल्पना सोरेन, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह व अन्य.

बिहार, बंगाल, कर्नाटक की तर्ज पर झारखंड वक्फ बोर्ड में हों सुविधाएं

झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड को बहुत आगे लेकर जाएंगे : मौ. तहजीबुल

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड की प्रेस कांफ्रेंस मंगलवार को अंजुमन मुसाफरिखान में हुई. वक्फ बोर्ड के सदस्य मौलाना तहजिबुल हसन रिजवी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज से पहले सुन्नी वक्फ बोर्ड का गठन हुआ था, 5 साल रहा, लेकिन चेयरमैन नहीं बने थे. इस बार जो सुन्नी वक्फ बोर्ड का गठन हुआ है, इसमें चेयरमैन हैं. इस तरह वक्फ बोर्ड के कार्य को आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी. उन्होंने कहा कि बिहार, बंगाल, कर्नाटक में भी वक्फ बोर्ड है. ममता सरकार व बिहार सरकार इमाम व मोज्जिन को तनख्वाह देती है. इमाम को जहां 5000 रुपये, वहीं मोज्जिन को 3000 रुपये मासिक वेतन देते हैं. झारखंड वक्फ बोर्ड में भी इसे उसी तर्ज पर लागू करने की जरूरत है. केंद्र सरकार द्वारा लाये गये वक्फ संशोधन बिल का सभी जगह विरोध हो रहा है. इस लिये इसे केंद्र सरकार को वापस ले लेना चाहिए. वक्फ संपत्तियों से अस्पताल, स्कूल, गरीब जरूरतमंदों की देखरेख की जाती है. इस 5 साल की अवधि में हम झारखंड के वक्फ बोर्ड को आगे से आगे लेकर जाएंगे. कल्याण विभाग से मिलने वाली सुविधाओं के साथ वक्फ बोर्ड को और मजबूत करेंगे.

वक्फ बोर्ड की मजबूत के लिए विभागीय स्तर की बैठक की जरूरत : अधिवक्ता: सदस्य अधिवक्ता एके रशीदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने वक्फ एक्ट में संशोधन कर बिल लाया, जिसका चौतरफा विरोध हो रहा है. इसलिये संशोधन बिल को वापस करने की जरूरत है. झारखंड के वक्फ बोर्ड को और अधिक मजबूत करने के लिए विभागीय स्तर की बैठक की जरूरत है. वक्फ की संपत्ति को बचाना व उसे आगे से आगे बढ़ाना के कार्य किये जायेंगे. इसकी संपत्ति से गरीबों, बच्चियों, मिसकीनों को लाभ पहुंचाया जाएगा.

पत्रकारों से बात करते वक्फ बोर्ड के सदस्य मौलाना तहजिबुल हसन रिजवी व अन्य.

वक्फ संपत्तियों को बचाने व आगे बढ़ाने का होगा कार्य : इबरार

सदस्य इबरार अहमद ने कहा कि वक्फ बोर्ड को आगे से आगे बढ़ाने के लिये कार्य किये जायेंगे. सीओ को आग्रह पत्र देकर वक्फ बोर्ड के कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगी जाएगी. उस कार्यक्रम में चेयरमैन समेत सारे वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी शामिल होंगे. वक्फ की संपत्तियों को बचाने व उसे आगे से आगे बढ़ाने पर सम्मिलित रूप से निर्णय लिये जाएंगे, ताकि वक्फ की संपत्ति से गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप का लाभ गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्कील डेवलपमेंट के कार्य किये जाएंगे. झारखंड के पूरे 24 जिले में लोगों से मिल कर जानकारी ली जाएगी.

द्वितीय छमाही सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना का शुभारंभ

रांची। मंगलवार को नामकुम प्रखंड प्रांगण में द्वितीय छमाही सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना का शुभारंभ खाद्य सार्वजनिक वितरण मंत्री बन्ना गुप्ता ने किया. इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि रांची जिला अंतर्गत 416939 पात्र गृहस्थ परिवार (गुलाबी कार्ड), 101933 अंत्योदय परिवार (गुलाबी कार्ड) व 45623 ग्रीन कार्डधारी हैं, जिसमें नामकुम प्रखंड में 22985 पात्र गृहस्थ परिवार (गुलाबी कार्ड), 3698 अंत्योदय परिवार (पीला कार्ड), 1875 ग्रीन कार्डधारी हैं. सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना के अंतर्गत जन वितरण प्रणाली दुकानदार द्वारा लाभुक से प्रति वस्त्र 10 रुपया प्राप्त किया जाता है. जिसमें जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को देय कमीशन एक रुपये प्रति वस्त्र व वस्त्रों के प्रखंड मुख्यालय से वितरण स्थल तक परिवहन के लिए प्रति वस्त्र 2 रुपये की दर से कुल तीन रुपये प्रति वस्त्र संबंधित जन वितरण प्रणाली दुकानदार अपने पास रखते हैं. शेष राशि 7 रुपये प्रति वस्त्र, वितरण के 15 दिन के अंदर जिला आपूर्ति पदाधिकारी के माध्यम से सरकारी कोष में जमा करना होता है. मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सभी राशन कार्डधारी को धोती-साड़ी-लुंगी से आच्छादित किया जा रहा है, सभी योग्य लाभुकों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है. इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप, पंचायत समिति सदस्य, सुषमा हेंब्रम, सिल्वे की मुखिया नूतन पाहन, माधव कच्छप व अन्य मौजूद थे.

सदभावना समिति ने निगरानी कमेटी के सदस्यों को दिया निगरानी कार्ड

संवाददाता। रांची

बिहार क्लब रांची में सर्वधर्म सदभावना समिति की बैठक मंगलवार को बिहार क्लब में संरक्षक डॉ अजीत सहाय की सरपर्सती में हुई. इसकी अध्यक्षता मो इस्लाम ने किया. मुख्य अतिथि के रूप में लोअर बाजार थाना के थाना प्रभारी दयानंद कुमार शामिल हुए. आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ को आपसी भाईचारा व सौहार्द साथ मनाने पर बल दिया. सभी त्योहारों में विभिन्न समस्याओं के समाधान तथा शरारती तत्वों पर निगरानी रखने के लिए सर्वधर्म सदभावना समिति की ओर से निगरानी कार्ड बनाया गया. जिसे लोअर बाजार थाना प्रभारी ने समिति के पदधारियों एवं सदस्यों को दिया. मौके पर प्रदीप राय बाबू, राजन वर्मा, सागर कुमार, राफे कमाल, ओम सिंह, संजय मिनोचा, परवेज आलम, नौशाद आलम,मो फिरोज, सुहैल खान,आफताब आलम, जसीम हसन, तनवीर आलम,मो. इश्तेयाक, इस्लाम इदरीसी, सोनू, महावीर ओहदार, मो रईस, मो अब्दुल्लाह, जमील गद्दी, परवेज आलम, हाजी बेलाल कुरैशी, असलम अली, मो मेराज, अमरनाथ साहू, मो साबिर,अर्श अली टिंकू, मोजाहद, मकसूद समेत सैंकड़ों सदस्यगण शामिल थे.

पेज एक का शेष...

हरियाणा में भाजपा की...

माना जा रहा है कि नायब सिंह सैनी विजयादशमी के दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. नायब सैनी के नेतृत्व में पार्टी ने लगातार तीसरी बार हरियाणा में चुनाव जीत कर इतिहास रच दिया है. हरियाणा में जीत दर्ज करने के बाद भाजपा में जश्न का माहौल है. पीएम नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार की शाम दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पहुंच कर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी. राजनीति के जानकार हरियाणा में भाजपा की जीत को किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं. उनका कहना है कि भाजपा ने कांग्रेस के जबड़े से हरियाणा की जीत छीनी है. अब तक गुजरात और मध्य प्रदेश को ही भाजपा का गढ़ माना जाता था, लेकिन हरियाणा की जनता ने भी साफ कर दिया कि उसे पीएम मोदी के विजन पर भरोसा है. भाजपा ने हरियाणा के शहरी ही ग्रामीण इलाकों में भी शानदार प्रदर्शन किया है. यही नहीं जाटलैंड में उसकी मौजूदगी दमदार रही है. चुनाव में भाजपा के कई मंत्री चुनाव हार गए हैं, लेकिन फिर भी पार्टी ने कमाल कर दिखाया है. कांग्रेस के लिए यह कुछ ऐसा ही है, जैसे कुश्ती में 'बगलडूब' दांव होता है, जब एक पहलवान सामने वाले पहलवान की बगल और पकड़ से बाहर निकल कर उसे परास्त कर देता है. हरियाणा के चुनावी इतिहास में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी दल ने हैट्रिक लगाई हो. कोई भी दल लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना पाया. इस बार भाजपा ने रिकॉर्ड बना दिया. 2014, 2019 में जीत के बाद 2024 के विधानसभा चुनाव में भी वह सरकार बनाने जा रही है. कांग्रेस के चुनाव हारने के बाद भी पार्टी के नेता कोई सबक नहीं ले रहे हैं. पार्टी की दिग्गज नेता कुमारी सैलजा ने मीडिया से बातचीत में हार का ठीकरा सीधेतौर पर भूपेंद्र हुड्डा के सिर फोड़ दिया है. उन्होंने संकेतों में कहा कि कहां तो वो (हुड्डा) 60 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, यहां पार्टी की दुर्गति हो गई है. दिलचस्प बात यह रही कि कांग्रेस की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने जुलाना सीट से चुनाव जीत लिया है. हार स्वीकार करते हुए भूपेंदर हुड्डा ने कहा, हमने जैसा सोचा था, वैसे नतीजे नहीं आए. उधर, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, हमें चुनाव परिणाम मंजूर नहीं है. ये लोकतंत्र पर तंत्र की जीत है. हम हरियाणा में हारे नहीं हराए गए हैं.

उमर अब्दुल्ला होंगे सीएम...

डोडा सीट आम आदमी पार्टी के खाते में गई है. महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को सिर्फ तीन सीटों पर सफलता मिल पाई है. चुनावों से पहले निर्दलीय उम्मीदवारों को लेकर चल रही बातचीत भी लगभग सही साबित हुई. पांच निर्दलीय उम्मीदवार अपनी सीट जीतने में कामयाब रहे. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र रैना अपनी सीट नौसेरा 7 हजार वोटों से हार गए. पीडीपी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने अपनी हार को स्वीकार करते हुए लिखा कि मैं लोगों के जनादेश को स्वीकार करती हूं. लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के करीबी पीरजादा फिरदौस अहमद को बुरी तरह चुनाव हार गए. पिछले विधानसभा चुनाव से लेकर अभी तक कश्मीर की जनता के लिए काफी कुछ बदल चुका है. 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने 370 हटा कर कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था. परिसीमन के बाद हुए पहले चुनाव में सभी पार्टियों ने अपनी जीत का परचम लहराने के लिए जम कर जोर लगाया था, लेकिन कामयाबी इंडिया गठबंधन को मिली. नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने नतीजे आने के बाद घोषणा की कि उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे. उन्होंने चुनाव में विजयी बनाने के लिए जम्मू कश्मीर की अवाम का शुक्रिया भी अदा किया.

वकील, डीटीओ, सीओ समेत...

संजीव के मुताबिक, सुजीत ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि वह उन्हें और उनके कुछ अधिकारी मित्रों को ईडी के केस से बचा लेंगे. उनका नाम चार्जशीट में नहीं आयेगा. इसके बाद भी जब संजीव पांडेय का नाम ईडी की चार्जशीट में आ गया, तो उसने वकील सुजीत कुमार से अपना पैसा मांगा. इस पर अधिवक्ता ने पैसा नहीं होने के एवज में 54 चेक जारी किये. साथ ही पैसे के बदले अपनी कार भी दे दी और एग्रीमेंट कर लिया. उधर, आरोपी वकील सुजीत कुमार ने भी संजीव पांडेय के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है. अधिवक्ता ने अपने आवेदन में बताया है कि संजीव पांडेय और उसके कुछ साथियों ने उनका अपहरण किया और 12 लाख रुपये वसूलने के बाद उन्हें छोड़ा.

सुजीत का वकलत लाइसेंस संदेहास्पद, ऑनलाइन रिकॉर्ड भी नहीं! : ईडी के नाम पर करोड़ों रुपये की वसूली के मामले में कांके सीओ जय कुमार राम, तत्कालीन नामकुम सीओ प्रभात भूषण, धनबाद के डीटीओ दिवाकर द्विवेदी, वकील सुजीत कुमार व जमीन कारोबारी संजीव पांडेय के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है. वसूली मामले में मुख्य सूत्रधार बताये जा रहे सुजीत कुमार के वकालत लाइसेंस को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, सुजीत कुमार ने पटना हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से वर्ष 2013 में वकालत का लाइसेंस लिया था. इसके बाद वर्ष 2021 में उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन में एनरोलमेंट करा लिया. वकालत के पेशे से जुड़े लोग बताते हैं कि प्रथम दृष्टया सुजीत कुमार का अधिवक्ता पहचान पत्र संदेहास्पद प्रतीत होता है. वहीं, अधिवक्ताओं के ऑनलाइन रिकॉर्ड में भी सुजीत कुमार का नाम उपलब्ध नहीं है.

पूर्व व वर्तमान के विधायक ने विस को खोखला बना दिया है: गिरिनाथ

संवाददाता। गढ़वा

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा के दौरान जिले के मेराल प्रखंड के बाना एवं गढ़वा के ग्राम अंचला में कार्यकर्ता मिलन सह अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया. इस दौरान पूर्व मंत्री ने रंका प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालो में जाकर माता रानी का आशीर्वाद लिया एवं अपने विधानसभा क्षेत्र को इन भ्रष्टाचारियों से मुक्त कराने का संकल्प लिया.

मौके पर पूर्व मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विधानसभा में भ्रष्टाचार चरम पर है. आज कोई भी काम करने के लिए कमीशन देना पड़ता है. चाहे आवास हो, कुआं हो या कोई और भी सरकारी योजना सभी में घूस देना पड़ रहा है. जनता त्रस्त है और विधायक मस्त है. पूर्व के विधायक व वर्तमान के विधायक ने पिछले 15 सालों में विधानसभा को खोखला बना दिया है. उन्होंने कहा कि पूर्व के विधायक ने अपने कार्यकाल में अलकतरा चुराने और झूठा चेक स्लीप बांटने का काम किया. वर्तमान के विधायक तो उनसे भी एक कदम आगे निकले एक ही रोड को बार बार बनवाने का काम कर कमीशन ले रहे हैं और झूठा विकास का झूठा ढ़ीढोरा पीटते घूम रहे है. मौके पर मुख्य रूप से मेराल दक्षिणी अध्यक्ष दुःखन चौधरी, हाजी मयुनुदीन अंसारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव, शाहिद आलम, मौलाना संजर, सलमाउद्दीन अंसारी सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

चुनाव जीतने के बाद जो भी कार्य रह गया है, वह पूरा करेंगे : रामचंद्र चंद्रवंशी

- विधायक ने किया 4 करोड़ 21 लाख की योजनाओं का शिलान्यास

संवाददाता। मझिआंव

नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने मंगलवार को 4 करोड़ 21 लाख रूपये की लागत से डेढ़ दर्जन से अधिक योजनाओं का शिलान्यास नारियल फोड़ कर एवं पूजा अर्चना कर किया. जिसमें नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 के भुसुआ गांव में एक सड़क मरम्मती तथा पुलियां निर्माण व गाइड वॉल, वार्ड नंबर 5 के मस्जिद टोला में दो पीसीसी सड़क निर्माण, वार्ड नंबर 5 के डुमरिया देव स्थल से लेकर गुड्डू कबाड़ी के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण, एवं मेन रोड से अशोक गिरी के घर होते हुए नौशाद आलम को घर तक पीसीसी पथ निर्माण, वार्ड नंबर 7 के डोमन मिस्त्री के घर से होते हुए कामदेव साव के घर तक पीसीसी निर्माण, ब्लॉक के समीप नव निर्मित दुकान (कंपलेश)का शिलान्यास किया गया. वहीं राधा कृष्ण मंदिर के सामने कोयल नदी तट पर छठ घाट निर्माण का शिलान्यास, काली मंदिर कोयल नदी के किनारे शंकर जी के मंदिर के पास सिढ़ी निर्माण सहित 20 योजनाओं का शिलान्यास किया गया. जिसका टोटल लागत लगभग 4 करोड़ 21 लाख 49 हजार 300 सौ रुपए के लागत से सभी योजनाओं को बनवाया जाएगा. मौके पर राधा कृष्ण मंदिर के महंत केशव नारायण दास, कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार, निवर्तमान नपं अध्यक्ष सुमित्रा देवी, विधायक प्रतिनिधि संजय कमलापुरी, नगर मंडल अध्यक्ष पवन कुमार, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दीपक चौहान, सांसद प्रतिनिधि शोभा जायसवाल, युवा समाजसेवी मारुति नंदन सोनी, भाजपा नेता वीरेंद्र नाथ दुबे, अर्जुन दास, विश्वनाथ पासवान, लक्ष्मण सिंह, धनंजय धनंजय सिंह, शाहिद खां, अरसू खां, नपं के निवर्तमान वार्ड पार्षद पार्वती कुंवर, अनीता देवी, दीपक राज सहित नगर पंचायत के कर्मचारी पदाधिकारी एवं संवेदक सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

विधानसभा चुनाव सबसे अधिक 4 बार उपेंद्रनाथ दास ने जीत हासिल की

बीजेपी का गढ़ सिमरिया में झामुमो की चुनौती

समीर चक्रवर्ती। रांची

- सिमरिया सीट पर बीजेपी को 4 बार मिली सफलता
- किशुन दास ने बीजेपी का 12 वर्षों का वनवास तोड़ा
- जेएमएम उम्मीदवार के रूप में मनोज चंद्रा होंगे मैदान में

चतरा जिले के सिमरिया विधानसभा सीट को आरएसएस-बीजेपी का गढ़ माना जाता है, लेकिन अब यहां झामुमो ने बीजेपी को घेरने की पुख्ता रणनीति तैयार की है. वर्ष 2019 के चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार किशुन दास को आजसू पार्टी के मनोज चंद्रा ने कड़ी टक्कर दी थी, परंतु इस बार मनोज चंद्रा के सहारे जेएमएम ने बीजेपी के किला को ध्वस्त करने की रणनीति बनाई है. वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और आजसू पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो पाया था. लेकिन इस बार के चुनाव में तालमेल लगभग तय है. ऐसे में सिटिंग सीट होने के कारण बीजेपी का सिमरिया सीट पर दावा मजबूत है, हालांकि दूसरे स्थान पर रहने के कारण आजसू पार्टी सिमरिया की जगह किसी अन्य सीट देने का दबाव बीजेपी पर बना रही है. इसके बावजूद किशुन दास की बड़ी चिंता खत्म हो गई है. आजसू पार्टी उम्मीदवार के खड़े होने से वोटों का बिखराव नहीं होगा, जिससे बीजेपी को फायदा मिलने की उम्मीद है.दूसरी तरफ वर्ष 2023 में ही मनोज चंद्रा आजसू पार्टी छोड़ कर सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में जेएमएम में शामिल हो गए. जेएमएम में शामिल होने के बाद वो लगातार क्षेत्र में सक्रिय है. वहीं सिमरिया विधानसभा सीट कांग्रेस और आरजेडी की कोई खास मजबूत दावेदारी नहीं है, ऐसे में यह माना जा रहा है कि मनोज चंद्रा जेएमएम टिकट पर सिमरिया विधानसभा सीट से इंडिया अलायंस के उम्मीदवार के यप में चुनाव मैदान में होंगे.2019 के विधानसभा चुनाव में किशुन दास ने भाजपा का 12 वर्षों का वनवास तोडत्रा. इससे पहले सिमरिया सीट पर बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक के उम्मीदवार ने 2009 और 2014 में जीत हासिल की.

2009 में झाविमो के जयप्रकाश भोक्ता ने जीत हासिल की, जबकि 2014 में गणेश गंझू को सफलता मिली.सिमरिया विधानसभा सीट से सबसे अधिक 4 बार उपेंद्रनाथ दास को सफलता मिली. उपेंद्रनाथ दास ने 1977, 1990, 1995 और 2005 में जीत हासिल की. विधायक रहने के दौरान 2007 में उनका निधन हो गया. उपेंद्रनाथ ने पहली बार जनता पार्टी के टिकट पर जीत हासिल की थी और बाद में तीन बार बीजेपी टिकट पर जीत हासिल की. पार्टी में उनकी पहचान प्रखर वक्ता के रूप में थी.सिमरिया विधानसभा सीट 1977 में अस्तित्व में आया. जिसके बाद इस सीट पर एक बार जनसंघ और चार बार बीजेपी को सफलता मिली. कांग्रेस और झारखंड विकास मोर्चा उम्मीदवार की दो-दो बार जीत हुई, वहीं आरजेडी और भाकपा उम्मीदवार को भी एक-एक बार चतरा सीट पर सफलता मिली.2019 के विधानसभा चुनाव में किशुन दास ने भाजपा का 12 वर्षों का वनवास तोड़ा. इससे पहले सिमरिया सीट पर बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक के उम्मीदवार ने 2009 और 2014 में जीत हासिल की. 2009 में झाविमो के जयप्रकाश भोक्ता ने जीत हासिल की, जबकि 2014 में गणेश गंझू को सफलता मिली.सिमरिया विधानसभा सीट से सबसे अधिक 4 बार उपेंद्रनाथ दास को सफलता मिली. उपेंद्रनाथ दास ने 1977, 1990, 1995 और 2005 में जीत हासिल की. विधायक रहने के दौरान 2007 में उनका निधन हो गया. उपेंद्रनाथ ने पहली बार जनता पार्टी के टिकट पर जीत हासिल की थी और बाद में तीन बार बीजेपी टिकट पर जीत हासिल की. पार्टी में उनकी पहचान प्रखर वक्ता के रूप में थी.सिमरिया विधानसभा सीट 1977 में अस्तित्व में आया. जिसके बाद इस सीट पर एक बार जनसंघ और चार बार बीजेपी को सफलता मिली.

जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत 30 उग्रवादियों पर मामला दर्ज

लातेहार। सोमवार को पुलिस और जेजेएमपी के उग्रवादियों के बीच सदर थाना क्षेत्र के ओरैया-बोकाखाड़ जंगल में मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ मे झारखंड जगुआर के एक एएसआई व एक जवान के पैरों में गोली लगी थी. हालांकि दोनो सुरक्षित हैं. पुलिस ने इस मुठभेड़ मे जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा व जोनल कमांडर लवलेश गंझू समेत 30 से अधिक उग्रवादियों के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज किया है. पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने मामला दर्ज कराया है. इनमें 12 नामजद व 20 अज्ञात उग्रवादी शामिल हैं. बता दें कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली इनपुट पर सोमवार की सुबह तकरीबन छह बजे सदर थाना क्षेत्र के ओरैया- बोकाखाड़ पुलिस सर्च आपरेशन में चला रही थी. इसी दौरान जेजेएमपी के उग्रवादियों के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई थी.

जनादेश के मायने

इतना तो तय है कि देश की जनता शासन की प्रवृत्ति और प्रक्रिया में बदलाव चाहती है, ताकि उसकी आर्थिक और सामाजिक जरूरतें उम्मीदों पर खरा उतरे. विभिन्न जनादेशों में देश के मतदाता इन्हीं बातों पर फोकस करते रहते हैं. भारतीय समाज किसी भी तरह के अतिवाद को स्वीकार नहीं करता है. इस तथ्य को जितना जल्दी सभी समझ लेगें, देश की प्रगति की राह उतनी ही आसान और प्रशस्त होगी. दुनिया में वही देश और समाज आगे बढ़ता है, जो सामाजिक धरातल पर सद्भाव और सम्मान को महत्व देता है. लोकतंत्र नागरिकों के सम्मान की बुनियाद पर खड़ा है. इसीलिए जनोदश का सम्मान भी जरूरी है. भारतीय राजनीति और समाज में अनेक तरह के अलोड़न हैं. यह आलोड़न विभिन्न राजनीतिक प्रतिवादों में प्रकट होता रहता है. चुनाव की प्रक्रिया भी एक माध्यम है. दो राज्यों के जनादेश इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भारत का मतदाता बेहद समझदार है और वह अपनी समझदारी के अनुसार ही निर्णय लेता है. स्वतंत्र ,निष्पक्ष और पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रिया भारतीय जन की आकंक्षा है. इस तथ्य को समझना और इसके अनुरूप राजनीतिक प्रवृत्तियों को केंद्रित करने की जरूरत बनी हुई है. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और चुनावी जनादेश इसकी बार बार पुष्टि करते हैं. भारतीय समाज में तेजी से बदलाव आया है. इस बदलाव का असर चुनावी जनादेश पर देखा जा सकता है. राजनीतिक दलों को इन बदलावों को समझने की जरूरत हैं. हरियाणा और जम्मू और कश्मीर के संदेश इन्हीं ओर इशारा कर रहे हैं. हिंदी भाषी राज्यों की राजनीति में जिस तरह की प्रवृतियां क्रियाशील हैं, उससे सामाजिक सद्भाव में दरार साफ देखा जा सकता है. मतदाताओं के समक्ष आर्थिक नीतियों में विकल्प के चयन की सीमा हो तो वह ज्यादा जोखिम लेना पसंद नहीं करता है. लोकतंत्र को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए इस तथ्य को भी रेखांकित करने की जरूरत है कि देश में समाजिक और आर्थिक न्याय पारदर्शी दिखे. ग्रामीण और शहरी भारत में जिस तरह के बदलाव आए हैं, उसका असर कुछ अपवादों को छोड़ कर मतदान पर भी देखा जा सकता है. कई बार प्रतिरोध आंदोलन चुनावों में बदलाव की भूमिका निभाते हैं और कई बार इन्हीं आंदोलनों को आघात का भी सामना करना पड़ता है. इसका मतलब यह है कि चुनावी जीत हार से परे कुछ ऐसे सवाल हैं जो देश के नागरिकों को मथते है. सत्तारूढ़ दलों का कर्तव्य है कि वह इन सवालों को हल करने की दिशा में ठोस कदम उठाए. दुनिया के सभ्य समाजों व जागरूक लोकतंत्रों में मदाताओं के आदेश को स्वीकार करने की समृद्ध परंपराएं विद्यमान हैं. इसी से किसी देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं, सामाजिक विकास और उन्नति का मूल्यांकन किया जाता है.

> हिंदी भाषी राज्यों की राजनीति में जिस तरह की प्रवृतियां क्रियाशील हैं, उससे सामाजिक सद्भाव में दरार साफ देखा जा सकता है. मतदाताओं के समक्ष आर्थिक नीतियों में विकल्प के चयन की सीमा हो तो वह ज्यादा जोखिम लेना पसंद नहीं करता है.

सुभाषित

या मुक्तिहेतुरविचिन्त्यमहाव्रता त्व- मभ्यस्यसे सुनियतेन्द्रियतत्त्वसारैः।
मोक्षार्थिभिर्मुनिभिरस्तसमस्तदोषै-
र्विद्यासि सा भगवती परमा हि देवि॥९॥

देवि ! जो मोक्षकी प्राप्तिका साधन है, अचिन्त्य महाव्रत स्वरूपा है, समस्त दोषों से रहित, जितेन्द्रिय, तत्त्व को ही सार वस्तु माननेवाले तथा मोक्ष की अभिलाषा रखनेवाले मुनिजन जिसका अभ्यास करते हैं.

वादों को धरातल पर उतारना जरूरी

लोकपाल की नियुक्ति को भी मुद्दे के रूप में स्थापित किया गया. 2014 के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में आतंकवाद और सीमा पार से संघर्षविराम उल्लंघन के मामलों को प्रमुखता से उठाया था और यहां तक कि हर शहीद जवान के बदले दस सिर काटकर लाने जैसे चुनावी नारे दिए, लेकिन आज भी कश्मीर के हालात जस-के-तस हैं.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

कोई भी पौराणिक, ऐतिहासिक या आध्यात्मिक युग रहा हो, सत्ता के उच्च पद पर जो भी आसीन रहा है, उनके प्रति कुछ समय बाद समाज में निराशा का भाव स्वाभाविक तौर पर उठने लगता है. भगवान रामचन्द्र का भी राज्य कहां स्थिर रहा? भगवान श्रीकृष्ण ने सोने की द्वारिका नगरी शांति के लिए स्थापित की थी, लेकिन अंततः कुलक्षय का कारण वही बनी? यादवों को मदोन्मत देख रहे थे श्रीकृष्ण, पर उन्हें संभाल नहीं सके. मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र अयोध्यावासियों को सीता के पतिव्रता होने का विश्वास नहीं दिला पाए, कैसी विचित्रता है यह? अर्जुन और कर्ण का क्या नाता है, यह जानते थे श्रीकृष्ण, फिर भी उन दोनों के बीच खड़े होकर साक्षात परब्रह्म श्रीकृष्ण भी उस विनाश को रोक सके? क्यों हुआ ऐसा? क्या इसलिए, क्योंकि दुष्टों के दमन हेतु और धर्म की स्थापना के लिए पुनः पुनः अवतार लेना पड़े? इससे क्या यह सिद्ध नहीं होता है कि अवतार का कार्य भी अपूर्ण रहता है? अब आज के समय की बात करें, तो वर्ष 2014 में जब यह नारा लगता था और अखबार के प्रथम पृष्ठ पर मोटे-मोटे हरफों में लिखा होता था 'हर-हर मोदी, घर-घर मोदी, अबकी बार मोदी सरकार.' विकास पुरुष के रूप में स्थापित उस चेहरे को आज क्या हो गया, यही तो समाज के निराशा का द्योतक है.

वर्ष 2013 में भारतीय जनता पार्टी के गोवा में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री के रूप में गुजरात के मुख्यमंत्री और अपने राज्य के विकास के लिए चर्चित नरेंद्र मोदी के नाम पर स्वीकृति दी गई थी. फिर गुजरात के विकास मॉडल को एक स्वप्न के रूप में प्रकाशित और प्रसारित किया गया. तरह तरह से योजनाबद्ध तरीके से जनता जिस महंगाई से जूझ रही थी, उसे प्रधानमंत्री उम्मीदवार ने बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया और कहा कि उनकी सरकार यदि सत्ता में आती है, तो 100 दिन के भीतर महंगाई पर अंकुश लगा देगी. उस समय डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी की कीमत 65.56 रुपये हो गई थी. वहीं, बेरोजगारी से युवाओं का बुरा हाल को जमकर प्रचारित किया गया और सियासी जंग छेड़ दी गई. लोकपाल की नियुक्ति को भी मुद्दे के रूप में स्थापित किया गया. 2014 के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में आतंकवाद और सीमा पार से संघर्षविराम उल्लंघन के मामलों को प्रमुखता से उठाया था और यहां तक कि हर शहीद जवान के बदले दस सिर काटकर लाने जैसे चुनावी नारे दिए, लेकिन आज भी कश्मीर के हालात जस-के-तस हैं. जनता से उन्होंने वादा किया था के विदेश में छुपाकर रखे गए कालाधन को लाकर देश की जनता के बीच बांटा जाएगा, लेकिन क्या वह कालाधन वापस आ गया? फिर 8 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री ने एक हजार और 500 रुपये के नोटों को अचानक चलन से बाहर कर दिया.

अब 2019 के लोकसभा चुनाव के मुद्दों पर नजर डालें, तो सत्तारूढ़ भाजपा ने राष्ट्रवाद को पहला चुनावी मुद्दा बनाया. पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद भाजपा ने इस मुद्दे को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया. राफेल को लेकर कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक रही, 'चौकीदार चोर है' के नारे के जरिये राफेल को उस वक्त का सबसे अहम मुद्दा बना दिया गया. पाकिस्तान में भारतीय वायुसेना जैश-ए- मोहम्मद के आतंकी ठिकाने को तबाह करने के बाद उन दिनों पाकिस्तान भी चुनावी मुद्दा बन गया था. भारतीय राजनीति में किसान वैसे तो हमेशा राजनीतिक मुद्दा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में छोटे किसानों के खाते में हर साल छह हजार रुपया डालने के एलान से इसे प्रमुख चुनावी मुद्दा बना दिया गया. राम मंदिर वैसे तो बहुत लम्बे समय से ही चुनावी मुद्दा बना हुआ था, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए भी भाजपा का चुनावी मुद्दा बना रहा. भाजपा इस मामले को लेकर कांग्रेस को घेरती रही, वहीं कांग्रेस भाजपा पर राम मंदिर मुद्दे का चुनावी लाभ लेने का आरोप लगाती रही.

अब लोकसभा 2024 के चुनाव को आंशिक रूप से समझ लेने का प्रयास करते हैं. यह चुनाव तो लोकतंत्र की सारी गरिमा को ही तार-तार कर दिया. सत्तारूढ़ भाजपा ने नारा दिया कि इस बार भी उसकी सरकार बनेगी और भारी बहुमत की सरकार बनेगी. नारा था 'अबकी बार 400 पार.' कांग्रेस पर आक्रामक होते हुए कहा गया कि यदि उनकी सरकार नहीं बनी, तो देश का सारा धन मुसलमानों में बांट दिया जाएगा, मंगलसूत्र छीन लिए जाएंगे. 400 सांसदों को संसद में पहुंचाने का उद्देश्य यह बताया गया कि वर्तमान संविधान को बदलने के लिए इस संख्या की जरूरत पड़ेगी. लेकिन यह क्या, भाजपा संसद में बहुमत का भी आंकड़ा पार नहीं कर सकी और बैसाखियों के सहारे उसे सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा. एक मुद्दा और गरमाया चुनावी चंदा बाउन्ड. प्रश्न यह उठता है कि यदि अच्छी सरकार चल रही थी, अगर देश इस गति से प्रगति कर रहा था, अगर हमारी अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से मजबूत हो रही थी, विश्व में हमारा मान-सम्मान इतनी तेजी से बढ़ रहा था और हम 'विश्वगुरु' तक बनने की दहलीज पर थे, तो फिर अब सरकार बनाने के लिए बैसाखियों का सहारा लेना पड़ा और एक कमजोर सरकार बनाने की स्थिति क्यों आई? जो जिस प्रकार इस स्थिति को देख रहे हैं, उनका तर्क तो उसी तरह का होगा, लेकिन यदि 2014 से आज की स्थिति की तुलना करें, तो यह निर्विवाद रूप से कहा जाएगा कि वादे तो बड़े लुभावने किए गए, मुद्दे बहुत ठीक और ज्वलंत उठाए गए, लेकिन शतप्रतिशत तो नहीं, कितने प्रतिशत पूरे किए जा सके? अब विपक्ष मजबूत है और सत्तारूढ़ के हर झूठ को न केवल बेनकाब करने, बल्कि जवाब देने की स्थिति में भी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

नवरात्र में स्वयं की अंतर्यात्रा

आत्मचेतना जब शरीर में पूरी तरह प्रवाहित होने लग जाती है. मनुष्य जब अपने अस्तित्वबोध में पूरी तरह बहने लग जाता है, तो जगत और जीवन से एक अंतःशक्ति प्रकट होती है. अस्तित्व में बहती शक्ति हमारे संकल्प, साधना और सिद्धि के लिए नव दिन और रात तक अंतस की खोज में निकलती है, बुद्धि को सहारा देती है और जीवन को जागृत करती है. जागरण के इस अवधि का नाम नवरात्रि है. नवरात्रि के माध्यम से व्यक्ति अंतर्यात्रा पर निकल जाता है. जहां पर वह अपने को अंतर के अनंत आकाश से खुद को जोड़ता है, और अपनी विशालता की अनुभूति करता है. पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में हरेक साल चार ऋतु संधियां में यह अवसर हमारे पास आता है. पृथ्वी पर चैत, आश्विन के अलावा आसाढ़ और पौष में सूर्य की गति के कारण संक्रमण की स्थिति होती है. ऋतु के इस संधि काल में कॉस्मिक एनर्जी यानी ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रवाह जगत और जीव पर असरकारी होता है. अतएव इस काल में शरीर को शुद्ध रखने के तथा अपनी आंतरिक शक्ति के संचयन और जागरण की प्रक्रिया का नाम नवरात्र है. सामान्यतः हम अपने शरीर को रोजाना के स्तर पर साफ रखते हैं, लेकिन चैत और आश्विन के ऋतु संक्रमण काल में अपने तन और मन को विशेष रूप से निर्मल बनाने लिए सात्विक और शुभता का पालन किया जाता है. इससे विचारों में रचनात्मकता, कर्म में उत्साह और जीवन में सचरित्र का विकास होता है. मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है. उसका अंग है. प्रकृति के निकट ही जीवन का जो सर्वश्रेष्ठ है, वह हमारे अंदर आता है. प्रकृति को जानना है, देखना है तो पेड़-पौधों के पास जाते हैं, चांद को देखते हैं, मिट्टी को महसूस करते हैं, अस्तित्व की ऊर्जा के साथा एकाकार होते हैं और प्राणशक्ति से खुद को जोड़ते हैं. यह प्राणशक्ति यानी बीज हमारे शरीर में ओजस के रूप में रहता है. यह बीज रूपी ओज नौ दिनों की तपस्या के अभ्यास से तप में बदल जाता है. तप ही मन की वह अग्नि है, जिसे व्यक्ति खुद ही सिद्धि को प्राप्त करते हैं. अहंकार सदैव निरंतर बाहरी जगत से अपने लिए पुष्टि चाहता है, लेकिन नवरात्र की साधना में आत्मा अपने सच्चे अस्तित्व की तलाश करते हैं. शिव और शक्ति के जीवन की कथा है. एक दिन शक्ति ने शिव से पूछा कि रावण और कुबेर दोनों ही आपके भक्त हैं परंतु दोनों में से आप किसे वरीयता प्रदान करेंगे ? शिव कहते है कि दोनों में से कोई भी एक-दूसरे से अलग नहीं है.

बांग्लादेशः नई कहानी, लेकिन चिंताएं पुरानी

• देशांतर

अरूप ज्योति दास

भारत के उत्तर-पूर्व की सीमा से सटा पड़ोसी देश बांग्लादेश, देश में हाल ही में हुए राजनीतिक घटनाक्रम ने उत्तर-पूर्व भारत, खासकर असम में भी चिंताएं बढ़ा दी हैं. पूर्वोत्तर भारत, बांग्लादेश के साथ अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा का लगभग दो हजार किलोमीटर हिस्सा साझा करता है, जिसका एक बड़ा हिस्सा छिद्रपूर्ण है.

आधुनिक बांग्लादेश (पहले पूर्वी पाकिस्तान) न केवल ऐतिहासिक बंगाल के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को मिलाकर बना था - दो राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर - बल्कि यह कोच, गारो, चकमा आदि जैसे स्वदेशी समुदायों की कई ऐतिहासिक जातीय बस्तियों या मातृभूमि को विभाजित या शामिल करके भी बना था.

बांग्लादेश में कई जातीय समूहों को 'ट्रांस-नेशनल' समुदाय कहा जाता है, जो बांग्लादेश और भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से दोनों में स्वदेशी समुदायों के रूप में रहते हैं. ये समुदाय हिंदुओं के साथ बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय बनाते हैं. दुर्भाग्य से, इन समुदायों ने बांग्लादेश की स्थापना के बाद से ही खुद को सुरक्षित महसूस नहीं किया है.

हाल के राजनीतिक घटनाक्रम ने भी बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों को परेशान करने के नए रास्ते खोल दिए हैं. बांग्लादेश में जब भी कोई राजनीतिक घटना घटती है, तो कट्टरपंथी समूहों द्वारा सबसे अधिक निशाना अल्पसंख्यक ही बनाए जाते हैं, जो देश के बहुसंख्यक हैं, साथ ही बांग्लादेश की सामाजिक-राजनीति और जनसांख्यिकी पर भी इनका ही दबदबा है. कई वर्षों के अंतराल के बाद, छात्र आंदोलन के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पतन के बाद फैली अराजकता का लाभ उठाते हुए कट्टरपंथी समूहों ने अल्पसंख्यकों पर भारी हमला किया है. दुर्भाग्य से, छात्र आंदोलन की जीत के जश्न को चिह्नित करने के लिए अल्पसंख्यकों को हिंसक यातनाएं दी गईं- जिसमें हत्या, घरों को जलाना, भूमि पर कब्जा करना और यहाँ तक कि महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार भी शामिल हैं.

भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास में अल्पसंख्यकों को दबाने की बहुसंख्यक समूहों में लगातार प्रवृत्ति रही है, खासकर लोकतंत्र के नाम पर और संवैधानिक और प्रशासनिक खामियों का फायदा उठाते हुए. पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में भी अल्पसंख्यक जनजातियां कहलाने वाली जनजातियों को राज्य की बहुसंख्यक जनजातियों जैसे खासी, जैंतिया और गारो की तरह समान अधिकार प्राप्त नहीं हैं. इस मामले में बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) कोई अपवाद नहीं है. इसलिए, हम मुसलमानों द्वारा हिंदुओं पर अत्याचारों के बारे में बात करते हुए भी अपनी उदार पहचान और विचारधारा को बनाए रख सकते हैं.

> नए बांग्लादेश के साथ एक नई कहानी उभरी है. इस नई कहानी में, प्रगतिशील दिखने वाले बांग्लादेश की छवि पेश करने के लिए कई आवाजों को चुप कराना होगा. इसलिए, नए बांग्लादेश की नई पीढ़ी इस बार छात्र आंदोलन की प्रेरक कहानियों को दर्शाने वाले भित्तिचित्रों के साथ स्वतंत्रता का जश्न मना रही है.

नए बांग्लादेश के साथ एक नई कहानी उभरी है. इस नई कहानी में, प्रगतिशील दिखने वाले बांग्लादेश की छवि पेश करने के लिए कई आवाजों को चुप कराना होगा. इसलिए, नए बांग्लादेश की नई पीढ़ी इस बार छात्र आंदोलन की प्रेरक कहानियों को दर्शाने वाले भित्तिचित्रों के साथ स्वतंत्रता का जश्न मना रही है. बांग्लादेश के प्रमुख शहरों को रंगीन भित्तिचित्रों से चमकाया गया है. इसी भावना में, चकमा कलाकारों ने मानवाधिकार कार्यकर्ता कल्पना चकमा की तस्वीरें भी बनाई हैं, जो 1996 में गायब हो गई थीं. लेकिन दीवारों पर लगी इन तस्वीरों को मुख्यधारा के कलाकारों ने बार-बार हटा दिया है और इसे पुराने बांग्लादेश के रूप में दर्शाया है. नया बांग्लादेश कल्पना चकमा के बारे में बात नहीं करना चाहता. दूसरे शब्दों में, अल्पसंख्यकों के साथ जो कुछ भी हुआ है और हो रहा है, उसे कला के रूप में नहीं दर्शाया जाना चाहिए.

यहां तक कि बांग्लादेशी सेना आदिवासी कलाकारों को उनके अधिकारों के बारे में भित्तिचित्र बनाने से रोकने के लिए शारीरिक बल का उपयोग कर रही है. क्योंकि जब आप कल्पना चकमा के बारे में पूछेंगे, तो बांग्लादेश में पहाड़ियां उठ जाएंगी (जेगे उठाबे पहाड़), जैसा कि बांग्लादेशी संगीतकार शायन (फरजाना वाहिद) ने कहा है.

एक साक्षात्कार के दौरान, मुहम्मद यूनुस ने चेतावनी दी, ''अगर बांग्लादेश अस्थिर हो गया, तो म्यांमार के साथ-साथ भारत का उत्तर-पूर्व और पश्चिम बंगाल राज्य भी प्रभावित होगा.'' **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

भारतीय सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा हैं नदियां

• नदी

अनिल प्रकाश

नदियां सिर्फ नदियां नहीं हैं, ये हमारी सांस्कृ तिक जीवन भी हैं. नदियों का निर्मल जल दोनों किनारों और दियारे की हरी-भरी उर्वर भूमि, फैली रेत, असंख्यह जीव-जन्तुल,, तरह-तरह के पेड़ पौधे और वनस्पयतियां और करोड़ों- करोड़ लोग, हंसते, गाते और कभी दुख में आंसू बहाते, सब मिलकर बनता है नदियों का संसार. मनुष्यर ने इन नदियों से बहुत कुछ पायाहै. ये हमारी पालनहार हैं. ठीक वैसे ही जैसे माताएं अपने बच्चोंर की गंदगी साफ करती हैं और उन्हेंह अपने स्तहनों का दूध पिलाती हैं. मनुष्य ने इन्हेंए बांधने की कोशिश की. इन्हें गटर समझकर जहरीले कचरे गिराये जाने लगे, प्रगति के नाम पर बड़े-बड़े बांध और बराज बनाने लगे, उनके दोनों किनारों को तटबंधों से जकड़ने की कोशिश की गई. लेकिन नदियां इस बंदिशों और जकड़नों को तोड़ देना चाहती हैं. मानों मनुष्यक को यह संदेश देना चाहती हैं कि वे भी गुलामी के बंधनों को तोड़कर स्वंतंत्र और स्वाधभाविक जीवन की ओर अग्रसर हों. नदियोंकी अपनी-अपनी प्रकृति होती है, उसी प्रकृति के अनुकूल वे स्ववयं अनुशासित भी होती हैं. लेकिन जब उनमें कचरे का अंबार डाला जाने लगता है या उन्हें बंदिशों में जकड़ने की कोशिश होती है, तो नदियां भी अपना संयम और अनुशासन छोड़कर विनाशकारी रूप लेने लगती हैं.

प्रकृति के रहस्यों, उसके नियमों और अवस्थाशओं, उसमें होने वाले परिवर्तनों के बारे में जैसे जैसे जानकारियां मिलती गईं, वैसे वैसे मनुष्यम ने आपदाओं से सुरक्षा के रास्तें खोजे. इस संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण है – प्रकृति के साथ सामंजस्ये करके चलना. देखा गया है कि मनुष्य ने जब-जब प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की, प्रकृति ने पलटकर वार किया है, और विनाश लीला मचाई है. विश्वि इतिहास में ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं. हड़प्पार और मोहन जोदड़ो की उन्न त सभ्यमता का नाश भी वनोंकी अत्यइधिक कटाई और प्रकृति के साथ अत्यलधिक छेड़-छाड़ का परिणाम था, ऐसा अनेक लोगों का मत है. जिन्हेंर हम प्राकृतिक आपदाएं कहते हैं उनमें से ज्यिादातर मानवकृत आपदाएं होती हैं. विज्ञान और टेक्नोलॉजी का विकास जिस कदर हो रहा है उसका उपयोग करके यह संभव हो सकता है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्यृ करके चलें. लेकिन ऐसा न करके प्रकृति के अनियंत्रित दोहन की कोशिश की जा रही है. इससे ऐसी ऐसी समस्या एं पैदा हो रही हैं जो मानव जाति एवं पूरे जीव जगत के लिए कष्ट और तबाही का कारण बनती जा रही हैं. तमाम चीजोंको समग्रता में देखने के बजाय एकांगी दृष्टिहकोण अपनाने और समस्यासओं का समाधान टुकड़े-टुकड़े में खोजने की कोशिश ने भारी प्राकृतिक असंतुलन पैदा करना शुरू कर दिया है. इसका दुष्प्र भाव नदियों और इनके उद्गम स्थभलों पर साफ-साफ दिखाई पड़ने लगा है.

> आज हिमालय के गोमुख से लेकर गंगा सागर तक ही नहीं, बल्कि बांग्लाकदेश तक का गंगा बेसिन का पूरा इलाका संकट ग्रस्ते है. बांग्लीदेश में गंगा को पद्मा बोलते हैं. ढाका के पास इसमें ब्रह्मपुत्र नदी की धारा मिल जाती है. यह संयुत धारा जब थोड़ी दूर नीचे आती है तो उसमें मेघना नदी की एक छोटी धारा मिल जाती है.

आज हिमालय के गोमुख से लेकर गंगा सागर तक ही नहीं, बल्कि बांग्लाकदेश तक का गंगा बेसिन का पूरा इलाका संकट ग्रस्ते है. बांग्लीदेश में गंगा को पद्मा बोलते हैं. ढाका के पास इसमें ब्रह्मपुत्र नदी की धारा मिल जाती है. यह संयुत धारा जब थोड़ी दूर नीचे आती है तो उसमें मेघना नदी की एक छोटी धारा मिल जाती है. आगे बढ़ती हुई यह धारा समुद्र में मिल जाती है. ब्रह्मपुत्र भी एक विशाल नदी है, जो मानसरोवर (वर्तमान में चीनी क्षेत्र) से निकलती है और असम में अति वेग से गुजरती हुई लगभग 16,000 किलोमीटर की यात्रा करके बांग्लीदेश में गंगा (पद्मा) से मिलती है. दरअसल फरक्काा के पास गंगा की एक धारा दुगली की ओर चली गई है. दूसरी मुख्यत धारा पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सोसे गुजरती हुई बांग्ला देशमें प्रवेश करती है. गोमुख के उद्गम स्थल से लेकर गंगा सागर तक की लंबाई लगभग 2500 किलोमीटर है. इसकी धारा जगह-जगह परिवर्तित भी होती रहती है. लेकिन गंगा बेसिन का क्षेत्र इतना ही नहीं है. उत्तइराखंड से निकलकर उत्त्र प्रदेश,बिहार, झारखंड होती हुई गंगा की मुख्यष धारा पश्िचम बंगा में प्रवेश करती है. परन्तुभ अनेक राज्यों की नदियां तथा नेपाल की अनेकानेक नदियां और सैंकड़ों धाराएं गंगा और उसकी सहायक नदियों को सिक्त करती हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

चिकित्सा का नोबेल एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को

इस साल का शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी) या चिकित्सा (मेडिसिन) का नोबेल पुरस्कार विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को दिया गया है. यह पुरस्कार माइक्रोआरएनए की खोज, यूकेरियोट्स में जीन अभिव्यक्ति के छोटे आरएनए नियामकों और प्रतिलेखन (ट्रांसक्रिप्शन) के बाद जीन विनियमन - एक जीन के डीएनए अनुक्रम का आरएनए प्रतिलिपि (मैसेंजर आरएनए या एमआरएनए) बनाने - और प्रोटीन उत्पादन के लिए सेलुलर मशीनरी के सक्रिय होने से पहले की प्रक्रिया में इसकी भूमिका का पता लगाने के लिए दिया गया है. माइक्रोआरएनए की खोज और जीन विनियमन में उनकी भूमिका से पहले, यह माना जाता था कि जीन विनियमन 'ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स' नाम के विशेष प्रोटीन तक ही सीमित होता है. ये विशेष प्रोटीन डीएनए में विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़ते हैं और यह निर्धारित करते हैं कि कौन से एमआरएनए पैदा किए जाएं. सन् 1993 में, सी. एलिगेंस नाम के एक मिलीमीटर लंबे उत्परिवर्ती (म्यूटेंट) राउंडवॉर्म का इस्तेमाल करके, इस साल के नोबेल पुरस्कार के विजेताओं ने इस बात का सबूत पेश किया था कि जीन विनियमन 'ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स' तक ही सीमित नहीं है. इसके बजाय, माइक्रोआरएनए द्वारा विनियमन जीन अभिव्यक्ति, प्रतिलेखन (ट्रांसक्रिप्शन) के बाद वाली प्रक्रिया में बाद के एक चरण में होता है. हालांकि, सभी जीवों में मौजूद जीन में एन्कोडेड एक अन्य माइक्रोआरएनए की खोज से संकेत मिलता है कि जीन विनियमन में माइक्रोआरएनए की भूमिका राउंडवॉर्म से परे तक फैली हुई है.सन् 2001 में, माइक्रोआरएनए के अकशेरुकी और कशेरुकी जीवों में प्रचुर मात्रा में पाए जाने की जानकारी हुई, जिनमें से कुछ प्रजातियों में माइक्रोआरएनए अत्यधिक संरक्षित थे. इससे यह पता चलता है कि "माइक्रोआरएनए की मध्यस्थता में ट्रांसक्रिप्शन के बाद होने वाला विनियमन एक सामान्य नियामक कार्य है". वर्तमान जानकारी के मुताबिक, मानव जीनोम 1,000 से ज्यादा माइक्रोआरएनए को कोड करता है. कैंसर, मधुमेह और स्व-प्रतिरक्षित (ऑटोइम्यून) बीमारियां अव्यवस्थित माइक्रोआरएनए अभिव्यक्ति से जुड़ी हैं. कैंसर के मामले में, अनियमित विनियमन की प्रक्रिया के दौरान माइक्रोआरएनए जीन का प्रवर्धन या विलोपन, माइक्रोआरएनए का असामान्य ट्रांसक्रिप्शन संबंधी नियंत्रण और माइक्रोआरएनए के जीवजनन (बायोजेनेसिस) संबंधी मशीनरी में दोष शामिल हो सकते हैं. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मुक्त/मुक्ता/मुक्ति

मुक्त, मुक्ता और मुक्ति. ये तीनों शब्द संस्कृत तत्सम हैं और तीनों जबरदस्त प्रचलित हैं. इनका प्रयोग हम अपने दैनंदिन जीवन में बार-बार करते हैं या कहें कि करना पड़ता है. जहां तक संबंध की बात है तो मुक्त शब्द छाया रूप में तीनों में विराजमान है. इसलिए पहले मुक्त को समझना आवश्यक है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार मुक्त शब्द का अर्थ है आजाद, स्वतंत्र, स्वाधीन, निर्बाध, बंधनहीन, उन्मुक्त, स्वामीहीन, स्वेच्छाधारी, पुराण के दृष्टिकोण से मोक्ष प्राप्त, क्षिप्त यानी फेंका हुआ. काव्यशास्त्र के अनुसार जिस काव्य या कविता में प्रबंधकीयता नहीं होती यानी एक छंद में कही गयी बात का दूसरे से तारतम्य नहीं हो, उसे मुक्तक कहा जाता है. वहीं जिसकी आवाज स्पष्ट हो, बेधड़क बोलनेवाला हो, जोर से बोलनेवाला हो उसे मुक्तकंठ कहते हैं. जो उदारतापूर्वक और अधिक मात्रा में दान देता हो उसे मुक्तहस्त या खुले हाथवाला कहा जाता है. वहीं मुक्ता का मतलब है सीपी से निकलनेवाला एक श्वेत रंग का बहुमूल्य रत्न. इसे मोती के रूप में हम अच्छी तरह जानते हैं. मोती को नीरज और मुक्तामणि भी कहते हैं. इस हिसाब से कह सकते हैं कि मुक्त और मुक्ता के बीच कोई अर्थगत संबंध भले ही न हो, लेकिन व्युत्पत्ति पर गौर करें तो मोती मुक्ता इसलिए है कि वह सीपी में जन्म लेता है और जब सीपी से मुक्त होता है, तभी मुक्ता या मोती कहलाता है. हां मुक्त का मुक्ति से सीधा संबंध अवश्य है. मुक्त विशेषण है और मुक्ति संज्ञा स्त्रीलिंग. इसलिए कि मुक्ति का मतलब ही होता है मुक्त होना. जैसे सीपी से मुक्त होने के बाद मोती मुक्ता बन जाता है, उसी प्रकार बंधन आदि से छूटने की अवस्था या भाव को मुक्ति कहते हैं. पुराणों के अनुसार जन्म-मरण रूपी बंधन से छुटकारा मिलने मुक्ति या मोक्ष कहा जाता है. मुक्ति का मतलब ब्रह्म स्वरूप की प्राप्ति, किसी दायित्व से छूटने की क्रिया या भाव, किसी अभियोग, नियम, ऋण आदि से छूटने की स्थिति.

मेरी पड़ोसन के सलोने कुत्ते

• तीर-तुक्का

जवाहर धीर

कुछ दिन पूर्व समाचार-पत्रों में विमान की सीढ़ियों से उतरते एक, दो, तीन, चार, पांच प्यारे-प्यारे, छोटे-छोटे कुत्तों को देखा तो मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि ये कुत्ते आख़िर घुस कैसे गये विमान में? विमानों के भी कुछ कायदे-कानून हैं. मैंने फटाफट उस समाचार को पढ़ डाला. आप भी पढ़िए...ये कोई साधारण कुत्ते नहीं, इंगलैंड की महारानी के कुत्ते हैं, जिन्हें वे यात्रा के दौरान कहीं भी जाते समय साथ ले जाना नहीं भूलतीं. हमने एक लम्बी सांस ली और मुंह से यकायक निकल गया...हमसे महारानी के कुत्ते भले. सचमुच कितनी विडम्बना है कि हमने तो आज तक विमान तल तक नहीं देखा, हवाई जहाजों की सैर तो दूर मगर महारानी हैं कि कुत्तों को साथ लिए एक से दूसरे देश घूम रही हैं. उनके आराम व देखभाल के लिए कुछ लोगों का दल भी साथ-साथ रहता है. इसीलिए सोचता हूं हमसे तो महारानी के कुत्ते भी भले और कुत्तों की देखभाल करने वाले नौकर भी. एक दिन हमारे इलाके की एक औरत मैडम निशा अपने कुत्ते को प्रातः काल में नित्य कर्म निवृत्ति के लिए, साथ लेकर टहल रही थी तो तुरन्त मेरे बेटे विशाल ने, जो मेरे साथ ही सैर के मैदान में था, कह डाला..'पापा इसी कुत्ते ने कल हमारे घर के गेट पर पेशाब किया था...' मैंने तुरन्त बेटे को समझाया...'चुप...धीरे बोल..आंटी ने सुन लिया तो नाराज़ हो जाएंगी...' 'क्यों पापा...?' बेटे ने प्रश्न दागा. मैंने कहा...'इसलिए कि तुमने उनके कुत्ते को कुत्ता कहा है...मैडम निशा कभी बर्दाश्त नहीं करेंगी कि उनके कुत्ते को कोई कुत्ता कह दे...हां...उन्हें जो मर्जी कह दो...बेटे...जिस कुत्ते को पाल रही हैं...वह साधारण घर का कुत्ता नहीं है...इसलिए उसका हक है कि वह जहां चाहे पेशाब करे या...' हम टहलने लगते हैं तो हमारे कान में मैडम निशा की आवाज़ पड़ती है जो आधे घंटे से सड़क के किनारे-किनारे अपने प्रिय कुत्ते के साथ टहल रही हैं . जल्दी करो स्पोर्टी...नाऊ डू इट प्जीज़... . मैडम निशा की बात पर कुत्ता तो ध्यान नहीं दे रहा मगर मेरा बेटा हंस पड़ता है . मुझे उसे फिर डांटना पड़ता है...'हंसो मत बेटे यह तो मजबूरी है उसकी...' मगर आधे घंटे से आंटी मिन्नतें कर रही है और कुत्ता है कि कुछ करता ही नहीं...कहते-कहते वह मुझे कहता है...'पापा... ! हम भी एक कुत्ता रख लें...' 'नहीं बेटे...हमसे यह सब कुछ नहीं होगा...' मेरे समझाने पर वह कारण पूछने लगता है . आखिर बच्चा है न . मैं उसे फिर कहता हूं...'बेटे...न तो हमसे कुत्तों की शोशेबाजी होगी...और...न ही ड्रामेबाजी...कुत्तों को इंसानों से बढ़िया ट्रीटमैंट देना हमारे बस की बात नहीं है...' विशाल चुप हो जाता है .

शुभम संदेश
www.lagatar.in
रांची, बुधवार 09 अक्टूबर, 2024

नवरात्र विशेष

मां दुर्गा के रूप में रांची के विद्यानगर स्थित टाइनी टॉट्स इंग्लिश हाई स्कूल की तान्या कुमारी, काजल कुमारी, नंदिनी कुमारी, आराध्या कुमारी, काव्या नंदी, निहारिका कुमारी, वेदिका पांडे, अंशी कुमारी, जान्वी कुमारी, परिणीती कुमारी, नैंसी कुमारी, प्रकृति गुप्ता, अंशिका सिंह, वैष्णवी कुमारी, अंशिका कुमारी -2, सृष्टि कुमारी एवं अंजलि कुमारी.

सनातन धर्म में सदियों पुरानी है कन्या पूजन की परंपरा. विशेषकर नवरात्रि में नौ कुमारी कन्याएं वस्तुतः नौ देवियों का ही प्रतिरूप मानी जाती हैं. श्रीमद्देवी भागवत महापुराण में इस बात का उल्लेख है कि कन्या पूजन और उन्हें भोजन कराए बिना नवरात्रि अनुष्ठान अधूरा रहता है. देवी मां को जितनी प्रसन्नता कन्या भोज से मिलती है, उतनी प्रसन्नता हवन और दान से भी नहीं मिलती. मां भगवती की कृपा पाने के लिए भक्त नवरात्रि में (अष्टमी व नवमी तिथि को विशेषकर) कन्या पूजन करते हैं.

ऊं कुमारीं कमलारुढां त्रिनेत्रा चंद्रशेखराम

पूजा उपासना के विविध धार्मिक कर्मकांड विविध कर्मकांड हमारी सनातन वैदिक संस्कृति के पर्व-त्योहारों का सौन्दर्य है. इन कर्मकांडों से जहां एक ओर समाज में सामाजिक समरसता की बयार बहती है, वहीं आत्मिक उत्कर्ष के सोपान भी यहीं से शुरू होते हैं. शारदीय नवरात्रि की बात करें तो ऋतु परिवर्तन की संधिबेला है. गायत्री महाविद्या के महामनीषी पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य अपने ग्रन्थ 'उपासना के दो चरण : जप और ध्यान ' में इस संधिबेला के पावन पर्व पर लिखते हैं कि नवरात्र काल में वायुमंडल में दैवीय शक्तियों के स्पंदन अत्यधिक सक्रिय होते हैं तथा सूक्ष्म जगत के दिव्य प्रवाह भी इन दिनों वायुमंडल में तेजी से उभरते और मानवी चेतना को गहराई से प्रभावित करते हैं. इसी कारण हमारे वैदिक ऋषियों ने इन संधिकालों की नवरात्रीय साधना में मां शक्ति की आराधना का विधान बनाया था. वे आगे लिखते हैं कि मां आदिशक्ति का स्वरूप वस्तुतः शक्ति का विश्वरूप है और नवरात्र का अनुष्ठान शक्ति के साथ मर्यादा का अनुशासन और मां के सम्मान का संविधान. हमारे मनीषियों ने प्रतिपदा से लेकर नवमी तक आयोजित किये जाने वाले देवी आराधना के इस नौ दिवसीय साधनात्मक अनुष्ठान को कन्या पूजन से जोड़ कर इसे अधिक देवत्वपूर्ण बना दिया है. नौ कुमारी कन्याएं वस्तुतः नौ देवियों का प्रतिरूप हैं. सदियों से इनके पूजन की परंपरा चली आ रही है. श्रीमददेवी भागवत महापुराण में इसकी महिमा की चर्चा है. कन्या भोज को नवरात्रि का अनिवार्य अनुष्ठान माना गया है. मान्यता है कि मां दुर्गे के सामने कितनी भी तपस्या करें, मंत्र जाप करें, पूजा अनुष्ठान करें, तब तक वे पूरी तरह प्रसन्न नहीं होतीं जब तक उनके प्रतिरूप यानी कन्याओं को आमंत्रित कर, उनका आदर-सत्कार कर उन्हें सुस्वादुभोजन नहीं कराया जाता है. हवन और दान से भी मां को उतनी प्रसन्नता नहीं मिलती, जितनी कन्या पूजन से मिलती है. इसलिए कन्या पूजन के बना नवरात्र का अनुष्ठान पूरा नहीं होता. कन्या पूजन करके ही मां दुर्गा की कृपा सहज ही पायी जा सकती है. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार यूं तो कन्या पूजन नवरात्र काल के दौरान कभी भी कर सकते हैं लेकिन अष्टमी और नवमी की तिथि कन्या पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गयी है.

निहारिका कुमारी

यह है कथा

कन्या पूजन कब और कैसे शुरू हुआ, इस पर कई धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं. इनमें सबसे लोकप्रिय है श्रीधर की कथा. आइए इस कथा के बारे में जाने. कहा जाता है कि किसी गांव में श्रीधर नाम का एक निर्धन व संतानहीन पंडित रहता था. वह मां दुर्गा का परम भक्त था. नवरात्रि के दौरान एक बार श्रीधर के मन में ख्याल आया कि क्यों नहीं पूजा पूरी होने के बाद देवी स्वरूप कुमारी कन्याओं की पूजा करें और पूरे गांव के लिए भंडारा करें. ख्याल तो सुंदर था पर इसे पूरा करना गरीब पंडित के लिए बहुत कठिन था. तिथि नजदीक आ रही थी, पर बेचारे पंडित श्रीधर के पास कोई कुमारी पूजन व भंडारे के लिए कोई इंतजाम नहीं हो पा रहा था. एक दिन दुख और व्यथा के संग श्रीधर और उसकी पत्नी ने मां दुर्गे की प्रतिमा के आगे सिर झुकाते हुए अपनी व्यथा खोल दी- हे मां! जब कन्या पूजन और भंडारे की इच्छा तुमने मेरे मन में डाली तो उसे पूरा करने की राह भी तुम्ही सुझाओ, मैं असमर्थ हो रहा हूं. करुण स्वर में जब पति पत्नी मां के सामने यह रोते हुए कह रहे थे, तभी अचानक उनके सामने एक छोटी सी सुन्दर कन्या मुस्कुराते हुए आकर खड़ी हो गई. कन्या ने चमत्कार दिखाया और श्रीधर की कन्या पूजन व गांव भर के सुस्वादु भंडारे की इच्छा आश्चर्यजनक रूप से सफल हो गयी. उस कन्या रूपी मां ने अपनी आठ अन्य सखियों के साथ श्रीधर का पूजन व प्रसाद भी ग्रहण किया. मां की कृपा को यहीं पूर्ण विराम नहीं लगा. उस सफल आयोजन के साल भर के भीतर श्रीधर के घर एक सुंदर कन्या का जन्म भी हुआ. उन्हीं दिनों श्रीधर को मां वैष्णोदेवी के सिद्धपीठ के प्रथम पुरोहित होने का गौरव भी मिला. ऐसी मान्यता है कि तभी से नवरात्र व्रत के पारण के दिन कन्या पूजन की परम्परा चली आ रही है.

वेदिका पांडे

कुमारी, त्रिमूर्ति, कल्याणी, रोहिणी...

दुर्गा सप्तशती में कहा गया है कि दुर्गा पूजन से पहले भी कन्या का पूजन करें, तत्पश्चात ही माँ दुर्गा का पूजन आरम्भ करें. देवी पुराण में मां दुर्गा के देवी मां के विविध कन्या स्वरूप की चर्चा है. इसके मुताबिक नवरात्र साधना की पूर्णाहुति पर दो से दस वर्ष तक की नौ कन्याओं का पूजन करना शुभ फल प्रदान करता है. दो वर्ष की कन्या 'कुमारी' कहलाती है. मान्यता है कि इसके पूजन दुःख और दरिद्रता खत्म होती है और खुशहाली का प्रवेश होता है. तीन वर्ष की कन्या 'त्रिमूर्ति' कहलाती हैं. इसके पूजन से घर में धन-धान्य और परिवार में सुख-समृद्धि आती है. चार वर्ष की कन्या 'कल्याणी' कहलाती है जिसके पूजन से परिवार का कल्याण होता है. रोहिणी पांच वर्ष की कन्या होती है जिसे पूजने से रोगमुक्ति का वरदान मिलता है. छह वर्ष की कन्या 'कालिका' रूप होती हैं जो विद्या, विजय और राजयोग का वरदान देती हैं. सात वर्ष की कन्या 'चंडिका' स्वरूपा होती हैं. इनकी पूजा से ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है. आठ वर्ष की कन्या 'शाम्भवी' कहलाती है जिसका पूजन करने से वाद-विवाद में विजय प्राप्त होता है. नौ वर्ष की कन्या 'दुर्गा' कहलाती है. इनका पूजन हमारे शत्रुओं का नाश करता है. दस वर्ष की कन्या 'सुभद्रा' हैं. इन्हें प्रसन्न करने पर हमारे मनोरथ सुफल होते हैं.

कन्याओं को लगाएं सात्विक भोजन का भोग

आचार्य अजय मिश्रा

कन्याओं का पूजन करते समय सर्वप्रथम शुद्ध जल से उनके पांव पखारें. फिर उनके पांव साफ सूखे कपड़े से पोछ कर आलता लगाएं. उन्हें साफ आसन पर बैठाएं. बालों का श्रृंगार (कंघा चलाना, सुगंधित तेल स्पर्श व क्लिप-रिबन लगाना) करें. अब खीर, पूरी, चने, हलवा आदि सात्विक भोजन का माता को भोग लगाएं. कन्याओं को सुमधुर भोजन कराने के बाद उन्हें टीका लगाएं. मुखशुद्धि के रूप में पान आदि अर्पित करें. उन्हें यथासामर्थ्य श्रृंगार सामग्री, वस्त्र, फल आदि उपहार दें. अब उन्हें खोइंछा दें. इसके लिए किसी वस्त्र या रुमाल में अरवा चावल, खोआ की बनी कोई मिठाई, फल, दूभि, गोटा हल्दी, सुपारी व द्रव्य यानी कुछ पैसे दे कर इसे बंद कर दें. उनके चरण स्पर्श कर विदा करें.

इनका लगाएं भोग

अष्टमी के दिन माता को नौ फलों का भोग लगाएं. इन नौ फलों में केला, नींबू, श्रीफल यानी नारियल, ईख, अनार, चेरी फल, पपीता, सेव और शरीफा शामिल हों. इसके अलावा माता को स्वनिर्मित पकवान जैसे शक्करपारा, मालपुआ, हलवा, पूरी व खीर आदि का भोग लगाएं.

अष्टमी को माता को अर्पित करें सोलह श्रृंगार

अष्टमी को मां दुर्गा को भक्त सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करते हैं. इनमें, सिंदूर, हल्दी, कुंकुम, सुगंधित तेल, शंख चूड़ी, आलता, दर्पण, कंघी, कान का कुंडल, पायल, बिंदी, गजरे का हार, काजल, बेल-पत्र की माला व मांग टीका शामिल होता है. माता को दो सेट श्रृंगार सामग्री अर्पित करें. एक मंदिर या पुजारी के लिए तो दूसरा खुद प्रसाद स्वरूप ग्रहण करने के लिए.

यह हैं मंत्र

ॐ कुमारीं कमलारुढां त्रिनेत्रा चंद्रशेखराम
तप्तकांचनवर्णाभां नानालंकारभूषिताम
रक्तांबरपरिधानां रक्तमाल्यानुलेपनाम
वामेनाभयदां ध्यायेद्दक्षिणेन वरप्रदाम्.

मंत्राक्षरमयीं लक्ष्मीं मातृणां रूपधारिणीम्।
नवदुर्गात्मिकां साक्षात् कन्यामावाह्याम्यहम्।।
जगत्पूज्ये जगद्वन्द्ये सर्वशक्तिस्वरुपिणि ।
पूजां गृहाण कौमारि जगन्मातर्नमोस्तु ते।।

!! कुमार्यै नमः, त्रिमूर्त्यै नमः, कल्याण्यै नमः, रोहिण्यै नमः, कालिकायै नमः, चण्डिकायै नमः, शाम्भव्यै नमः, दुर्गायै नमः, सुभद्रायै नमः !!

या देवी सर्वभूतेषु 'कन्या ' रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

ॐ श्री दुं दुर्गायै नमः ।।

ॐ श्री कुमार्यै नमः ।।

ॐ श्री त्रिगुणात्मिकायै नमः ।।

इन बातों का रखें ध्यान

- कन्याएं रोग रहित हों.
- बहुत सात्विक तरीके से कन्याओं के लिए भोजन तैयार करें. इसमें प्याज लहसुन का इस्तेमाल नहीं हो.
- 9 कन्याओं के साथ कम से एक बालक जरूर होना चाहिए.
- कन्याओं के विदा होने के बाद तुरंत ही घर की साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए. कन्या के जूठन को कचरा पात्र में नहीं रखें चिड़िया को परोसें. किसी ऐसी जगह विसर्जित करें जहां पांव या अशुद्धि की आशंका नहीं हो.

गुड़हल फूल करें माता को अर्पित, मनोरथ होंगे पूरे

शारदीय नवरात्रि चल रहा है. भक्त नानाविध पुष्प अर्पित कर मां को प्रसन्न करने को आतुर दिखते हैं. आइए आज जाने कि मां को अलग-अलग फूल अर्पित करने का क्या महत्व है-

गेंदा फूल माता रानी को अर्पित करें. मन में या घर-परिवार में किसी तरह की नकारात्मकता होगी तो इससे दूर हो जाएगी, ऐसी मान्यता है.

गुलाब का फूल मां दुर्गा को विशेष प्रिय है. मान्यता है कि नवरात्रि में इसे अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता आती है.

गुड़हल का फूल अर्पित करने से आपके मनोरथ पूरे होंगे. मान्यता है कि गुड़हल के फूल में मां दुर्गा का वास होता है.

कमल के फूल माता रानी को विशेष प्रिय हैं. काम में बाधा आती है तो इसे अर्पित नौरात्रि के दौरान मां को अर्पित करें.

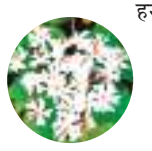

हरसिंगार का फूल मां दुर्गा को चढ़ाने से तनाव से मुक्ति मिलती है और घर में खुशहाली आती है.

तुलसी के पत्ते और धतूरे भी माता रानी को अर्पित कर सकते हैं. मान्यता है कि ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और खुशहाली आती है.

नेत्र तंत्र पीठ के रुप में प्रसिद्ध है यह चंडिका स्थान

देश में 52 शक्तिपीठ हैं, सभी शक्तिपीठों में देवी मां के शरीर का एक हिस्सा गिरा था जिसके कारण यहां मंदिर स्थापित हुए. ऐसा ही एक शक्तिपीठ बिहार के मुंगेर जिले से करीब चार किलोमीटर दूर है. यहां देवी सती की बाईं आंख गिरी थी. मंदिर को चंडिका स्थान और श्मशान चंडी के नाम से जाना जाता है. मान्यताओं के अनुसार मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की हर मुराद पूरी होती है. इस स्थान को लेकर लोगों का कहना है कि यहां आंखों से संबंधित हर रोग का इलाज होता है. जी हां, यहां खास काजल मिलता है जिसे आंखों में लगाने से व्यक्ति के आंख से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं. नवरात्रि में यहां भक्तों का सैलाब आ पड़ता है.

कुमार कृष्णन

- **पहुंचते हैं तांत्रिक**

चूंकि मंदिर के पूर्व और पश्चिम में श्मशान है और मंदिर गंगा किनारे स्थित है. इसके कारण यहां तांत्रिक विशेषतौर पर नवरात्र के दौरान तंत्र सिद्धियों के लिए आते हैं. चंडिका स्थान में नवरात्र के अष्टमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन होता है. इस दिन सबसे अधिक संख्या में भक्तों का यहां जमावड़ा होता है.
नवरात्र में सुबह तीन बजे से पूजा चंडिका स्थान के मुख्य पुजारी नंदन बाबा बताते हैं कि नवरात्र के दौरान सुबह तीन बजे से माता की पूजा शुरू हो जाती है. संध्या में श्रृंगार पूजन होता है. अष्टमी के दिन यहां विशेष पूजा और माता का भव्य श्रृंगार होता है. मंदिर प्रांगण में काल भैरव, शिव परिवार और बहुत सारे हिंदू देवी- देवताओं के मंदिर हैं.

- **यह है कथा**

भगवान शिव जब राजा दक्ष की पुत्री सती के जलते हुए शरीर को लेकर जब भ्रमण कर रहे थे, तब सती की बाईं आंख यहां गिरी थी. इस कारण यह 52 शक्तिपीठों में एक माना जाता है. इसके अलावा इस मंदिर को महाभारत काल से जोड़ा जाता है. कर्ण मां चंडिका के परम भक्त थे. वह हर रोज़ मां के सामने खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूदकर अपनी जान देते थे और मां प्रसन्न होकर उन्हें जीवनदान दे देती थी और उसके साथ सवा मन सोना भी देती थी. कर्ण सारा सोना मुंगेर के कर्ण चौरा पर ले जाकर बांट देते. इस बात का पता जब उज्जैन के राजा विक्रमादित्य के पड़ा तब वे वहां पहुंचे और उन्होंने अपनी आंखों से पूरा दृश्य देखा. एक दिन वह कर्ण से पहले मंदिर गए ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान कर स्वयं खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूद गए. मां ने उन्हें जीवित कर दिया. वह तीन बार कड़ाही में कूदे और तीन बार मां ने उन्हें जीवनदान दिया. जब वह चौथी बार कूदने लगे तो मां ने उन्हें रोक दिया और मनचाहा वरदान मांगने को कहा. राजा विक्रमादित्य ने मां से सोना देने वाला थैला और अमृत कलश मांग लिया. मां ने भक्त की इच्छा पूरी करने के बाद कड़ाही को उलटा दिया और स्वयं उसके अंदर अंतर्ध्यान हो गई. आज भी मंदिर में कड़ाही उलटी हुई है. उसके अंदर मां की उपासना होती है. मंदिर में पूजन से पहले विक्रमादित्य का नाम लिया जाता है, फिर मां चंडिका का.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

सात साल के अंतराल पर होगी हॉकी इंडिया लीग की वापसी, राजधानी रांची में होगा फाइनल मैच, और भी कई मैच होंगे

एचआईएल उन खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद होगा, जो टीम से बाहर हैं : सलीमा टेटे

एजेंसी। बेंगलुरू

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सात साल के अंतराल के बाद इस साल दिसंबर में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है. झारखंड की रहने वाली भारतीय महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे का सपना अगले साल की शुरुआत में अपने घरेलू मैदान पर महिला लीग फाइनल खेलने का है.

इस साल की शुरुआत में हरेंद्र सिंह के भारतीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालने के बाद कप्तान नियुक्त की गई मिडफील्डर ने हॉकी इंडिया लीग के लिए अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं एचआईएल के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह सात साल बाद फिर से शुरू हो रहा है. पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चर्चा कर रही है कि यह हमारे लिए कितना अच्छा अवसर है. हमें विभिन्न देशों की खिलाड़ियों के साथ घुलने-मिलने, उनके साथ खेलने, उनके खिलाफ खेलने और खिलाड़ियों के रूप में बेहतर होने का मौका मिलेगा.

उन्होंने आगे कहा, इससे सीनियर टीम का हिस्सा न रहने वाले युवाओं को भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों की दिनचर्या को करीब से देखने का मौका मिलेगा. अपने करियर की शुरुआत में ही उच्च प्रदर्शन वाले पेशेवर माहौल में रहना उनके विकास के लिए चमत्कारी होगा. मुझे उम्मीद है कि एचआईएल उन खिलाड़ियों के लिए भी फायदेमंद होगा जो टीम से बाहर हैं. इससे उन्हें उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और खुद को तेज रखने का मौका मिलेगा.

हॉकी प्रीमियर लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी

लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी, जिसके मैच दो स्थानों पर खेले जाएंगे, जिनमें झारखंड के रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और ओडिशा के राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम शामिल है. महिला लीग का समापन 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में होगा. एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी. प्रत्येक फ्रैंचाइज 24 खिलाड़ियों की टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करते हुए) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल होंगे. नीलामी में खिलाड़ियों को 2, 5 और 10 लाख के आधार मूल्य वाले तीन स्लैब में विभाजित किया जाएगा. सलीमा ने कहा, "नीलामी जल्द ही होने वाली है और कैंप में इसे लेकर काफी चर्चा है. यह पहला संस्करण है, इसलिए मुझे रांची की टीम के लिए खेलने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है. उम्मीद है कि बची हुई दो महिला टीमों में से एक टीम रांची की होगी.

बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मैच आज दिल्ली में

बांग्लादेश का सफाया करने उतरेगा भारत

- ग्वालियर में पहला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की कोटला की पिच को देश की धीमी पिचों में से एक माना जाता था, लेकिन पिछले साल हुए वनडे विश्व कप से पहले पिच में कई बदलाव हुए, जिससे विश्व कप और आईपीएल में यहां ढेरों रन बने थे.

ऐसे में विस्फोटक बल्लेबाजों से सुसज्जित भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 में भी अपना दबदबा बरकरार रखते हुए सीरीज में अजेय बढ़त लेने के इरादे से उतरेगी। तेज गेंदबाज मयंक यादव ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और कोटला तो उनका होम ग्राउंड है. ऐसे में वह यहां पर कमाल का प्रदर्शन कर सकते हैं. इसके अलावा जिस तरह का टीम का लाइन अप है, उसमें कोई भी बल्लेबाज एंकर की भूमिका वाला नहीं है. ऐसे में बांग्लादेश की मुश्किलें यहां पर बढ़ सकती हैं. साथ ही अगर पिच पर स्पिनरों के लिए थोड़ी-बहुत मदद रही तो वरुण चक्रवर्ती की फिरकी एक बार फिर से बांग्लादेशी बल्लेबाजों को परेशान कर सकती है. बांग्लादेश की बात करें तो शाकिब अल हसन के संन्यास लेने से टीम पर फर्क दिखाई दिया है. हालांकि पिछले मैच में उनका रोल मेहदी हसन मिराज़ ने अच्छे से निभाया है और उनके इस मैच में भी अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद है. मुस्तफिजुर रहमान अभी लय से दूर दिखे हैं, लेकिन कोटला के इस मैदान पर खेलने का अच्छा अनुभव है, जो टीम के काम आ सकता है.

भारत-बांग्लादेश मैच के दौरान कैसा रहेगा मौसम नयी दिल्ली में फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं हैं. हालांकि इस समय दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में मौसमी मच्छर (जीरे वाले मच्छर) का आतंक है. रात होते ही ये मच्छर लाइटों के आसपास मंडराने लगते हैं. इनकी संख्या इतनी अधिक होती है कि वहां रहना मुश्किल हो जाता है. अब क्योंकि कोटला में मैच फ्लड लाइट्स में होगा, तो वहां के हालात देखने वाले होंगे. क्या हो सकती है भारत और बांग्लादेश की प्लेइंग एकादश ग्वालियर में बांग्लादेश को पूरी तरह से चित्त करने के बाद भारतीय टीम उसी एकादश के साथ उतर सकती है. वहीं बांग्लादेश की टीम में भी बदलाव होने की संभावना कम ही है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह

बांग्लादेश : लिटन दास (विकेटकीपर), परवेज़ हुसैन इमॉन, तंज़िद हसन, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज़, तौहीद हृदोय, महमूदुल्लाह, जाकिर अली, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफ़िज़ुर रहमान, शरीफ़ुल इस्लाम

दिल्ली पहुंच कर सूर्यकुमार ने किया जमकर डांस

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टी20 के लिए दिल्ली पहुंच चुकी है. सीरीज का पहला मुकाबला ग्वालियर में खेला गया था, जिसमें जीत हासिल कर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम दूसरे टी20 के लिए बिल्कुल तैयार दिख रही है. टीम इंडिया के ग्वालियर से दिल्ली पहुंचने का वीडियो बीसीसीआई ने सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया. टीम इंडिया के दिल्ली पहुंचने का वीडियो बड़ा ही दिलचस्प है. वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले टीम इंडिया ग्वालियर से निकलती है और दिल्ली के लिए उड़ान भरती है. इस दौरान बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल सहित टीम के कई खिलाड़ी नजर आते हैं. फिर भारतीय खिलाड़ी दिल्ली के एयरपोर्ट पर लैंड होते हैं. इसके बाद खिलाड़ी होटल पहुंचते हैं जहां उनका ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत होता है. इसी दौरान ढोल की धुन पर कप्तान सूर्यकुमार यादव नाचने लगते हैं. सूर्या के नाचने का वाकई दिलचस्प था.टीम इंडिया ने आसानी से जीता था पहला टी20

भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर में खेले गए पहले टी20 में आसानी से जीत हासिल की थी. मुकाबले में बांग्लादेश पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में 127 रनों पर ऑलआउट हो गई थी. फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने महज 11.5 ओवर में 132/3 रन बनाकर जीत हासिल कर ली थी. इस दौरान टीम के लिए हार्दिक पांड्या ने शानदार पारी खेलते हुए 16 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 39 (नाबाद) रन बनाए थे. हार्दिक के बल्ले से ही टीम के लिए विनिंग सिक्स निकला था. अब दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 09 अक्टूबर, बुधवार को खेला जाएगा. भारतीय समय के अनुसार मैच की शुरुआत शाम 7 बजे से होगी. फिर टी20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 12 अक्टूबर, शनिवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा.

भारतीय टीम के लिए करो या मरो का मुकाबला

श्रीलंका के खिलाफ आज हर हाल में जीतना होगा मैच

एजेंसी। दुबई

दुबई-शारजाह में विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार मुकाबले खेले जा रहे हैं. इसमें 9 अक्टूबर को भारत और श्रीलंका के बीच एक महत्वपूर्ण मुकाबला खेला जाएगा. यह मैच दुबई के स्टेडियम में खेला जाएगा. वहीं हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले इस मैच में जीतना ही होगा. दरअसल श्रीलंका के खिलाफ होने वाला यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए करो या मरो का मुकाबला होने वाला है. दरअसल इसके पीछे का कारण यह है कि भारतीय टीम अपने पिछले 2 मैचों में से सिर्फ एक ही जीत हासिल कर सकी है. टीम इंडिया अपने पहले मैच में भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हार गई थी. दरअसल न्यूजीलैंड ने भारत को 58 रनों से हराया था. हालांकि इसके बाद टीम ने जबरदस्त वापसी की और पाकिस्तान को टीम को शिकस्त दी. हालांकि अब भारतीय टीम को यह जीत जरूरी है. क्योंकि सेमीफाइनल में जानें के लिए भारतीय टीम को अब हर मैच को जीतना होगा.कैसी होगी पिच?

वहीं इस मुकाबले की पिच रिपोर्ट पर नजर डालें तो यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर होने वाला है. वहीं इस पिच पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही बराबर मानी जाती है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा,पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन और यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, आशा सोभना.

श्रीलंका : चमारी अट्टापट्टू (कप्तान), विश्मी गुनारत्ने, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), सच्चिनी निसांला, सुगंधिका कुमारी, हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी, निलकशी डी सिल्वा, इनोशी प्रियदर्शनी और उद्देशिका प्रबोधनी.

एशियाई टेटे चैंपियनशिप : भारत

सेमीफाइनल में, मेडल हुआ पक्का

एजेंसी। नयी दिल्ली

कजाखस्तान में खेली जा रही 2024 एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश पा लिया है. इसी के साथ एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के इतिहास में भारत ने अपना पहला मेडल पक्का कर लिया है. एक समय भारतीय टीम 2-0 से आगे चल रही थी, लेकिन दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करके मैच को रोमांचक बना दिया था. आयिका मुखर्जी और मनिका बत्रा ने अपने-अपने गेम जीतकर टीम इंडिया को 2-0 से लीड दिला दी थी. एक तरफ मुखर्जी ने शिन यूबी को 11-9, 7-11, 12-10, 7-11, 11-7 से हराया. दूसरी ओर मनिका बत्रा ने जिओन जिही को 12-11, 13-11, 11-5, 5-11, 12-10 से रोमांचक अंदाज में बात दी. मगर इसके बाद श्रीका अकुला को अपने गेम में 0-3 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी, दूसरी ओर मनिका को एक करीबी मुकाबले में शिन यूबी के हाथों 3-2 से हार मिली. इस मुकाबले के आखिरी गेम में सबकी नजरें आयिका मुखर्जी और जिओन जिही की भिड़ंत पर थीं. भारत-दक्षिण कोरिया 2-2 से बराबरी पर थे और इस दबाव की स्थिति में मुखर्जी ने जिओन को 3-0 से हराकर मैच भारत की झोली में डाला.

पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट मैच का दूसरा दिन

पाकिस्तान के 556 रन के जवाब में इंग्लैंड ने बनाए एक विकेट पर 96

एजेंसी। मुल्तान

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है. पाकिस्तान की पहली पारी 556 रन पर ऑलआउट हुई थी जिसके जवाब में इंग्लैंड ने स्टंप तक एक विकेट पर 96 रन बनाए हैं. दिन का खेल समाप्त होने के वक्त जैक क्रावले 64 रन और जो रूट 32 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे. इंग्लैंड को पहला झटका कप्तान ओली पोप के रूप में लगा जो खाता खोले बिना आउट हुए. नसीम शाह ने पोप को आउट कर इंग्लैंड को शुरुआती झटका दिया, लेकिन क्रावले और रूट ने अब तक दूसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी कर ली है और टीम को झटके से उबारा.इससे पहले, पाकिस्तान के लिए पहले दिन जहां अब्दुल्लाह शफीक और कप्तान शान मसूद ने शतक जड़े. वहीं, दूसरे दिन मंगलवार को अघा सलमान ने शतक जड़ा. सलमान 104 रन बनाकर नाबाद लौटे. सलमान के अलावा सउद शकील भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह 82 रन बनाकर आउट हुए. इंग्लैंड के लिए स्पिनर जैक लीच ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके. पाकिस्तान टीम को दूसरे दिन पहला और ओवरऑल पांचवां झटका नसीम शाह के रूप में लगा. उन्होंने 81 गेंद में 33 रन की पारी खेली.

नसीम ने अपनी पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए. उन्होंने शकील के साथ पांचवें विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी निभाई. नसीम के आउट होने के बाद मोहम्मद रिजवान खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए. ब्राइडन कार्स ने नसीम को, जबकि जैक लीच ने रिजवान को आउट किया.

विश्व कप क्वालीफायर के लिए सात अनकैप्ड खिलाड़ियों की घोषणा

मोंटेवीडियो । रिवर प्लेट फॉरवर्ड जोक्विन लावेगा पेरू और इक्वाडोर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए उरुग्वे की टीम में चुने गए सात अनकैप्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं. अन्य नए खिलाड़ियों में यूनिवर्सिडाड डी चिली के मिडफील्डर मार्को ओरोना, मोंटेवीडियो वांडरर्स के विंगर पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर लुकास सनाब्रिया, फ्लूमिनेंस के मिडफील्डर फेकुंडो बर्नाल, अलावेस के डिफेंडर सैंटियागो मोरिनो और जिमनासिया के फॉरवर्ड मटियास अबाल्डो शामिल हैं. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने फॉरवर्ड डार्विन नुनेज़, एटलेटिको मैड्रिड के सेंटर-बैक जोस मारिया जिमेनेज़ व नेपोली के लेफ्ट-बैक मैथियास ओलिवेरा को भी वापस बुलाया है.

भारत हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में वापसी के लिए तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है, जो इस साल 1 से 3 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा. यह टूर्नामेंट 1992 में शुरू हुआ था और आखिरी बार 2017 में आयोजित किया गया था, जिसे इस साल फिर से शुरू किया गया है. क्रिकेट हांगकांग ने सोमवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, टीम इंडिया हांगकांग सिक्सेस में मैदान से बाहर धमाल मचाने के लिए कमर कस रही है! धमाकेदार पावर-हिटिंग और छक्कों की बौछार के लिए तैयार हो जाइए, जो दर्शकों को रोमांचित कर देगी! अधिक टीमों, अधिक छक्कों, अधिक उत्साह और अधिकतम रोमांच की अपेक्षा करें! हांगकांग क्रिकेट 1 से 3 नवंबर 2024 तक वापस आ गया है! इसे मिस न करें! टूर्नामेंट का 20वां संस्करण, जो 12 टीमों के बीच खेला जाएगा, टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा. अन्य भाग लेने वाली टीमों में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, हांगकांग, नेपाल, न्यूजीलैंड, ओमान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं. इस प्रतियोगिता में पहले भी ब्रायन लारा, वसीम अकरम, शेन वार्न, सचिन तेंदुलकर, एम.एस. धौनी और अनिल कुंबले जैसे खेल के कई दिग्गज अपनी-अपनी टीमों के लिए खेल चुके हैं.

भारत ने 2005 में टूर्नामेंट जीता था, जबकि इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका पांच-पांच खिताब के साथ सबसे सफल टीमें हैं.

रिकॉर्ड — स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 70 मैच में 12 ओवर मेडन फेंके हैं

कौन है टी20 क्रिकेट में भारत का सबसे सफल गेंदबाज?

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी20 क्रिकेट ऐसा प्रारूप है, जहां बल्लेबाजों का बोलबाला रहता है. चाहे गेंदबाज कितना भी दिग्गज हो, उस मार तो पड़ती है और ऐसे में गेंदबाजों को संभलने का मौका बहुत कम ही मिलता है. हालांकि, कई ऐसे गेंदबाज हैं जो इस फॉर्मेट में भी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं. इस फॉर्मेट में 'मेडन ओवर' निकालना विकेट लेने से कम नहीं और ऐसे में यह चार भारतीय गेंदबाज इसमें माहिर हैं. टी20 फॉर्मेट में पावरप्ले और डेथ ओवर्स के ओवर सबसे अहम होते हैं, ज्यादातर यही मैच के नतीजे भी तय करते हैं. टीम इंडिया के लंबे समय से यह जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह उठा रहे हैं. इस सूची में भी सबसे पहला नाम उनका ही है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2016 में खेला था. अब तक इस गेंदबाज ने 70 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 12 ओवर मेडन फेंके हैं. इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 6.27 की रही है और उन्होंने 17.74 की औसत से 89 विकेट भी अपने नाम किए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/7 विकेट का रहा है. दूसरा नाम भुवनेश्वर कुमार का है, साल 2012 में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस गेंदबाज ने अब तक 87 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और 10 मेडन ओवर फेंके हैं. उनकी औसत 23.10 और इकॉनमी रेट 6.96 की रही है.

भुवनेश्वर ने 90 विकेट झटके हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/4 विकेट का रहा है. तीसरा नाम पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह का है. उन्होंने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2006 में खेला था और आखिरी बार वह 2016 में खेलते हुए नजर आए थे. इस दौरान 5 मेडन ओवर फेंके थे. उनकी औसत 25.32 की रही थी. उन्होंने अपने करियर में 6.20 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की थी और 25 विकेट झटके थे.

चौथा नाम रवींद्र जडेजा का है, टी-20 विश्व कप 2024 के बाद संन्यास लेने वाले जडेजा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं. उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 2009 में खेला था. इस दौरान उन्होंने 4 मेडन ओवर डाले थे. उनकी औसत 29.85 और इकॉनमी रेट 7.13 की रही थी. उन्होंने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 54 विकेट झटके थे. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/15 का रहा है.

पटना पाइरेट्स का लक्ष्य है चौथा खिताब जीतना

प्रो कबड्डी लीग चैंपियन

एजेंसी। नयी दिल्ली

तीन बार की प्रो कबड्डी लीग चैंपियन पटना पाइरेट्स पिछले सीजन में सेमीफाइनल में हार के बाद खिताब जीतने के लिए बेताब होगी. पीकेएल इतिहास की सबसे सफल टीम, पाइरेट्स ने सीजन 3 से 5 तक खिताब की हैट्रिक बनाई और एक बार फिर प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाना चाहेगी. नरेंद्र रेड्डी, जिन्होंने मुख्य कोच के रूप में पीकेएल 10 में पटना पाइरेट्स को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था, एक बार फिर उम्मीद करेंगे कि वे पाइरेट्स को एक और ठोस अभियान का आनंद लेने और कम से कम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में मदद करें. वे सीजन 11 की खिलाड़ी नीलामी में सबसे व्यस्त टीमों में से एक थे और उन्होंने अपनी टीम में शामिल करने के लिए एक दर्जन से अधिक खिलाड़ियों को खरीदा. पीकेएल 11 में पाइरेट्स की सबसे बड़ी ताकत उनके आक्रमण और रक्षा दोनों में उनकी टीम की गहराई है. सीजन 11 के खिलाड़ियों की नीलामी में उन्होंने कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खरीदा, जिसमें डिफेंडर शुभम शिंदे 70 लाख रुपये में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जबकि ऑलराउंडर गुरदीप 59 लाख रुपये में दूसरे स्थान पर रहे. उनकी रेडिंग यूनिट का नेतृत्व सुधाकर एम कर सकते हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू अभियान में शानदार प्रदर्शन किया था.

ब्रीफ खबरें

लोजपा नेता के घर से गांजा बरामद

फारबिसगंज । भारत नेपाल सीमा से सटे अररिया के घूरना में एसएसबी 56 वीं बटालियन के कमांडर प्रवीण प्रभाकर व घूरना थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने आज बड़ी कार्रवाई की है. घूरना थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव व घूरना एसएसबी बीओपी कमांडर ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर फुलकाहा थाना क्षेत्र के मानिकपुर पंचायत अंतर्गत भवानीपुर वार्ड संख्या पांच में युवा लोजपा 'आर' के जिला उपाध्यक्ष के घर में छापेमारी कर पांच किलो 170 ग्राम गांजा बरामद की है.

75 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

अररिया । अररिया के सिकटी में मंगलवार को पुलिस और एसएसबी 52वीं वाहिनी की संयुक्त कार्रवाई में एक तस्कर को 75 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया. यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा के करीब 400 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में की गई. गिरफ्तार तस्कर की पहचान दीपक कुमार बसाक गोपाल के रूप में हुई है, जो सिकटी थाना क्षेत्र के कचना वार्ड संख्या एक का निवासी है. उसके पास से 75 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल फोन, 67,000 नेपाली रुपये और 80 भारतीय नोट बरामद किए गए, जिनमें 54 नोट 1,000 रुपये के और 26 नोट 500 रुपये के थे.

मधेपुरा में बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या

मधेपुरा । मधेपुरा जिले के भर्राही थाना क्षेत्र के यदावनगर में सोमवार की रात अपराधियों ने एक वृद्ध की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. परिजनों को घटना की जानकारी सुबह में मिली. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान यादवनगर वार्ड छह निवासी 75 वर्षीय रघुनी यादव के रूप में हुई. मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. रघुनी यादव को दो बेटे और दो बेटी है.

गया में नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा

शिक्षा-स्वास्थ्य में बेहतर कर रहा बिहार

संवाददाता । गया

बिहार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा. कुछ वर्षों में इसके देश के बाकी हिस्सों की बराबरी कर लेने की संभावना है. गया में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि बेहतर शासन और सेवा वितरण के कारण बिहार के कई महत्वाकांक्षी ब्लॉक और जिले जल्द ही प्रेरणादायक बन जाएंगे. बिहार कुछ वर्षों में देश के बाकी हिस्सों की बराबरी कर लेगा. राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी संकेतकों के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है. कई महत्वाकांक्षी ब्लॉक और जिले प्रेरणादायक ब्लॉक और जिले बन जाएंगे. सुब्रमण्यम ने कहा कि बेहतर प्रशासन और सेवा वितरण के कारण भविष्य बहुत निकट है.

अभूतपूर्व स्तर का प्रदर्शन करने वाला देश का पहला राज्य : उन्होंने कहा कि बिहार एआई-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली के अभूतपूर्व स्तर का प्रदर्शन करने वाला देश का पहला राज्य है, जो नीति निर्माताओं, मध्य-कैरियर अधिकारियों और उन लोगों को मदद करेगा जिन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है. वह बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट के बारे में बोल रहे थे, जो अपने अत्याधुनिक जेननेक्स्ट लैब के उद्घाटन के साथ डेटा-संचालित शासन के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है. जेननेक्स्ट लैब का उद्घाटन मंगलवार को सुब्रमण्यम करेंगे. उन्होंने कहा कि एक ऐसी दुनिया में जो अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है, बिपार्ड मानता है कि प्रभावी शासन और नीति-निर्माण को तेजी से बदलती वास्तविकताओं के साथ गहराई से जोड़ा जाना चाहिए.

शासन के दृष्टिकोण को आधुनिक बनाना और बढ़ाना है : नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि नागरिक आज तीव्र निर्णयों, त्वरित सुधारों और आधुनिक चुनौतियों के साथ तालमेल रखने वाले समाधानों की मांग करते हैं. नए युग की प्रौद्योगिकियों को

अपनाना सिर्फ एक विकल्प नहीं है, बल्कि अधिक स्मार्ट, अधिक संवेदनशील और दूरदर्शी शासन चलाने के लिए यह एक अनिवार्यता है. राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बीपार्ड तीन अग्रणी प्रयोगशालाओं की शुरुआत के साथ शासन प्रशिक्षण को बदलने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य नीति और शासन के दृष्टिकोण को आधुनिक बनाना और बढ़ाना है.

एआई की शक्ति का उपयोग करने में सक्षम बनाना : बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि ये नई सुविधाएं, बीपार्ड परिसर के भीतर 'गहरे ज्ञान और खुफिया गलियारे' का हिस्सा हैं, जिन्हें राज्य में शासन को पढ़ाने और लागू करने के तरीके को नया आकार देने के लिए डिज़ाइन किया गया है. "बिहार नेक्स्ट-जेन लैब प्रशासकों को प्रशिक्षित करने के लिए घरेलू सुरक्षित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएगी. एआई का एकीकरण न केवल सुरक्षित डेटा हैंडलिंग का समर्थन करेगा, बल्कि बेहतर निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक उपकरण और अंतर्दृष्टि भी प्रदान करेगा. लैब से उम्मीद की जाती है कि प्रशिक्षुओं और अधिकारियों को पूर्वानुमानित विश्लेषण, नीति निर्माण और शासन अनुकूलन के लिए एआई की शक्ति का उपयोग करने में सक्षम बनाना.

संचार और डेटा-साझाकरण सुविधाओं से लैस होगा : बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि यह अत्याधुनिक संचार और डेटा-साझाकरण सुविधाओं से लैस होगा, जो शासन सुधारों की रणनीति बनाने और लागू करने के लिए एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देगा. इस प्रयोगशाला का उद्देश्य राज्य को प्रभावित करने वाले नीतिगत मामलों पर महत्वपूर्ण चर्चा और आम सहमति बनाना है.

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार बोले-

मुख्यमंत्री के कुशल नीति का है परिणाम

पटना । नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार के कई जिलों में तेजी से विकास हो रहा है. इस रिपोर्ट में देश में 112 आकांक्षी जिलों में 13 बिहार के हैं. इसके लिए करोड़ों के पुरस्कार भी मिले हैं. इस पर जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सीएम 'नीतीश कुमार के कुशल नीति का परिणाम है'. नीरज कुमार ने लिखा कि ''नीतीश कुमार जी के कुशल नीति का परिणाम नीति आयोग ने माना बिहार में हो रही है अच्छी प्रगति. कई जिलों ने अच्छा काम कर पांच करोड़ तक के पुरस्कार जीते. देश में 112 आकांक्षी जिलों में 13 बिहार के हैं.

फूड पॉइजनिंग से 5 बच्चों के साथ एक महिला की तबीयत बिगड़ी

- बीमार लोगों की हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेफर कर दिया गया है

संवाददाता । बांका

बांका जिले में फूड पॉइजनिंग के कारण पांच बच्चों सहित छह लोग बीमार हो गए. फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार होने का मामला सामने आया है. ये सभी लोग एक मेले से घर लौटे थे. सबने घर पहुंचने के बाद खाना नहीं खाया था. बताया जा रहा है कि ये लोग मेले में ही नाश्ता करके घर आए थे और सो गए थे. उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद सबको इलाज के लिए अमरपुर के रेफरल अस्पताल ले जाया गया. बीमार लोगों की पहचान लड्डू कुमार (12 साल), सपना कुमारी (5 साल), गोपाल कुमार (12 साल), रबीना कुमारी (6 साल), गंगिया कुमारी (13 साल) और उर्मिला देवी के रूप में हुई है. लड्डू कुमार के पिता राजेश मांझी ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है. बताया जा रहा है कि बीमार लोगों की हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेफर कर दिया गया.

समस्तीपुर में पूजा कर घर लौट रही नाबालिग के साथ गैंगरेप

समस्तीपुर । समस्तीपुर जिला के उजियारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां सोमवार की देर शाम कुछ मनचलों ने एक किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है. बताया जाता है कि किशोरी सोमवार की देर शाम लगभग आठ बजे दुर्गा मंदिर से पूजा करके अकेली अपने घर जा रही थी. इसी दौरान रास्ते में पांच से छह की संख्या में जुटे मनचलों ने किशोरी का मुंह दबाकर बगल के ही एक खेत में ले गए. जहां सभी ने उसका मुंह और हाथ बांधकर बारी-बारी से उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम देते हुए फरार हो गया. इधर, काफी देर तक उसके घर नहीं पहुंचने पर परिवार के लोग आशंकित होकर उसकी खोजबीन में निकल पड़े. काफी देर तक खोजबीन के बाद उसे वह एक सुनसान जगह पर मिली. पूछताछ में उसने परिवार वालों को सारी बात बताई.

वैशाली में गश्ती कर रही पुलिस को मिली सफलता

इनामी बदमाश हुआ गिरफ्तार

संवाददाता । हाजीपुर

जिले के सराय थाने की गश्ती दल थाना क्षेत्र में घूम रही थी, इसी क्रम में बख्तियारपुर पटेरा आमगाछी के बगल में पहुंचा तो देखा कि एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति पुलिस वाहन को देख भागने लगे जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से भागते हुए एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया एवं एक व्यक्ति भागने में सफल रहा. पकड़े गए व्यक्ति के तलाशी के क्रम में एक देसी पिस्तौल एक मैगजीन पांच जिंदा कारतूस तीन मोबाइल एवं एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है. गिरफ्तार किया गया अपराधी सराय थाना क्षेत्र के विष्णुपुर निवासी अरुण शर्मा के पुत्र हिमांशु कुमार बताया गया है. उक्त अपराधी हिमांशु कुमार का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है कई कांडों में वह वांछित चल रहा था. वैशाली पुलिस द्वारा हिमांशु कुमार पर 25000 का इनाम भी घोषित किया था. एसपी हरकिशोर राय ने बताया कि कई कांडों के वांछित अपराधी हिमांशु कुमार को गिरफ्तार किया गया है. जिसके पास से एक देशी पिस्तौल एक मैगजीन पांच जिंदा कारतूस बरामद किया गया है.

रिटायर्ड सरकारी कर्मी की गोली मारकर हत्या

पटना । राजधानी पटना में मंगलवार सुबह एक रिटायर्ड सरकारी कर्मी की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. घटना पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के बजरंगपुरी इलाके की है. मृतक की पहचान राजीव कुमार गुप्ता के रूप में की गई है. वह बजरंगपुरी इलाके के ही रहने वाले थे. सुबह 4:30 बजे के आसपास वह अपने घर से मॉर्निंग वॉक के लिए हर दिन की तरह मंगलवार को भी निकले थे. मॉर्निंग वॉक के दौरान ही बदमाशों ने गोलियों से छलनी कर दिया. घटना के बारे में बताया जाता है कि सुबह करीब पांच बजे राजीव गुप्ता मॉर्निंग वॉक कर रहे थे. इसी दौरान दो की संख्या में बदमाश उनके साथ-साथ पैदल ही मॉर्निंग वॉक करने लगे. कुछ दूर चलने के बाद उनके सिर में एक गोली मारी जिसके बाद वह गिर गए. घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए. आनन-फानन में उन्हें नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.

तालाब से मिली युवक की लाश

परिजन बोले-अपराधियों ने हत्या कर फेंक दिया

संवाददाता । नालंदा

बिहारशरीफ में मंगलवार की सुबह मस्जिद के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मामला बिहार थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहाल मस्जिद के समीप की है. मृतक की पहचान बिहार थाना क्षेत्र के कटरा पर निवासी कार्तिक राम के पुत्र बिट्टू कुमार (26) के रूप में की गई है. परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं. मृतक के भाई नीतीश कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह शौच के लिए बिट्टू घर से बाहर गया था. आसपास के लोगों से पता चला कि भाई की हत्या कर दी गई है. जब मौके पर पहुंचे तब पाया कि नेहाल मस्जिद के पास तालाब में उसका भाई गिरा हुआ है. सिर पर गंभीर चोट हैं और गले में बैंडेज बंधा हुआ है.

अपने भाई के साथ फास्टफूड की दुकान चलाता था : परिजन आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि किसी ने

पीछे से उस पर हमला कर दिया और हत्या कर उसे तालाब में लुढ़का दिया. फिलहाल हत्या के कारणों पर सस्पेंस बना हुआ है. परिजन किसी से किसी प्रकार की दुश्मनी से इनकार कर रहें हैं. युवक अपने भाई के साथ फास्टफूड की दुकान चलाता था. वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है. सदर अस्पताल आए परिवार वालों के चीख पुकार से पूरा परिसर गमगीन हो गया है. सदर डीएसपी वन ने बताया कि फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है. परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं.

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बीसीए ने किया बिहार रणजी टीम का ऐलान

पटना । बिहार क्रिकेट में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है. सोमवार को पटना हाईकोर्ट द्वारा आदेश जारी किए जाने के बाद बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफ़ी के लिए बिहार पुरुष टीम का ऐलान कर दिया. पटना हाईकोर्ट ने आदेश जारी करते हुए उन फ़ैसलों पर रोक लगा दी है, जिनमें अमित कुमार के सचिव पद संभालने से लेकर नई चयन समिति के गठन की बात थी. जस्टिस शैलेश कुमार सिन्हा जिन्हें 5 अगस्त 2024 को पटना हाईकोर्ट के आदेश के बाद लोकपाल बनाया गया था, नए आदेश के बाद अब वह भी लोकपाल नहीं हैं. साथ ही बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के जरिए ऐलान की गई बिहार की टीम रोहतक के लिए रवाना हो गई है. बिहार रणजी ट्रॉफ़ी 2024 के अभियान का आगाज हरियाणा के खिलाफ 11 अक्टूबर से होगा.

कारोबार

ओला इलेक्ट्रिक पर सीसीपीए की कार्रवाई

नयी दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने ग्राहक अधिकार उल्लंघन के लिए ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, कंपनी ने मंगलवार को एक फाइलिंग में एक्सचेंज को सूचित किया. प्राधिकरण द्वारा नोटिस उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने के लिए जारी किया गया है. कथित तौर पर नोटिस विभिन्न उपभोक्ता शिकायतों और चिंताओं को संबोधित करता है, हालांकि विशिष्ट आरोपों का विवरण अज्ञात है.

इंस्टाग्राम डाउन : 64% यूजर्स को आई समस्या

नयी दिल्ली । दुनियाभर में इंस्ट्राग्राम डाउन हो गया है. मंगलवार सुबह से इसमें परेशानी आ रही है. कई उपभोक्ता ने अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सर्विस मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर पर इसके डाउन होने की रिपोर्ट की. कई यूजर्स को ऐप लॉगिन में समस्या आ रही है. यूजर्स को एक मैसेज दिखाई दे रहा है जिसमें लिखा है- 'सॉरी समथिंग वेंट रॉन्ग'. शुरुआत में 64% यूजर्स ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट में लॉगिन की प्रॉबलम रिपोर्ट की, 24% यूजर्स को सर्वर कनेक्शन में दिक्कत आ रही थी.

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बढ़ी रफ्तार

नयी दिल्ली । मोबाइल फोन और इंटरनेट के बढ़ने के कारण देश के छोटे इलाकों में भी अब ई-कॉमर्स से खरीदने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. 72 फीसदी ग्राहकों का मानना है कि उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से अपनी खरीदी बढ़ा दी है. 21 फीसदी ने कहा, वे पहले की ही जितना खरीदी कर रहे हैं. सात फीसदी ने हालांकि कम शॉपिंग की है. फिक्की और डेलॉय की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र दूसरे व तीसरे स्तर के शहरों में तेजी से बाजार बढ़ा रहा है. मध्यम वर्ग के लोगों की आय में इजाफा हो रहा है. ऐसे में ई-कॉमर्स को इससे मदद मिल रही है. रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के अंत तक 85 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद थी.

अभिनेत्री माहिरा शर्मा मंगलवार को मुंबई हवाईअड्डे पर पहुंचते हुए तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं.

सेंसेक्स 584 अंक की तेजी के साथ 81,634 पर बंद

एजेंसी । मुंबई

सेंसेक्स मंगलवार को 584 अंक की तेजी के साथ 81,634 के स्तर पर बंद हुआ. निफ्टी में भी 217 अंक की तेजी रही, ये 25,013 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, बीएसई स्मॉल कैप 1,322 अंक चढ़कर 55,439 के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही. निफ्टी के 50 शेयरों में से 36 में तेजी और 14 में गिरावट रही. मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.11% की तेजी रही. गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का इनीशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ खुल गया है. निवेशक इस इश्यू के लिए 10 अक्टूबर तक बिडिंग कर सकते हैं. 15 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे. इससे पहले सोमवार को सेंसेक्स 638 अंक की गिरावट के साथ 81,050 के स्तर पर बंद हुआ था. निफ्टी में भी 218 अंक की गिरावट रही, ये 24,795 के स्तर पर बंद हुआ था. वहीं, बीएसई स्मॉल कैप 1,827 अंक गिरकर 54,117 पर बंद हुआ था. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और 7 में तेजी थी. निफ्टी के 50 शेयरों में से 40 में गिरावट और 10 में तेजी थी. एनएसई के आईटी सेक्टर को छोड़कर सभी गिरावट के साथ बंद हुए थे.

निफ्टी भी 217 अंक चढ़ा, बीएसई स्मॉल कैप में 1,322 अंक की बढ़त रही

भारत पर बढ़ सकता है आयात खर्च का दबाव

एक सप्ताह में 12 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अक्टूबर में करीब 12 फीसदी का उछाल देखा गया है. यदि ऐसी ही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में भारत पर तेल आयात का दबाव बढ़ने की आशंका है. इस साल 30 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 71.81 डॉलर प्रति बैरल थी जो 7 अक्टूबर को बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई. हालांकि

ओपेक के सदस्य देशों, और रूस तथा कुछ अन्य पेट्रोलियम उत्पादक देशों के इस साल दिसंबर से उत्पादन बढ़ाने की उम्मीद है. इससे इस साल के अंत तक थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है. हमास और हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई में अब ईरान के इजरायल के खिलाफ खड़े होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ रही है. ईरान समेत पश्चिम एशिया के देश पेट्रोलियम के बड़े निर्यातक हैं. इस क्षेत्र में लड़ाई बढ़ने का मतलब है आपूर्ति पक्ष पर नकारात्मक प्रभाव. इससे कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं. कच्चे तेल के दाम बढ़ने का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ेगा क्योंकि देश के आयात में सबसे बड़ा हिस्सा पेट्रोलियम और कच्चे तेल का है. सरकारी आंकड़े के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से अगस्त तक इस मद में 6,37,976.02 करोड़ रुपये का आयात किया गया. यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.77 प्रतिशत अधिक है. दरअसल, भारत शुद्ध रूप से पेट्रोलियम आयातक देश है. यानी कच्चे तेल और एलएनजी-पीएनजी जैसे उत्पादों के लिए हम आयात पर निर्भर करते हैं. हालांकि सरकार ऊर्जा के दूसरे विकल्पों को अपना कर आयात पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है, लेकिन फिलहाल ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है.

त्योहारों पर लोन सस्ता या महंगा, फैसला आज

नयी दिल्ली । आरबीआई की हर दो महीने में होने वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सोमवार से शुरू हो गई. एमपीसी के चेयरमैन और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास आज तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे. आम आदमी, शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर घटाकर लोगों को सस्ता लोन उपलब्ध कराने का रास्ता खोलेगा.

सेबी ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आईपीओ को मंजूरी दी

5.72 करोड़ शेयर्स बेचेंगे 6 शेयरहोल्डर्स

एजेंसी । मुंबई

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आईपीओ को मंजूरी दे दी है. देश की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी का यह इनिशियल पब्लिक ऑफर पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस होगा. ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, कंपनी के 6 मौजूदा शेयरहोल्डर्स की ओर से 5.72 करोड़ शेयर्स की बिक्री की जाएगी. आईडीबीआई बैंक की ओर से 2.22 करोड़ शेयर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) अपने हिस्से के 1.80 करोड़ शेयर, यूनियन बैंक 56.25 लाख शेयर, स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया 34.15 लाख शेयर बेचेंगे. जबकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी अपने हिस्से से 40-40 लाख शेयर बेचेंगे. देश की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी कंपनी है एनएसडीएल देश में 2 डिपॉजिटरी कंपनी एनएसडीएल और सीडीएसएल है. सीडीएसएल यानी सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड पहले से ही स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड है. एनएसडीएल देश की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी कंपनी है, जो लंबे समय से आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है.

मिली मंजूरी सेबी ने डिपॉजिटरी फर्म नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लि. के आईपीओ को दी मंजूरी

आईडीबीआई बैंक, एसबीआई ओएफएस में बेचेंगे शेयर

- एनएसडीएल में 26 प्रतिशत है, वह इस आईपीओ में करीब 2.22 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगा

एजेंसी । मुंबई

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से देश की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी फर्म नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को मंजूरी दे दी गई है. सेबी की ओर से कंपनी को पब्लिक इश्यू के लिए ऑब्जरवेशन जारी कर दी गई है. इसका मतलब है कि कंपनी

आईपीओ ला सकती है. एनएसडीएल की ओर से पिछले साल जुलाई में जमा किए गए ड्राफ्ट पेपर के मुताबिक यह पब्लिक इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा. इसमें करीब 5.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी. ओएफएस में पैसा कंपनी के निवेशकों के पास जाता है. आईडीबीआई बैंक के पास एनएसडीएल में 26 प्रतिशत है, वह इस आईपीओ में करीब 2.22 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगा.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), जिसकी डिपॉजिटरी में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है. उसकी ओर से पब्लिक इश्यू में 1.8 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) और केनरा बैंक के पास एनएसडीएल क्रमशः: 5 प्रतिशत, 2.8 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है. जानकारी के मुताबिक, यूबीआई की ओर से 56.2 लाख शेयर, एसबीआई और स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ द यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया की ओर से क्रमशः 40 लाख और 34 लाख शेयर आईपीओ में बेचे जाएंगे. एचडीएफसी बैंक के पास भी एनएसडीएल में 8.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है.

इसमें से करीब 2 प्रतिशत हिस्सेदारी आईपीओ में ओएफएस के तहत बिक्री की जाएगी. 31 मार्च, 2023 तक एनएसडीएल भारत में सबसे बड़ी डिपॉजिटरी है, जिसे जारीकर्ताओं की संख्या, सक्रिय उपकरणों, डीमैट निपटान मात्रा में बाजार हिस्सेदारी और संपत्तियों के मूल्य से मापा जाता है. डिपॉजिटरी अधिनियम के कार्यान्वयन के बाद एनएसडीएल भारत में नवंबर 1996 में प्रतिभूतियों के डिमटेरियलाइजेशन में अग्रणी डिपॉजिटरी बन गई थी.

वैश्विक टैबलेट बाजार में दूसरी तिमाही में 15 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी । नयी दिल्ली

वैश्विक टैबलेट शिपमेंट में इस साल की दूसरी तिमाही में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि ऐतिहासिक रूप से यह अवधि धीमी रही है. काउंटरपॉइंट रिसर्च के नवीनतम 'ग्लोबल टैबलेट मार्केट ट्रैकर' के अनुसार, 2024 की दूसरी तिमाही में बाजार में फिर से तेजी लौटी, क्योंकि एप्पल और सैमसंग ने नए उत्पाद लॉन्च किए, जबकि पिछले वर्ष कोई नई रिलीज नहीं हुई थी. रिसर्च एसोसिएट केविन ली ने कहा कि एप्पल और सैमसंग जैसे मार्केट लीडर्स की सामान्य मॉडल रिलीज शेड्यूल पर वापसी 2024 के लिए आशावादी दृष्टिकोण का संकेत देती है. ली ने कहा कि एप्पल और सैमसंग

के अलावा, हुआवेई और शाओमी जैसे चीनी निर्माताओं ने भी टैबलेट बाजार में मॉडलों की विविधतापूर्ण रेंज पेश करके विकास की गति को बढ़ाया है, जिससे मांग में और वृद्धि हुई. इस वर्ष के शेष समय में विश्वव्यापी टैबलेट बाजार में शिपमेंट आशाजनक दिख रहा है, जिसमें नए एप्पल आईपैड और एप्पल आईपैड मिनी के साथ-साथ सैमसंग की प्रमुख एस सीरीज भी शामिल है.

न्यूज अपडेट

देशभर में मां जगदंबे की पूजा की जा रही है. कोलकाता में मंगलवार को दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान देवी दुर्गा की एक आकर्षक मूर्ति का प्रदर्शन किया गया. -एजेंसी

ट्रेकोमा : भारत को डब्ल्यूएचओ की बधाई

नयी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को भारत को ट्रेकोमा नामक बैक्टीरिया आई इन्फेक्शन को समाप्त करने के लिए सम्मानित किया. इसकी वजह से ऐसा अंधापन हो सकता है जो इरविर्सिबल है. यानी हमेशा के लिए आंखों की रोशनी का चले जाना. नेपाल, म्यांमार और पाकिस्तान के बाद भारत दक्षिण-पूर्व एशिया का चौथा देश है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है. ट्रैकोमा एक उष्णकटिबंधीय रोग है जो क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता है.

सूडान : विस्थापितों के शिविर पर हमला

खार्तूम। अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के एक हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 59 अन्य घायल हो गए. यह हमला पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशेर में विस्थापितों के शिविर पर हुआ. उत्तरी दारफुर के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर के अनुसार, दो दिन तक अबू शौक शिविर पर हमला हुआ. रविवार को दो लोगों की मौत हुई जबकि सोमवार को पांच और लोग मारे गए. खातिर ने कहा कि रविवार की बमबारी में 20 लोग घायल हुए.

उत्तरी सिनाई में फिर रेल सेवा शुरू होगी

काहिरा। मिस्र के उत्तरी सिनाई में आधी सदी से भी अधिक समय बाद फिर से रेल सेवा शुरू होगी. यहां 100 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग का ट्रायल ऑपरेशन शुरू हो गया है. इस लाइन के शुरू होने से सिनाई से अन्य प्रांतों तक लोगों और माल की आवाजाही आसान हो जाएगी, नए शहरी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, उत्तरी सिनाई में आर्थिक परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा. 1973 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद क्षेत्र में संघर्ष और सैन्य अभियानों के कारण सिनाई में ट्रेन सेवाएं काफी हद तक निलंबित कर दी गई थीं.

खदान ढहने से 10 मजदूर मरे, 5 घायल

लुसाका। मध्य जाम्बिया के मुंबवा जिले में खदान ढह जाने से कम से कम 10 खनिकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए. सोमवार को मध्य प्रांत के पुलिस कमिश्नर चैरिटी मुंगांगा चंदा ने कहा कि यह दुर्घटना सोमवार तड़के उस समय हुई जब अज्ञात संख्या में लोग खदान में खनन गतिविधियां संचालित करने गए थे. खनन गतिविधियों के दौरान, मिट्टी उनके ऊपर गिर गई. रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान छह खनिकों को घायल अवस्था में बचा लिया गया, जबकि नौ की मौके पर ही मौत हो गई.

रूस के समर्थन में सैनिक भेजेंगे किम!

सोल। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने मंगलवार को कहा कि उत्तर कोरिया रूस के समर्थन में यूक्रेन में अपने नियमित सशस्त्र बलों को तैनात कर सकता है. सोल का यह आकलन ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया रूस के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है. रूस-उत्तर कोरिया की मौजूदा रिश्तों का मुख्य आधार एक द्विपक्षीय समझौता है, जिस पर उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून में शिखर वार्ता के दौरान हस्ताक्षर किए थे.

जाकिर के बयानों से पाकिस्तानी नाराज

कराची। भारत भारत के भगोड़े जाकिर नाइक को पाकिस्तान में अपने विवादास्पद बयानों के कारण भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. वह शहबाज शरीफ सरकार के निमंत्रण पर पाकिस्तान दौरे पर आया हुआ है. नाइक के विवादास्पद बयानों की वजह उसके कुछ कट्टर अनुयायियों भी यह कहने लगे हैं कि इस्लामाबाद ने उसे देश में आमंत्रित करके "बड़ी गलती" की है, वह भी एक "राज्य अतिथि" के रूप में. मंगलवार को नाइक का एक वीडियो पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इसमें वह पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन पीआईए का मजाक उड़ा रहा है क्योंकि पीआईए ने उस पर और उसके साथ आए लोगों पर अतिरिक्त सामान के लिए शुल्क लगाया.

सिक्का इंफ्रास्ट्रक्चर के 31 फ्लैट सील

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने बायर्स की रजिस्ट्री को लेकर सख्त कदम उठाया है. इस क्रम में अमिताभ कांत की सिफारिश पर सहमति नहीं देने वाले बिल्डरों पर एक्शन शुरू हो गया है. मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण की टीम ने ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1ए/1, सेक्टर-143बी सिक्का इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. के 31 अनसोल्ड फ्लैट को सील कर दिया है. इसकी कीमत करीब 51 करोड़ रुपये है. इनकी नीलामी कराई जाएगी. इससे जो पैसा आएगा, उससे बकाया वसूला जाएगा. सिक्का पर कुल बकाया 208.05 करोड़ है.

हरियाणा में फेल साबित हुए सारे एग्जिट पोल

विधानसभा चुनाव में हार से नाराज कांग्रेस को परिणाम स्वीकार नहीं, जाएगी चुनाव आयोग, कहा

यह सिस्टम की जीत, लोकतंत्र की हार

लगातार न्यूज नेटवर्क

हरियाणा चुनाव परिणाम में तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों को दरकिनार कर भाजपा ने जीत दर्ज की है. अपनी हार से नाराज कांग्रेस ने कहा है कि यह सिस्टम की जीत है और लोकतंत्र की हार है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस परिणाम पर हैरानी जताते हुए कहा कि किसी को यकीन नहीं हो रहा है कि हरियाणा में इतना अप्रत्याशित परिणाम आएगा. हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं. हम चुनाव आयोग जाएंगे और अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हरियाणा में मिली हार पर कहा कि हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है. तानाशाही से हमारी लड़ाई लंबी है.

खेड़ा ने कहा कि यदि एक लाइन में कहा जाए तो यह सिस्टम की जीत और लोकतंत्र की हार है. हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं ... हम शिकायतें एकत्रित कर रहे हैं. हमारे उम्मीदवारों ने रिटर्निंग ऑफिसर्स को शिकायतें दी हैं और अब भी दे रहे हैं. आगामी दिनों में हम इन सभी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग जाएंगे. इस तरह का परिणाम जमीन पर कहीं नजर नहीं आया. किसी को यकीन नहीं है कि हरियाणा में इतना अप्रत्याशित परिणाम आएगा. हम सब हैरान हैं. यह नतीजे पूरी तरह अप्रत्याशित हैं और हम कहेंगे कि यह अस्वीकार्य है. हमारे प्रत्याशियों से तीन जिलों, हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से लगातार शिकायतें आ रही हैं कि कैसे कुछ मशीनों की बैटरियां जो 99 प्रतिशत थीं, उनमें हमें हारते दिखाया गया और जिन मशीनों को छुआ तक नहीं गया और जिनकी बैटरियां 60-70 प्रतिशत थीं उनमें हमारे उम्मीदवार को जीतता हुआ दिखाया गया. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मौजूदा हालात में हरियाणा के परिणाम को स्वीकार नहीं किया जा सकता है. हरियाणा का अध्याय अभी खत्म नहीं हुआ है. हमसे जीत छीनी गई है. आज जो नतीजे आए हैं, वो जमीनी हकीकत के अनुसार नहीं हैं. यह परिणाम लोक भावना के खिलाफ है.

किसान, जवान, पहलवान...कांग्रेस के सारे नैरेटिव हुए धराशायी, जाट बनाम गैर-जाट ध्रुवीकरण का इशारा, बीजेपी को मिला फायदा

क्या यह राहुल गांधी की 'जाति राजनीति' को करारा झटका है?

हरियाणा का जनादेश जाति की राजनीति और जाति जनगणना के एजेंडे को भी एक बड़ा संदेश माना जा रहा है, जिसे चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार दोहराते रहे. गांधी परिवार इस चुनाव प्रचार के दौरान राज्य में कांग्रेस के लिए समर्थन की "सुनामी" की बात कर रहा था, उन्हें लग रहा था कि जाति जनगणना की बात को बार-बार दोहराने से बड़ी संख्या में दलित मतदाताओं को लुभाने में पार्टी को मदद मिलेगी. लेकिन, जिस तरह के परिणाम आए, वह राहुल गांधी की जाति की राजनीति के लिए एक बड़ा झटका है. चुनाव पर नजर रखने वालों की मानें तो कांग्रेस पार्टी की हरियाणा में हार ने साबित कर दिया कि जाति के आधार पर वोट की लामबंदी के व्यापक प्रयास किसी भी तरह से उनके पक्ष में नहीं आए, यह निश्चित रूप से जाति जनगणना के मुद्दे को बार-बार उठा रहे राहुल गांधी के प्रयास को झटका है. हरियाणा में यह आबादी का लगभग 21 प्रतिशत है. ऐसे में राहुल गांधी ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग वोटों पर पकड़ बनाने के लिए जाति सर्वेक्षण कराने का वादा किया था. पार्टी ने सत्ता में आने पर इस जाति जनगणना को लागू करने का वादा किया. वहीं, लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी राहुल गांधी लगातार देशव्यापी जातीय जनगणना की वकालत करते रहे. कांग्रेस ने राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से सभी एससी आरक्षित सीटों पर 17 दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था.

बीजेपी ने खुद भी नहीं की थी ऐसे नतीजे की उम्मीद

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे ऐसे आए, जिसकी कि बीजेपी ने खुद भी उम्मीद नहीं की होगी. एग्जिट पोल वाले दिन से ही मुरझाए चेहरे अचानक चमक गए. सुबह जब काउंटिंग शुरू हुई, तो शुरुआती रुझानों में कांग्रेस एकतरफा जीत की तरफ बढ़ती दिख रही थी, लेकिन उसकी ये खुशी घंटे-दो घंटे में ही काफूर हो गई. बाजी पलट गई. बीजेपी ने स्पष्ट बहुमत के साथ हरियाणा में जीत की हैट्रिक बना ली है. किसान-जवान-पहलवान के जरिए कांग्रेस ने नैरेटिव तो खूब गढ़ा, लेकिन बीजेपी आखिर कैसे जीत गई, जीत क्या गई, सूबे में अपनी अबतक की सबसे बड़ी जीत हासिल करने जा रही है. हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नैरेटिव गढ़ा. किसान- जवान- पहलवान के मुद्दे पर आक्रामकता के साथ प्रचार किया. अग्निवीर के मुद्दे पर जवानों की बात करके 'असली राष्ट्रवाद' का भी नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की. बीजेपी नेता बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवानों के आंदोलन का चेहरा रहीं विनेश फोगाट को चुनाव मैदान में उतार कर पहलवान बिरादरी के साथ जाट वोटों को जबरदस्त तरीके से साधने की कोशिश की. 7 गारंटियों के लोकलुभावन वादे किए.

कांग्रेस की अंतर्कलह भुनाने में बीजेपी ने कसर नहीं छोड़ी

कांग्रेस में चुनाव से पहले अंतर्कलह और मुख्यमंत्री पद को लेकर नेताओं की अपनी-अपनी दावेदारी को बीजेपी ने भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी. चुनाव में 70 से 80 प्रतिशत उम्मीदवार भूपेंद्र सिंह हुड्डा खेमे के उतारे गए. उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी सैलजा कुमारी का इससे बेचैन होना लाजिमी था. हालांकि असंध की रैली में राहुल गांधी ने सैलजा और हुड्डा को एक मंच पर लाकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश जरूर की. सैलजा हरियाणा में एक दिग्गज दलित चेहरा हैं. बीजेपी ने खुलेआम उन्हें पार्टी में आने का ऑफर दिया. हालांकि, सैलजा ने उसे सार्वजनिक तौर पर ठुकरा दिया लेकिन दलितों के बीच संभवत: संदेश जा चुका था. संदेश कांग्रेस में दलित नेता की कथित उपेक्षा का. इसका सीधा फायदा बीजेपी को मिला. वहीं कांग्रेस ने चुनाव के दौरान बीजेपी के खिलाफ मजबूत नैरेटिव गढ़ा. नेताओं का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था. सारे के सारे एग्जिट पोल भी कांग्रेस की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन पार्टी का अति-आत्मविश्वास और अति-आक्रामकता ही उसके खिलाफ चली गई. पार्टी ने पहलवानों के आंदोलन को एक तरह से जाट अस्मिता से जोड़ने की कोशिश की. अहम मुकाबले से पहले वजन बढ़ने की वजह से ओलिंपिक मेडल से हाथ धोने वाली विनेश फोगाट का कांग्रेसी नेताओं ने जुलूस निकाल कर स्वागत किया.

पीएम की लाओस यात्रा हिंद-प्रशांत में आसियान को भारत का मजबूत समर्थन

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह लाओस यात्रा पर जाने वाले हैं. यह दौरा इस बात को रेखांकित करता है कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के सदस्य देश, भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' के एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं. आसियान सदस्य देश नई दिल्ली के हिंद-प्रशांत विजन के प्रमुख साझेदार हैं. प्रधानमंत्री मोदी अपने लाओस समकक्ष सोनेक्से सिफानदोन, के निमंत्रण पर 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 10-11 अक्टूबर को वियनतियाने में होंगे. सिफानदोन आसियान के वर्तमान अध्यक्ष हैं. विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि आसियान-भारत शिखर सम्मेलन हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के जरिए भारत-आसियान रिश्तों की प्रगति की समीक्षा करेगा और भविष्य में सहयोग की दिशा तय करेगा. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, प्रमुख नेताओं के नेतृत्व वाला एक मंच है, जो क्षेत्र में रणनीतिक विश्वास का माहौल बनाने में योगदान देता है, यह भारत सहित ईएएस पार्टिसिपेटिंग देशों के नेताओं को क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है. यह महत्वपूर्ण यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक पूरे कर रहा है. प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान की केंद्रीयता और क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का दृढ़ता से समर्थन किया है, भारत ने पिछले 10 वर्षों में यह माना है कि एक मजबूत और एकीकृत आसियान इंडो-पैसिफिक की उभरती गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. पिछले साल, प्रधानमंत्री मोदी ने नयी दिल्ली द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से ठीक तीन दिन पहले जकार्ता की यात्रा की थी.

आसियान के साथ भारत का जुड़ाव तीन लक्ष्यों से प्रेरित

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का मानना है कि आसियान के साथ भारत का जुड़ाव तीन लक्ष्यों से प्रेरित है. ये तीन लक्ष्य हैं भारत और आसियान के बीच संपर्क को बढ़ाना; आसियान संगठन को मजबूत करना और समुद्री क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करना. दक्षिण चीन सागर में चीन के रणनीतिक विस्तार से चिंतित कई आसियान सदस्य देश भारत और समान विचारधारा वाले साझेदार देशों के साथ गहन रक्षा संबंध बनाने की कोशिश कर रहे हैं. जकार्ता में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान भागीदारों के साथ आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा इसके भविष्य की दिशा तय करने पर व्यापक चर्चा की थी.

मध्य पूर्व संकट: इजराइल-हमास ने खाई लंबे युद्ध लड़ने की कसम

- फिलिस्तीनी ग्रुप का दावा- हमने दुश्मन के इलाके में मिसाइलें दागीं कई सैनिकों को मार गिराया गया
- नेतन्याहू ने कहा- हम अपने काम को पूरा करेंगे और गाजा से शेष बंधकों को मुक्त कराकर रहेंगे

एजेंसियां। गाजा/लेबनान/दमिश्क

हमास ने ऐलान किया है कि वह गाजा पट्टी में इजराइल के खिलाफ लंबे संघर्ष के लिए तैयार है. इसके साथ ही उसने दावा किया कि गाजा शहर में एक हमले में कई इजराइली सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. वहीं बंधकों के बारे में उसने कहा कि पहले दिन से ही हमने अपने बंदियों की सुरक्षा सुनिश्चित की है. इस बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार 'काम को पूरा करेगी' और गाजा से शेष बंधकों को मुक्त कराएगी. बता दें पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर बड़ा हमला किया था जिसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक को बंधक बना लिया था. माना जाता है 100 से अधिक बंधक अभी भी गाजा में हैं. इसी बीच, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने सीरिया और लेबनान की सीमा पर स्थित जेडीडेट याबूस क्रॉसिंग का दौरा किया. उन्होंने कहा कि इजराइली हमले शुरू होने के बाद से लाखों लोग लेबनान से सीरिया पहुंचे हैं.

फिलिस्तीनी ग्रुप की मिलिट्री विंग अल-कस्साम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू उबैदा ने एक वीडियो में मैसेज में कहा कि हम इजराइल के खिलाफ एक लंबे और दर्दनाक युद्ध को जारी रखने का फैसला लेते हैं. उबैदा ने यह बात सोमवार को '7 अक्टूबर हमले' के एक साल पूरे होने पर कही. उबैदा ने दावा किया कि लड़ाई के सभी मोर्चों पर और पूरे गाजा में, हमने दुश्मन के सैकड़ों सैनिकों को मार डाला, इजराइली वाहनों को नष्ट किया और अपनी रणनीति को परिष्कृत किया. उन्होंने कहा कि यह संघर्ष 'आपराधिक दुश्मन' के खिलाफ है. बंधकों के संबंध में उबैदा ने कहा कि पहले दिन से ही हमने अपने बंदियों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, लेकिन नेतन्याहू की महत्वाकांक्षाओं ने उन्हें एक साल तक वापस लौटने से रोक दिया. प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि बंधकों का भाग्य अब इजराइली सरकार के फैसलों पर निर्भर करता है. अगर इजराइली सेना आगे बढ़ती है तो उनकी स्थिति खराब हो सकती है.

युद्ध तब खत्म करेंगे जब लक्ष्य पूरे होंगे : नेतन्याहू

बता दें कि पिछले साल 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ युद्ध कि घोषणा कर दी थी और उसके कंट्रोल वाले गाजा पट्टी में मिलिट्री ऑपरेशन शुरू कर दिया. इजराइल के सैन्य ऑपरेशन ने गाजा में भारी तबाही मचाई है. गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इजराइली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 41,909 हो गई है. गाजा में इजराइल का मिलिट्री ऑपरेशन अब भी जारी है. इस बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि हम युद्ध तब समाप्त करेंगे जब हम अपने सभी लक्ष्य पूरे कर लेंगे. इनमें - हमास के दुष्ट शासन को उखाड़ फेंकना, सभी बंधकों (मृत और जीवित दोनों) की वापसी, गाजा से इजराइल के लिए किसी भी भविष्य के खतरे को नाकाम करना, दक्षिण और उत्तर में हमारे निवासियों को सुरक्षित रूप से उनके घरों में वापस लाना शामिल है. नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर हमले की पहली बरसी पर एक विशेष शोक सभा में यह बात कही.

गाजा में इजराइली बख्तरबंद वाहन को मिसाइल से निशाना बनाया : हमास

हमास की मिलिट्री विंग अल-कस्साम ब्रिगेड ने दावा किया कि गाजा शहर में एक हमले में कई इजराइली सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. सोमवार को अल-कस्साम ब्रिगेड की ओर से जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, उनके लड़ाकों ने दस इजराइली सैनिकों के एक ग्रुप को एंटी पर्सनल बम से सफलतापूर्वक निशाना बनाया. एक अलग घोषणा में, ब्रिगेड ने दावा किया कि उन्होंने गाजा शहर के उत्तर में तुवाम क्षेत्र में एक इजराइली बख्तरबंद वाहन को 'यासिन 105' मिसाइल से निशाना बनाया. इजराइली सेना ने इन घटनाओं पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की. हालांकि, पब्लिक इजराइली रेडियो ने बताया कि गाजा में सैन्य बलों को गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और घायल सैनिकों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं.

इजराइली स्ट्राइक में हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर के कमांडर की मौत, आईडीएफ ने किया दावा

यरूशलम। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर के कमांडर सुहैल हुसैन हुसैनी की हत्या की घोषणा की. आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि इजराइली वायु सेना ने बेरूत क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर सटीक कार्रवाई की जिसमें हुसैनी की मौत हो गई. रिपोर्ट के अनुसार, हेडक्वार्टर संगठन के भीतर रसद की देखरेख करता है और संगठन में विभिन्न इकाइयों के बजट और प्रबंधन का प्रभारी है. आईडीएफ बयान में कहा गया कि हुसैनी ने ईरान और हिजबुल्लाह के बीच हथियारों के ट्रांसफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और वह हिजबुल्लाह यूनिट्स के बीच हथियारों के वितरण के लिए जिम्मेदार था. हुसैनी जिहाद परिषद, हिजबुल्लाह की वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व परिषद का सदस्य भी था. हुसैनी हिजबुल्लाह की सबसे खास प्रोजेक्ट के बजट और रसद प्रबंधन के लिए जिम्मेदार था, जिसमें संगठन की युद्ध योजनाएं और अन्य विशेष अभियान शामिल हैं. हिजबुल्लाह ने हमले पर तुरंत टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. हालांकि, उसने रात में इजराइल की विदेशी खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय के पास एक सैन्य अड्डे पर रॉकेट दागे जाने की जिम्मेदारी ली.

देश में 16 करोड़ ग्रामीण परिवारों को अब पीने योग्य पानी उपलब्ध

- जल जीवन मिशन : गोवा, हरियाणा, तेलंगाना हिमाचल जैसे राज्यों में 100 प्रतिशत पहुंच

एजेंसी। नयी दिल्ली

जल शक्ति मंत्रालय का कहना है कि देश में लगभग 16 करोड़ ग्रामीण परिवारों को अब पीने योग्य पानी उपलब्ध है. 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत के समय केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों को पीने योग्य पानी मिल रहा था जबकि अब यह आंकड़ा 78.58 प्रतिशत है. 'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पानी के नल का कनेक्शन प्रदान करना है. प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी.

मंत्रालय ने कहा कि 6 अक्टूबर तक मिशन के तहत 15.19 करोड़ ग्रामीण परिवारों को पानी के नल का कनेक्शन मिल चुका है. मिशन के शुरू होने के बाद से 11.95 करोड़ नए टैप वाटर कनेक्शन दिए गए हैं. गोवा, हरियाणा, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में 100 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक पीने का स्वच्छ पानी पहुंच चुका है. इसके अलावा, देश भर में 9.29 लाख से अधिक स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक स्वच्छ पानी पहुंच रहा है. मंत्रालय के मुताबिक फील्ड टेस्ट किट का इस्तेमाल करके जल गुणवत्ता की जांच करने के लिए 24 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है. अब तक 54 लाख से अधिक जल नमूनों का परीक्षण किया गया है. इस पहल का मकसद ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के बीच पानी की आपूर्ति के अंतर को कम करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है. 'जल जीवन मिशन' ग्रामीण महिलाओं को घर के लिए पानी लाने की मेहनत से मुक्ति दिलाने, उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक - आर्थिक स्थिति में सुधार लाने का एक प्रयास है. यह मिशन जीवन को आसान बनाने के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक है. 'जल जीवन मिशन' सुरक्षित पेयजल को लेकर जागरूकता बढ़ाने और जल को सभी की जिम्मेदारी बनाने की एक कोशिश है.

आरजी कर के सीनियर डॉक्टरों ने दिया इस्तीफ़ा

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेप और हत्या के ख़िलाफ़ आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में अस्पताल के 50 सीनियर डॉक्टरों ने सामूहिक इस्तीफ़ा दे दिया. दूसरी ओर कोलकाता मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सीनियर डॉक्टरों ने भी 24 घंटे के भीतर जूनियर डॉक्टरों की मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में सामूहिक इस्तीफ़े की चेतावनी दी है. मंगलवार को आरजी कर के सीनियर डॉक्टरों ने राज्य के स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक को भेजे पत्र में इस्तीफ़े का एलान किया है. उन्होंने पत्र में सरकार से आंदोलनकारियों की मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस पहल करने की भी मांग की है. एक सीनियर डॉक्टर ने कहा कि आमरण अनशन किसी भी आंदोलन का आख़िरी हथियार होता है. जूनियर डॉक्टरों के आमरण अनशन के बावजूद सरकार ने कोई सकारात्मक पहल नहीं की है.

अंतरिक्ष मिशन

पांचवें मून मिशन 'लुपेक्स' को राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग ने दी मंजूरी

भारत की चांद पर बड़ी छलांग लगाने की तैयारी

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत अपनी चंद्र महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में चंद्रयान-3 के बाद, एक और बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है. राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग ने पांचवें चंद्र मिशन - 'लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन या लुपेक्स' को मंजूरी दे दी है. राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग, देश में अंतरिक्ष मिशनों से जुड़ी सर्वोच्च संस्था है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'लुपेक्स', भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी का एक संयुक्त मिशन है. यह मिशन भारत के बड़े चंद्र रोडमैप का हिस्सा है जिसका मकसद अंततः एक अंतरिक्ष यात्री को चांद पर भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है. मीडिया की खबरों के मुताबिक यह मिशन चांद की सतह पर 100 दिनों तक रह सकता है. यह अवधि चंद्रयान-3 के मिशन की अवधि से पांच गुना अधिक है. मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव (90-डिग्री अक्षांश) पर उतरेगा. यह चांद पर पानी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों की जांच करेगा. 'लुपेक्स' चंद्रमा की जमीन के नीचे पानी की मात्रा और वितरण का भी विश्लेषण करेगा. भारत-जापानी मिशन की योजना चंद्रमा के स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों या अंधेरे पक्ष का अन्वेषण करने और इसकी सतह पर विशेषज्ञता हासिल करने की है.

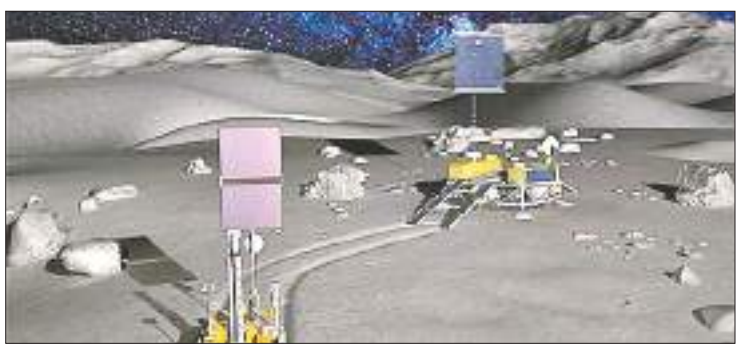

'लुपेक्स' रोवर का वजन प्रज्ञान से अधिक 350 किग्रा होने की उम्मीद

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिशन के लिए लॉन्च व्हीकल एक जापानी रॉकेट होगा, लैंडर सिस्टम इसरो द्वारा विकसित किया जाएगा जबकि रोवर जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी द्वारा बनाया जाएगा. 'लुपेक्स' रोवर का वजन 350 किलोग्राम हो सकता है जबकि चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर का वजन सिर्फ 26 किलोग्राम था. मीडिया की खबरों के मुताबिक 'लूपेक्स' को जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी के लिए रखा जाएगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)